हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शुक्रवार • 13.03.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 225 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

नए आपूर्ति पदाधिकारी का हुआ स्वागत

बड़कागांव : प्रखंड के नए आपूर्ति पदाधिकारी नवीन कुमार का पद ग्रहण करने के पश्चात स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। बड़कागांव प्रखंड के सभागार भवन में प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल की उपस्थिति में डीलर संघ के द्वारा नए आपूर्ति पदाधिकारी का स्वागत कार्यक्रम किया गया। जिसमें मुख्य रूप से प्रखंड पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल, खाद आपूर्ति एजीएम डीलर संघ के अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार गुप्ता ,सचिव बालेश्वर कुमार ,जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर राम ,चरण राम,प्रकाश राम ,जगन्नाथ साव ,एतवा तूरी , चरण राम चिंतामणि कुशवाहा, तुलेश्वर कुमार, सोनू यादव, भुवनेश्वर राम,एवं प्रखंड के सभी डीलर एवं डीलर प्रतिनिधि उपस्थित थे।

डुमरीया डीह मस्जिद में रोजेदारों ने तराबी सुनी

बरही : बरही प्रखंड के डुमरियाडीह मस्जिद में बुधवार रात में ईद के मौके पर रोजेदारों ने तराबी सुनी। हाफीज व कारी इमाम जनाब तैयब अली ने रात भर रोजेदारों को तरावी कुरान को बहुत ही इत्मीनान से सुनाया। इस दौरान रात को मुकम्मल कुरान पढ़ा गया उसके बाद मिलाद पढ़ा गया दुआ भी पढ़ा गया जिसमें पूरे तरावी सुनने वाले के साथ ही साथ पूरे ग्राम एवं देश के लिए अमन शांति के लिए ,तरक्की के लिए दुआ पढ़ा गया ।इस दौरान लोगों ने हाफिज तैय्यब को बुके शॉल एवं माला पहनाकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया ।साथ ही साथ सभी नियमित तराबी मुकम्मल सुनने वालो को भी माला पहनाकर सम्मानित किया गया ।इस मौके पर अल्प संख्यक कल्याण महा समिति अध्यक्ष मो कैयूम ,हाजी हाशिम साहब ,मो मंसूर आलम आजाद अली, समसूदीन ,करामात मियां ,जाहिर उद्दीन ,नासिर उद्दीन, अजीज मियां सहित कई लोग मौजूद रहे।

जल संसाधन विभाग के बजट पर चर्चा में बरही विधायक मनोज यादव ने कहा

सिंचाई व्यवस्था मजबूत कर किसानों की आय बढ़ाए सरकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र 2026 के दौरान जल संसाधन विभाग के वर्ष 2026-27 के बजट पर कटौती प्रस्ताव के पक्ष में बोलते हुए बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने राज्य में सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सिंचाई सुविधा कृषि उत्पादन बढ़ाने, सूखे की समस्या को कम करने, बहुफसली खेती को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि झारखंड प्राकृतिक जल संसाधनों से समृद्ध राज्य है, ऐसे में इन संसाधनों का संरक्षण कर उनका उपयोग सिंचाई के लिए करना सरकार का प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य की कृषि अभी भी काफी हद तक मानसून की वर्षा पर निर्भर है, जहां औसतन 1100 से 1400 मिलीमीटर वर्षा होती है। लेकिन वर्षा का असमान वितरण होने के कारण किसानों को सिंचाई की समस्या का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि राज्य में कृषि उत्पादन बढ़ाने, किसानों की समस्याओं को कम करने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सिंचाई व्यवस्था का विस्तार आवश्यक है। आजादी के बाद से अब तक राज्य में केवल करीब 40 प्रतिशत भूमि पर ही खेती हो पा रही है, जबकि सिंचाई की बेहतर व्यवस्था होने पर इसका दायरा बढ़ाया जा सकता है। विधायक ने कहा कि पहले कैनाल सिस्टम के माध्यम से खेती को काफी बढ़ावा मिल रहा था, लेकिन कई योजनाएं अब भी अधूरी पड़ी हैं। उन्होंने बताया कि स्वर्णरेखा परियोजना की शुरूआत वर्ष 1982 में हुई थी, लेकिन आज भी यह परियोजना पूरी तरह से जमीन पर नहीं उतर सकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस परियोजना में लगातार रिवीजन पर रिवीजन किया जा रहा है, जिससे संवेदकों और कुछ पदाधिकारियों को फायदा हो रहा है, जबकि किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि तिलैया डैम होने के बावजूद बरही और बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के लोगों को इसका समुचित लाभ नहीं मिल रहा है, जिससे स्थानीय लोग स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोटिया जलाशय से भी वहां की जनता को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि कई सिंचाई परियोजनाएं वन विभाग की अनुमति और अन्य प्रशासनिक कारणों से अधर में लटकी हुई हैं। राज्य सरकार को इस दिशा में पहल कर समस्याओं का समाधान करना चाहिए ताकि किसानों को योजनाओं का लाभ मिल सके। अंत में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए कि झारखंड की जनता को कृषि से अधिक से अधिक लाभ मिले और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो। साथ ही उन्होंने राज्य की युवा कृषि मंत्री से उम्मीद जताई कि वे किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाएंगी।

रैलिंग तोड़कर जवाहर घाट में गिरा मछली लदा ट्रक, चालक का कोई सुराग नहीं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही के जवाहर घाट में बीते रात्रि करीब 10:30 बजे आंध्रप्रदेश से कोडरमा जा रहा मछ्ली लदा ट्रक अनियंत्रित होकर रैलिंग तोड़कर जवाहर घाट में जा गिरा। जिसमें चालक का अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है, जबकि ट्रक का उपचालक सुरक्षित बच गया, हालांकि आशंका जताई जा रही है कि चालक का ट्रक में फंसे होने के कारण उसकी मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक संख्या ए.पी 35.एक्स 8299 आंध्रप्रदेश से मछली लेकर कोडरमा की ओर जा रही थी। मृतक की पहचान सूर्या बाबू जबकि उपचालक की राजेश कुमार उम्र करीब 38 वर्ष पिता रामबाबू , पता पोलबा कॉलोनी, थाना तुडम, जिला विजय नगर आंध्रप्रदेश निवासी के रूप में हुई है। घटना की सूचना पाकर बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। जहां पहुंचकर उन्होंने घटना का जायजा लिया। उसके बाद उन्होंने ट्रक को निकालने के लिए दर्जनों स्थानीय गोताखोर और दो हाइड्रा (क्रेन) को बुलाया। लेकिन काफी मशक्कत के बाद भी ट्रक को जवाहर घाट से नहीं निकाला जा सका है। इस संबंध में पूछे जाने पर बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि ट्रक को बाहर निकालने का प्रयास लगातार जारी है, साथ ही उन्होंने कहा कि अगर आज ट्रक नहीं निकल पाता है तो कल फिर बाहर से टीम बुलाया जाएगा। गौरतलब हो कि 14 मई 2025 को भी एक बोलेरो अनियंत्रित होकर जवाहर घाट में जा गिरी थी, जिसमें तिलैया निवासी आशीष रवानी और राहुल सोनकर की मौत हो गई थी।

इंद्रपुरी चौक से अतिया तक फ्लाइओवर की मांग, जाम से मिलेगी राहत : प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद ने शहर की बढ़ती यातायात समस्या को देखते हुए इंद्रपुरी चौक से अतिया तक फ्लाइओवर निर्माण की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग शहर के सबसे व्यस्त रास्तों में से एक है, जहां बढ़ते ट्रैफिक के कारण अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। विधायक ने कहा कि फ्लाइओवर बनने से जाम की समस्या से राहत मिलेगी और आवागमन अधिक सुगम व सुरक्षित होगा। उन्होंने राज्य सरकार से जनहित में इस परियोजना पर शीघ्र पहल करने की मांग की है, ताकि हजारीबाग की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके।

दलहनी बीज उत्पादन पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान गौरिया करमा में 12 मार्च को अनुसूचित जाति परियोजना के अंतर्गत "दलहनी फसलों में गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। यह एक 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण था, जिसमें हजारीबाग जिले के बरही एवं चौपारण ब्लॉक के किसान सम्मिलित हुए थे। कार्यक्रम के समापन समारोह में संस्थान के परिसर प्रभारी एवं प्रधान वैज्ञानिक सनत कुमार महंता ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि दलहनी फसलें हमारी पोषण सुरक्षा और मिट्टी की उर्वरता का आधार है, इनके उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करेगी। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ बैद्य नाथ मंडल ने किसानों को फसल विविधीकरण का महत्व समझाया तथा दलहनी फसलों को फसल चक्र में सम्मिलित करने के लिए प्रेरित किया। यह न केवल खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को मजबूत करेगी बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी स्थिरता प्रदान करेगी। अनुसूचित जाति परियोजना के प्रभारी डॉ कृष्ण प्रकाश ने कहा इस प्रशिक्षण से लाभान्वित किसानों को अपने आस पास के गाँव में भी इन तकनीकों का प्रचार प्रसार करना चाहिए । कार्यक्रम का संचालन, प्रशिक्षण कार्यक्रम निदेशक डॉ अनिमा महतो द्वारा किया गया, जबकि प्रशिक्षण की निगरानी प्रशिक्षण सह निदेशक डॉ आकाश ए तथा डॉ पवित्रा के एन कर रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान प्रभारी डॉ एस के महंता, डॉ विशाल नाथ, डॉ पंकज कुमार सिन्हा,डॉ कृष्ण प्रकाश, तकनीकी अधिकारी अरुण कुमार रजक एवं आकाश कुमार दास सक्रिय भूमिका निभाए।संयोगवश इस प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागी महिलाएँ हैं, जो महिला सशक्तिकरण और कृषि क्षेत्र में उनकी बढ़ती भागीदारी का प्रतीक है । गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन के माध्यम से न केवल दलहनी फसलों की पैदावार बढ़ेगी बल्कि किसानों को आमदनी भी बढ़ेगी और राष्ट्रीय स्तर पर हम आयात पर निर्भरता घटाकर आर्थिक मजबूती एवं खाद्य सुरक्षा दोनों को सुनिश्चित करने में सक्षम होंगे।

प्रो चंद्र भूषण शर्मा 'टीचर एजुकेटर ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा को 12 मार्च को वर्ष 2025-26 का ह्लटीचर एजुकेटर ऑफ द ईयरह्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें इंडियन एसोसिएशन ऑफ टीचर एजुकेटरस (कअळए) द्वारा सिक्किम के गैंगटोक में आयोजित वार्षिक सम्मेलन में दिया गया। प्रो शर्मा को यह पुरस्कार सिक्किम के शिक्षा मंत्री, श्री राजू बस्नेत तथा सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एस के स्वैन द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि यह पुरस्कार देश के विशिष्ट शिक्षक-शिक्षाविदों को प्रदान किया जाता है और इसे प्राप्त करना शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जाता है। उन्होंने समकालीन समाज में शिक्षकों के प्रति सम्मान और विश्वास में आ रही गिरावट के प्रति सबका ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए शिक्षकों और शिक्षक-शिक्षाविदों की गरिमा और सामाजिक प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है।
प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने विश्व के सर्वाधिक विकसित राष्ट्र में से दो प्रमुख राष्ट्र, फिनलैंड तथा स्वीडन (ऋल्ल'ल्लं & र्द्दील्ल) की शिक्षा प्रणालियों का उल्लेख करते हुए बताया कि इन देशों में शिक्षकों को पर्याप्त पेशेवर स्वतंत्रता, स्वायत्तता और विश्वास प्राप्त है।

राज्य की नदियों का संरक्षण हो और न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाया जाए : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने जल संसाधन विभाग एवं विधि विभाग के बजट प्रस्ताव पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराया। विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि जल संसाधन विभाग की जिम्मेदारी केवल सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण करना नहीं है, बल्कि राज्य की नदियों के प्राकृतिक प्रवाह और जल स्त्रोतों की सुरक्षा करना भी है। दुर्भाग्य की बात है कि आज झारखंड की प्रमुख नदियाँ दामोदर, स्वर्णरेखा और बराकर प्रदूषण, अवैध बालू खनन और अनियंत्रित औद्योगिक गतिविधियों के कारण गंभीर संकट का सामना कर रही हैं।
केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार इन नदियों के कई हिस्से प्रदूषित श्रेणी में आ चुके हैं। नगर निकायों का 70झ्र80 प्रतिशत सीवेज बिना ट्रीटमेंट के सीधे नदियों में बहाया जा रहा है, जिससे जल की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है।
इसके साथ ही राज्य में चल रही कोयला खनन परियोजनाओं के कारण कई स्थानों पर नदियों के प्राकृतिक बहाव को भी डाइवर्ट किया गया है। उत्तरी कर्णपुरा कोलफील्ड, सीसीएल की खनन परियोजनाओं तथा झरिया और बोकारो कोलफील्ड क्षेत्रों में खनन विस्तार के लिए दामोदर जैसी महत्वपूर्ण नदी के बहाव को बदला गया है। मेरे बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में भी एनटीपीसी द्वारा दामोदर नदी के प्राकृतिक प्रवाह को प्रभावित किया गया है, जिससे कई छोटी नदियाँ और जलधाराएँ भी प्रभावित हुई हैं।
विशेषज्ञों के अनुसार दामोदर बेसिन में खनन के कारण 100 से अधिक छोटी नदियाँ और जलधाराएँ प्रभावित हुई हैं, जिससे नदी तंत्र और भूजल स्तर दोनों पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दूसरी ओर बोकारो, जमशेदपुर, धनबाद और रामगढ़ जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों द्वारा नदियों और भूजल का भारी मात्रा में दोहन किया जा रहा है। जल विशेषज्ञों के अनुसार झारखंड में उद्योगों द्वारा प्रतिदिन 300झ्र400 मिलियन लीटर से अधिक पानी का उपयोग किया जाता है, जिसका बड़ा हिस्सा दामोदर और स्वर्णरेखा बेसिन से लिया जाता है। लेकिन जल उपयोग और प्रदूषण की निगरानी की व्यवस्था पर्याप्त नहीं दिखाई देती। आगे उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इसके साथ ही अवैध बालू खनन ने नदियों की स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। अत्यधिक बालू निकासी से नदी का तल गहरा हो रहा है, भूजल स्तर गिर रहा है और कई स्थानों पर नदियों का प्राकृतिक प्रवाह भी प्रभावित हो रहा है। आगे विधायक श्री चौधरी ने सरकार से मांग किया कि नदियों के प्राकृतिक बहाव को डाइवर्ट करने वाली गतिविधियों पर सख्त निगरानी हो ।उद्योगों द्वारा जल उपयोग और प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए।

खेरौन यज्ञ मंडप के सुंदरीकरण के लिए सांसद ने उपलब्ध कराया 7500 फेबर ब्लॉक

विधायक मनोज कुमार यादव के प्रयास से मिला सहयोग, 19 मार्च से शुरू होगा यज्ञ, कई जनप्रतिनिधि रहे मौजूद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल द्वारा बरही विधायक मनोज कुमार यादव के प्रयास से बरही प्रखंड के खेरौन स्थित यज्ञ मंडप परिसर के सुंदरीकरण के लिए करीब साढ़े सात हजार फेबर ब्लॉक उपलब्ध कराया गया है। इन फेबर ब्लॉकों के माध्यम से यज्ञ मंडप में फेरी (परिक्रमा पथ) का सुंदरीकरण किया जा रहा है ।बताया गया कि चुनाव से पहले ही सांसद मनीष जायसवाल ने खेरौन यज्ञ मंडप के सुंदरीकरण का आश्वासन दिया था। उसी वादे को पूरा करते हुए यज्ञ से पहले मंडप परिसर में फेबर ब्लॉक लगाकर सुंदरीकरण का कार्य कराया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यहां 19 मार्च से भव्य यज्ञ का आयोजन किया जाना है, जिसे लेकर गांव और आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है। फेबर ब्लॉक उपलब्ध कराए जाने के दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, बरही विधानसभा सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत चंद्रवंशी, जिला परिषद सदस्या प्रीति कुमारी, बरही पश्चिमी मंडल सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी, बरही पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक तथा केदारूत मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर ने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल व विधायक मनोज यादव क्षेत्र के विकास को लेकर हमेशा गंभीर रहते हैं और उनके प्रयास से क्षेत्र में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। खेरौन यज्ञ मंडप के सुंदरीकरण के लिए फेबर ब्लॉक उपलब्ध कराना भी इसी कड़ी का हिस्सा है, जिससे यज्ञ में आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी। वहीं बरही विधानसभा सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत चंद्रवंशी ने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल द्वारा किए गए वादों को लगातार पूरा किया जा रहा है। खेरौन में होने वाले यज्ञ को लेकर लोगों में काफी उत्साह है और मंडप के सुंदरीकरण से कार्यक्रम और भी भव्य होगा। यज्ञ समिति के सदस्यों ने सांसद मनीष जायसवाल और विधायक मनोज कुमार यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से यज्ञ मंडप का सुंदरीकरण संभव हो सका है, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिल पाएगी। मौके पर इंद्रदेव ठाकुर, भोला सिंह, अशोक सिंह, शम्भू सिंह, देवेन्द्र सिंह (यज्ञ कमेटी अध्यक्ष), बीरेन्द्र सिंह, अवधेश सिंह, राधेश्याम सिंह, डॉ. एस.एन. सिंह, अरुण सिंह, शंकर सिंह, रामाधीन यादव, राधेश्याम सिंह तथा नितेश सिंह सहित कई ग्रामीण और यज्ञ समिति के सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

एकता मंच का ऐलान : 16 मार्च को हड़ताली चौक पर होगा धरना-प्रदर्शन

हजारीबाग : यूजीसी रेग्यूलेशन 2026 के विरोध में हजारीबाग में सवर्ण एकता मंच ने आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। मंच के पदाधिकारियों ने प्रेस वार्ता कर बताया कि इससे पहले हजारीबाग के सांसद और जिला उपायुक्त के माध्यम से केंद्र सरकार से इस कानून को वापस लेने की मांग की गई थी। मंच के सदस्यों का कहना है कि यह कानून सवर्ण समाज के छात्रों के हितों के खिलाफ है और इसे वापस लिया जाना चाहिए। प्रेस वार्ता में बताया गया कि इस मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को 19 मार्च 2026 तक संशोधन कर कानून पेश करने का निर्देश दिया है, लेकिन अब तक केंद्र सरकार की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं आई है। मंच के नेताओं ने आरोप लगाया कि यूजीसी रेग्यूलेशन 2026 में कई आपत्तिजनक प्रावधान हैं, जिससे सवर्ण समाज के बच्चों के भविष्य और अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। इसी कारण देश के कई हिस्सों में इस कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। सवर्ण एकता मंच हजारीबाग ने घोषणा की है कि 16 मार्च 2026 को स्थानीय पुराने समाहरणालय के पास हड़ताली चौक पर सुबह 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में पूरे जिले से हजारो की संख्या में लोग शामिल होंगे। मंच के नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि 19 मार्च के बाद भी केंद्र सरकार इस कानून को वापस नहीं लेती है, तो हजारीबाग का सवर्ण समाज उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से मुकेश कुमार (मुख्य संयोजक), दीपक नाथ सहाय (संरक्षक), विश्वनाथ शर्मा, अवधेश सिंह, बप्पी करण दीपक सिंह, सुबोध ओझा, सुनील पांडे, सुनील सिंह राठौर, अजय शर्मा , प्रवक्ता आनंद शाही , प्रियम्बदा सहाय, श्वेता सिन्हा,बिजुल देवी,आदि उपस्थित थे।

छेड़खानी, मारपीट करते हुए गला दबा कर मारने का मामला दर्ज, जांच में जुटी पुलिस

बरही : अपने घर जा रही महिला को सुनसान जगह देख जबरन छेड़खानी करने तथा महिला द्वारा विरोध करने पर महिला के साथ मारपीट करते हुए जान से मारने के नीयत से गला दबाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है ।इस सम्बंध में पीडित महिला ने बरही थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग की। वहीं पुलिस मामले को गंभीर देखते हुए मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने आवेदन में बताया कि 9 मार्च को बरही थाना क्षेत्र के तिलैया डैम से अकेली शाम लगभग 4 बजे बजे सवारी की गाड़ी नहीं मिलने के कारण अकेली अपना घर भंडारो पंचायत के बेहराबाद गांव जा रही थी। इसी दौरान धोबीयापहरी के पास अचानक तेज बारिश होने लगा। महिला पानी से बचने के लिए सड़क किनारे पेड़ के नीचे बचनी लगी। पीड़ित महिला ने बतायी कि इसी दौरान बरही थाना क्षेत्र के अलगडीहा गांव निवासी सरताज अंसरी पिता सौकत अंसारी ने मुझे अकेले पाकर मेरे पास आया और मेरा मुंह दबाकर घसीटते हुए झाडी के तरफ ले गया और मेरे साथ बलात्कार करने का प्रयास करने लगा। मैं अपना इज्जत बचाने के लिए काफी चिखने चिल्लाने लगी। उन्होंने बताई कि जब विरोध करते लगी तो सरताज अंसारी मुझे लपड़-थपड़ करते हुए लात-मुक्का से बेरहमी से मारपीट किया और मुझे जान से मारने के नीयत से मेरा गला दबा दिया । इसी बीच संयोगवश धोबियापहरी गांव के एक व्यक्ति जिनको हम नही पहचानते हैं मेरी आवाज सुन दौडता हुआ और मेरे जान तथा इज्जत को बचाया। उन्होंने बताया कि मेरे इज्जत और जान बचाने वाले अज्ञात व्यक्ति के द्वारा ग्रामीणों को खबर कर बुलाया गया उसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से मुझे मेरा घर पहुंचाया। उसके बाद मैंने परिजनों के साथ इलाज के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा है। पीड़िता ने बरही थाना क्षेत्र लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग किया। वहीं बरही थाना पुलिस मामले को गंभीर देखते हुए बरही थाना कांड संख्या 96/26 का मामला दर्ज कर छानबीन में जुट गए ।इस सम्बंध में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने तुलसी महतो हत्याकांड मामले में चौथे फरार आरोपी को भी भेजा जेल

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के सिकरी पंचायत के पारनदी निवासी 30 वर्षीय तुलसी महतो हत्याकांड मामले में सिकरी थाना ओपी पुलिस ने एक और नामजद प्राथमिक अभियुक्त आरोपी 27 वर्षीय दशरथ कुमार पिता महावीर महतो को गिरफ्तार कर हजारीबाग करावास भेज दिया। मामले में पुलिस ने इसके पहले भी तीन नामजद आरोपियों को भी गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जिसमें मीना महतो,बासुदेव महतो , सुरेंद्र महतो का नाम शामिल हैं। बताते चलें कि 30 वर्षीय तुलसी महतो को 2 मार्च की रात में लोगों ने गला रेत कर हत्या कर दिया था। छापेमारी दल में मुख्य रूप से सिकरी ओ पी प्रभारी रामकुमार राम, अजय भगत,समीर ओझा,अनूप किस्कू, निलेश लिंडा, चौकीदार सहित कई लोग उपस्थित थे।

नशे में धुत टाटा सफारी चालक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, युवक घायल

बरही : बरही चौक पर शराब के नशे में धुत एक टाटा सफारी चालक ने तेज रफ्तार में बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना उस समय हुई जब टाटा सफारी का चालक बरही चौक से तेज गति में वाहन लेकर निकल रहा था। इसी दौरान उसने बाइक सवार युवक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान बरहीडीह निवासी पंकज पासवान के रूप में की गई है। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस निरीक्षक के साथ बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

विभावि में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर के प्रथम दिन देखे गए 303 मरीज

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के फिजियोथैरेपी विभाग तथा आइक्यूएसी के सहयोग से हजारीबाग डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा 12 मार्च को तीन दिवसीय नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ फिजियोथैरेपी विभाग में किया गया। इसकी जानकारी देते हुए फिजियोथैरेपी विभाग के निदेशक डॉ उमेंद्र सिंह ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है।

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार ● 13.03.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 225 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में रांची बेकन फैक्ट्री के पुनरुद्धार को लेकर हुआ समझौता

किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में पहल सरकार व आईआईएचआर के बीच एमओयू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति में गुरुवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में उद्यान निदेशालय, झारखंड और भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरू के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से राज्य में उद्यानिकी क्षेत्र के विकास और विस्तार को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा और उनकी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीन भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान के साथ समझौता होने से झारखंड में फल, सब्जी, सजावटी पौधे, औषधीय फसल और मशरूम की खेती में उत्पादकता, गुणवत्ता और मूल्य बढ़ाने की दिशा में काम होगा। इसके साथ ही बागवानी क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के उपयोग, अनुसंधान, प्रशिक्षण और सेवाओं को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में गुरुवार को झारखंड विधान सभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय मांस और पॉल्ट्री अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, और पशुपालन निदेशालय, कृषि, पशुपालन एवं सहयोग विभाग, झारखंड सरकार के बीच रांची स्थित बेकन फैक्ट्री के पुनरुद्धार और झारखंड में मांस प्रसंस्करण क्षेत्र के व्यापक विकास के लिए परामर्श सेवाओं हेतु आयोजित एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच हस्ताक्षरित यह ऐतिहासिक समझौता झारखंड में पशुपालन क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और राज्य की मांस प्रसंस्करण क्षमताओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एमओयू राज्य सरकार द्वारा संचालित पशुपालन से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को मजबूत करने एवं राज्य के पशुधन क्षेत्र में मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक पहल साबित होगी।

सीएमसे असम जातीय परिषद के अध्यक्ष ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में असम जातीय परिषद के अध्यक्ष लूरिनज्योति गोगोई ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं उनके बीच आगामी असम चुनाव सहित झारखंड में चल रहे कई अन्य विकासात्मक मुद्दों पर चर्चा हुई। मौके पर असम जातीय परिषद के अन्य सदस्य एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से लोस सांसद गौरव गोगोई ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष-सह-लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं उनके बीच आगामी असम चुनाव सहित झारखंड में चल रहे विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के क्रियान्वयन एवं वर्तमान राजनीतिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू उपस्थित रहे।

कैबिनेट : मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना का लाभ अब राज्य से बाहर की तकनीकी छात्राओं को भी मिलेगा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य के सभी इंजीनीयरिंग और पॉलिटेक्निक सहित अन्य शिक्षण संस्थाओं में पढ़ रहीं छात्राओं को अब मानकी मुंडा छात्रवत्ति योजना का लाभ मिल सकेगा। यह निर्णय गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। कैबिनेट में लिए गए निर्णयों की जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ पूर्व में झारखंड प्रोदयोगिकी संस्थांन, रांची में पढ रहे छात्राओं को दिया जा रहा था। लेकिन अब नियमों में संशोधन करते हुए राज्ये के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पढ रही छात्राओं को इस योजना का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति के आवेदन की प्रक्रिया में भी सरलीकरण किया गया है। कैबिनेट की बैठक में कुल 40 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

बच्चों की देखभाल के लिए महिला कर्मियों को अवकाश

कैबिनेट ने राज्य की महिला कर्मचारियों के लिए अब अवकाश के नियम और भी बेहतर करते हुए 02 साल के कुल अवकाश में से पहले साल 100 प्रतिशत वेतन और दूसरे साल 80 प्रतिशत वेतन देने का निर्णय लिया है। सारठ स्थित महिला विद्यालय को अब पूर्ण रूप से डिग्री कॉलेज में परिवर्तित कर दिया गया है।

कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण फैसले

- विधायक और पूर्व विधायकों को भारतीय प्रशासनिक सेवा और पुलिस सेवा में कार्यरत अधिकारियों की तरह उनके और उनके परिजनों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की कैबिनेट से मंजूरी दी गई।
- गोड्डा में एक नए महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज के निर्माण के लिए 88 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई।
- रांची विमेंस कॉलेज के प्रस्तावित छात्रावास के स्थल में परिवर्तन किया गया है, अब यह छात्रावास मोराबादी में बनाया जाएगा।
- नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के राज्य के कैडेट्स के दैनिक नाश्ते की राशि में बढ़ोतरी की गई है।
- राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और राजस्व जुटाने के लिए झारखंड सिटी टूरिस्ट टैक्स रूल्स को मंजूरी दी गई है। अब राज्य के होटलों में ठहरने वाले पर्यटकों को टैक्स देना होगा।
- राज्य में ड्राइविंग ट्रेनिंग संस्थानों को बढ़ावा देने के लिए 22 करोड़ 3 लाख 31 हजार रुपये की स्वीकृत दी गई। वहीं इसके विरूद्ध केंद्र सरकार 17 करोड़ का अनुदान देगी।
- नेतरहाट विद्यालय के कर्मियों के उत्साहवर्धन के लिए उन्हें 20 प्रतिशत विशेष वेतन देने का निर्णय लिया गया है।
- सरकारी सेवकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए झारखंड सरकारी सेवक शिकायत निवारण नियमावली को मंजूरी दी गई है।
- राज्या के पलामू जिला मुख्यालय स्थित डाल्टेनगंज स्टेशन का नाम बदलकर अब आधिकारिक रूप से मेदिनीनगर स्टेशन कर दिया गया है।

सदन की मर्यादा और परंपराओं को बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी : बिरला

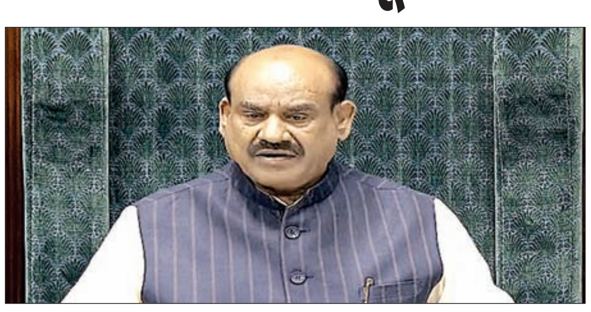

एजेंसी

नयी दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के बुधवार को ध्वनिमत से खारिज होने के बाद गुरुवार को अध्यक्ष के आसन पर बैठे। बिरला ने कहा कि भारत के संसदीय इतिहास में तीसरी बार लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर संकल्प आया और इस पर दो दिनों तक 12 घंटे से अधिक चर्चा हुई। उनका हमेशा प्रयास रहा है कि सदन के भीतर प्रत्येक सदस्य नियमों और प्रक्रियाओं के तहत अपने विचार व्यक्त कर सके और सभी को पर्याप्त अवसर मिले।

बिरला ने कहा कि यह सदन समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज बने। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 93 में अध्यक्ष के निर्वाचन का प्रावधान है और इस पावन सदन ने उन्हें दूसरी बार अध्यक्ष पद का दायित्व दिया। उनका प्रयास रहा है कि सदन की कार्यवाही निष्पक्षता, अनुशासन और संतुलन के साथ संचालित हो। दस फरवरी को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था और उन्होंने अपने नैतिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्रस्ताव के प्रस्तुतीकरण के साथ ही सदन की कार्यवाही से स्वयं को अलग कर लिया था।

उन्होंने कहा कि इस चर्चा के दौरान अनेक विचार, दृष्टिकोण और भावनाएं सामने आईं और उन्होंने सभी को गंभीरता से सुना। उन्होंने सदन के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। बिरला ने स्पष्ट किया कि कुछ सदस्यों का मानना था कि प्रतिपक्ष के नेता सदन से ऊपर उठकर किसी भी विषय पर बोल सकते हैं, लेकिन यह किसी को विशेष अधिकार नहीं है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने की नोटिस पर 200 से अधिक सांसदों ने किए हस्ताक्षर

एजेंसी

नयी दिल्ली : मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के प्रस्ताव के लिए 200 से अधिक सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। एक सूत्र ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्र के अनुसार, लोकसभा के 130 सांसदों ने और राज्यसभा के 63 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। नोटिस शुक्रवार को संसद के किसी एक सदन में पेश किए जाने की संभावना है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि इसे किस सदन में पेश किया जाएगा।

विपक्ष के एक नेता ने बताया कि सांसदों ने नोटिस को लेकर काफी उत्साह दिखाया और आवश्यक संख्या पूरी हो जाने के बाद भी बृहस्पतिवार को कई सांसदों हस्ताक्षर किए। नियमों के अनुसार,

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए नोटिस पर लोकसभा केकम से कम 100 सांसदों और राज्यसभा के 50 सांसदों के हस्ताक्षर आवश्यक होते हैं।

एक अन्य सूत्र के अनुसार, इस नोटिस पर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सभी दलों के सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के सांसदों ने भी नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, हालांकि पार्टी अब आधिकारिक रूप से इस गठबंधन का हिस्सा नहीं है। यह पहली बार है जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने के लिए इस तरह का नोटिस दिया गया है।

एक उच्च पदस्थ सूत्र के अनुसार, नोटिस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सात आरोप लगाए गए हैं, जिनमें 'पद पर रहते हुए पक्षपातपूर्ण और भेदभावपूर्ण आचरण', 'चुनावी धोखाधड़ी की जांच में जानबूझकर बाधा डालना' और 'बड़े पैमाने पर मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना' जैसे आरोप शामिल हैं। विपक्षी दलों ने कई मौकों पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की मदद करने का आरोप लगाया है, खासकर मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर। उनका आरोप है कि यह प्रक्रिया केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से की जा रही है। खास तौर पर पश्चिम बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर चिंता जताई गई है। मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाने का आरोप लगाया है। मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया महाभियोग है जो उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने के लिए अपनाई जाती है।

एक नजर

एसीबी ने 15 हजार रिश्वत लेते दारोगा को किया गिरफ्तार

कोडरमा : भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने गुरुवार को कोडरमा जिले के चंदवारा थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर पवन कुमार राम को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी दरोगा एक मामले में मदद करने के एवज में 15 हजार रुपये की रिश्वत ले रहा था। जानकारी के अनुसार नकली शराब के एक मामले कई लोग आरोपित बनाये गए थे। इस मामले में उक्त दारोगा बड़ी रकम की मांग कर रहा था। इसकी शिकायत विधायक जयराम महतो तक पहुंची। उन्होंने स्थानीय प्रेम नायक को मामले को देखने को कहा। चंदवारा निवासी प्रेम चंद्र नायक ने मामले में अभियुक्तों से मुकदमा लड़ने का पावर लिया। वहीं रिश्वत मांगे जाने की हजारीबाग एसीबी से शिकायत दर्ज कराई।

शिकायतकर्ता का आरोप था कि सब-इंस्पेक्टर पवन कुमार राम उक्त मामले को रफा-दफा करने या उसमें राहत देने के नाम पर एक लाख रुपये की रिश्वत की मांग कर रहे थे।

शादी समारोह में चली गोलियां, बाल-बाल बचे फारूक अब्दुल्ला

जम्मू : जम्मू शहर के ग्रेटर कैलाश इलाके में बुधवार देर रात एक शादी समारोह के दौरान उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक हुई फायरिंग में जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी घायल हो गए। घटना रॉयल पार्क बैंक्वेट हॉल के बाहर की है, जहां एक सीनियर वकील की बेटी के विवाह समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी सहित कई वीआईपी मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, समारोह के दौरान एक व्यक्ति ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी, जिससे मेहमानों के बीच भगदड़ मच गई। इस घटना में उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी को हथियार के छर्रे लगने से हल्की चोटें आईं।

भारत में गैस की कमी नहीं, लंबे समय तक हालात से निपटने को तैयार : हरदीप सिंह पुरी

- एलपीजी के लिए नए देशों से खरीद
- कमर्शियल गैस की सप्लाई आज से शुरू
- लंबे समय तक हालात से निपटने को तैयार

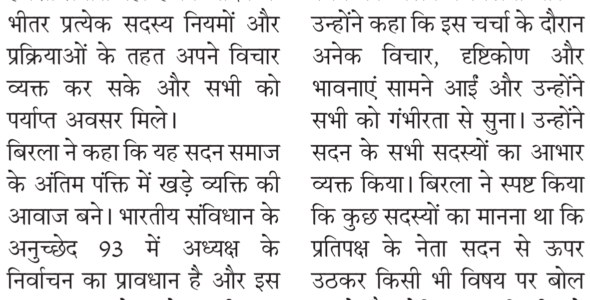

एजेंसी

नयी दिल्ली : मिडिल ईस्ट में चल रहे मौजूदा तनाव के बीच एनर्जी की सप्लाई को लेकर आम लोगों और इंडस्ट्रीज में चिंताएं थीं। इस पर जवाब देते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने लोकसभा में साफ किया कि भारत के पास पर्याप्त ऊर्जा भंडार है और स्थिति पूरी तरह कंट्रोल में है।

पुरी ने कहा दुनिया ने मॉडर्न एनर्जी हिस्ट्री में ऐसा दौर पहले कभी नहीं देखा है। इसके बावजूद भारत की कच्चे तेल की सप्लाई की स्थिति सुरक्षित है और देश ने जितना कच्चा तेल सुरक्षित किया है, वह उतना ही नहीं बल्कि उससे भी ज्यादा है जितना सामान्य हालात में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के जरिए मिल सकता था।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संकट से पहले भारत के लगभग 45 फीसदी कच्चे तेल का आयात होर्मुज रूट से होता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय कूटनीतिक पहल और अलग-अलग देशों के साथ अच्छे संबंधों की बदौलत भारत ने उतनी मात्रा से भी ज्यादा कच्चा तेल सुरक्षित कर लिया है, जितना बाधित हॉर्मुज रूट से उसी अवधि में मिल सकता था।

पुरी ने कहा कि पहले भारत अपनी एलपीजी की करीब 60 फीसदी जरूरत खाड़ी देशों कतर, यूएई, सऊदी अरब और कुवैत से आयात करता था, जबकि लगभग 40 फीसदी उत्पादन देश में ही होता है। अब एलपीजी की खरीद को कई देशों में फैलाया गया है और अमेरिका, नॉर्वे, कनाडा, अल्जीरिया और रूस से भी कार्गो सुरक्षित किए जा रहे हैं। इसी वजह से पिछले 5 दिनों में रिफाइनरियों को निर्देश देकर एलपीजी उत्पादन 28 फीसदी तक बढ़ाया गया है और अतिरिक्त खरीद की प्रक्रिया भी जारी है। दिल्ली में मंत्री ने यह भी कहा कि नेचुरल गैस की सप्लाई को प्राथमिकता के आधार पर व्यवस्थित किया गया है और मौजूदा स्थिति स्थिर है, जो तत्काल जरूरत से भी ज्यादा है। भारत रोजाना लगभग 90 मिलियन मीट्रिक स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस का प्रोडक्शन करता है।

राहुल गांधी ने संसद में उठाया एलपीजी और तेल संकट का मुद्दा

नयी दिल्ली : लोकसभा में गुरुवार को ईरान-इजरायल युद्ध के चलते पैदा हुए उर्जा संकट पर राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने ईरान युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद है। देश में एलपीजी को लेकर संकट है। स्ट्रीट वेंडर्स पर ज्यादा प्रभाव पड़ा है। अमेरिका कौन होता है हमें यह बताने वाला कि हम किससे तेल खरीदेंगे, किससे गैस खरीदेंगे? छोटे व्यापारी परेशान हो रहे हैं। राहुल गांधी में सदन में कहा कि हर कोई जानता है कि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हो गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच युद्ध चल रहा है। इस युद्ध के दूरगामी परिणाम होने वाले हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल गुजरता है, उस मुख्य समुद्री रास्ते को बंद कर दिया गया है।

होर्मुज स्ट्रेट बंद रहेगा, हर मौत का लेंगे बदला : मुज्तबा खामेनेई

एजेंसी

तेहरान : ईरान के नए सर्वोच्च नेता आयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका और इजरायल के साथ जारी जंग के बीच अपना पहला बयान जारी किया, जिसे गुरुवार को सरकारी टेलीविजन पर एक समाचार एंकर ने पढ़ा। खामेनेई खुद कैमरे पर नजर नहीं आए। लेकिन उनके बयान को पूरे देश में दिखाया गया।

बयान में खामेनेई ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का इस्तेमाल ताकत के रूप में किया जाना चाहिए और खाड़ी के अरब पड़ोसी देशों पर हमले जारी रहेंगे। पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच यह उनका पहला संदेश है। मोजतबा खामेनेई के सार्वजनिक रूप से दिखाई न देने पर कई रिपोर्ट्स में बताया गया था कि उन्हें युद्ध के दौरान शुरूआती हमलों में चोटें आई थीं। शुरूआती अमेरिकी और इजरायली हवाई हमलों में उनके पिता पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्य मारे गए थे। बयान में

उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अपने पड़ोसी देशों के साथ मित्रता चाहता है और अब केवल अमेरिका के ठिकानों को निशाना बना रहा है, जिस पर हमले जारी रहेंगे। मोजतबा खामेनेई ने देश से एकजुटता आह्वान किया और कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद रखा जाएगा, ताकि ईरान के दुश्मनों पर दबाव बनाया जा सके। उन्होंने कहा, हम अपने शहीदों के खून का बदला लेंगे। उन्होंने देश की सेना का धन्यवाद किया और कहा कि उन्होंने ईरान को विभाजित होने या कब्जे में जाने से बचाया। खामेनेई ने कहा, मैं बहादुर लड़ाकों का शुक्रगुजार हूं, जो उस समय बेहतरीन काम कर रहे हैं, जब हमारा देश दबाव और हमले का सामना कर रहा है।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति घायल

सतगांवा : थाना क्षेत्र के घोड़सिमर मोड 200 मीटर आगे सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति घायल होने का मामला प्रकाश में आया है. अशना कोनी निवासी विकास कुमार उम्र 16 वर्ष पिता सुखदेव राम गुड्डू कुमार 16 वर्ष पिता सुरेश राम बताया जाता है कि दोनों एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर से बासोडीह की ओर भाई का तिलक था और गैस नहीं मिलने के कारण बासोडीह बाजार जा रहे थे इस कर्म में मोटरसाइकिल का पिछला टायर फट जाने से मोटरसाइकिल पेड़ से जा टकराया जिससके कारण दुर्घटना हुई जिससे दोनों बुरी तरह जख्मी हो गई ग्रामीणों के सहयोग से उसे समुदाय स्वास्थ्य केंद्र सतगांवा लाया गया

सगाई से दो दिन पहले युवती ने की खुदकुशी

कोडरमा : झुमरी तिलैया थाना क्षेत्र के तिलैया बस्ती वार्ड नंबर 2 स्थित सूर्य मंदिर के पीछे एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ रहने वाली 19 वर्षीय युवती सीपू कुमारी ने प्रेम प्रसंग में धोखा मिलने और प्रताड़ना से तंग आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतिका मूल रूप से चतरा जिले की रहने वाली थी और यहाँ अपने पिता प्रकाश राम के साथ रहती थी, जो मजदूरी का काम करते हैं।

अंचलाधिकारी ने बोल्डर लदा हाइवा को किया जब्त

मरकच्चो : अवैध परिवहन के खिलाफ डोमचांच अंचलाधिकारी रविंद्र पांडेय ने गुरुवार को अभियान चला कर पहाड़पुर के बटियो नदी के समीप से बिना चालान के बोल्डर लदा हाईवा को जप्त कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार हाईवा वाहनों को बिना चालान के परिवहन की सूचना को लेकर पहाड़पुर के बटीयो नदी के समीप छापामारी के दौरान बोल्डर लदे खल्12ॠ1746 हाईवा को रोक कर चालक से चलान की माँग की गई, लेकिन चालक द्वारा परिवहन से संबंधित किसी प्रकार के कागजात प्रस्तुत नहीं किये जाने पर बोल्डर लड़े हाईवा को जप्त कर नवलशाही थाना परिसर में अग्रेषित कार्रवाई के लिए रखा गया है।

बसंती दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाने को लेकर बैठक

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र के लहरियाटांड़ व रतनपुर कालीमंडा के प्रांगण में बसंती दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाने तथा रामनवमी जुलूस धूमधाम से निकालने को लेकर गुरुवार को एक बैठक किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पूर्व के समिति को भंग कर नए समिति का चयन किया जाय। बैठक में सर्वसम्मति से नए समिति का गठन किया गया,जिसमे अध्यक्ष ब्रह्मदेव यादव, संगठन मंत्री सिंटू कुमार राणा का चयन किया गया।

विधानसभा में उठी झारखंड की नदियों और न्याय व्यवस्था की चिंता

प्रदूषण, अवैध खनन और लंबित मामलों पर सरकार से सख्त कदम उठाने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़) : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान जल संसाधन विभाग और विधि विभाग के बजट प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए बड़कागांव क्षेत्र के विधायक रोशन लाल चौधरी ने राज्य की नदियों की बिगड़ती स्थिति और न्याय व्यवस्था से जुड़े कई गंभीर मुद्दों को सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड की प्रमुख नदियाँ तेजी से प्रदूषण, अवैध बालू खनन और अनियंत्रित औद्योगिक गतिविधियों के कारण संकट का सामना कर रही हैं।

सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जल संसाधन विभाग की जिम्मेदारी केवल सिंचाई परियोजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि नदियों के प्राकृतिक प्रवाह और जल स्रोतों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने बताया कि राज्य की प्रमुख नदियाँ दामोदर, स्वर्णरेखा और बराकर कई स्थानों पर गंभीर रूप से प्रदूषित हो चुकी हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन नदियों के कई हिस्से प्रदूषित श्रेणी में दर्ज किए गए हैं। राज्य के नगर निकायों से निकलने वाला लगभग 70 से 80 प्रतिशत गंदा पानी बिना शोधन के सीधे नदियों में बहा दिया जाता है, जिससे जल की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है।

विधायक ने यह भी कहा कि राज्य में चल रही कोयला खनन परियोजनाओं के कारण कई जगहों पर नदियों के प्राकृतिक बहाव को प्रभावित किया गया है। उत्तरी कर्णपुरा कोलफील्ड, सीसीएल की खनन परियोजनाएं तथा झरिया और बोकारो कोलफील्ड क्षेत्रों में खनन विस्तार के कारण दामोदर नदी के प्रवाह पर असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र में भी एनटीपीसी की परियोजनाओं के कारण दामोदर नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव आया है, जिससे कई छोटी नदियाँ और जलधाराएँ प्रभावित हुई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार दामोदर बेसिन में खनन गतिविधियों के कारण 100 से अधिक छोटी नदियाँ और जल स्रोत प्रभावित हुए हैं, जिसका असर नदी तंत्र और भूजल स्तर दोनों पर पड़ा है।

इसके अलावा बोकारो, जमशेदपुर, धनबाद और रामगढ़ जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों द्वारा नदियों और भूजल का अत्यधिक उपयोग किए जाने की समस्या भी उन्होंने सदन में उठाई। जल विशेषज्ञों के अनुसार झारखंड में उद्योग प्रतिदिन 300 से 400 मिलियन लीटर से अधिक पानी का उपयोग करते हैं, जिसका बड़ा हिस्सा दामोदर और स्वर्णरेखा नदी बेसिन से लिया जाता है। उन्होंने कहा कि जल उपयोग और प्रदूषण की निगरानी की मौजूदा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है।

विधायक ने अवैध बालू खनन को भी नदियों की बिगड़ती स्थिति का बड़ा कारण बताया। उन्होंने कहा कि अत्यधिक बालू निकासी से नदियों का तल गहरा हो रहा है, भूजल स्तर नीचे जा रहा है और कई स्थानों पर नदी का प्राकृतिक प्रवाह भी प्रभावित हो रहा है।

वहीं विधि विभाग के बजट प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान उन्होंने राज्य की न्याय व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को भी उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय और अधीनस्थ न्यायालयों में बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं, जिसके कारण आम लोगों को न्याय पाने के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी अधिवक्ताओं की नियुक्ति और मामलों की पैरवी में कई कमियां हैं, जिसके कारण कई मामलों में सरकार को अदालतों में पराजय का सामना करना पड़ता है। नियोजन और नियुक्ति से जुड़े मामलों में नियमों का सही पालन नहीं होने के कारण भी सरकार को बार-बार न्यायालय से झटका मिल रहा है, जिससे युवाओं में असमंजस और असंतोष की स्थिति बन रही है।

सदन के माध्यम से विधायक रोशन लाल चौधरी ने सरकार से मांग की कि नदियों के संरक्षण के लिए ठोस नीति बनाई जाए, अवैध बालू खनन पर सख्ती से रोक लगाई जाए, उद्योगों द्वारा जल उपयोग और प्रदूषण की निगरानी को मजबूत किया जाए तथा न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुधार किए जाएं, ताकि आम लोगों को समय पर न्याय मिल सके और राज्य की प्राकृतिक संपदा सुरक्षित रह सके।

टास्क फोर्स बनी, छापेमारी भी हुई फिर भी नहीं रुका अवैध खनन

सिरका-अरगड्डा-बुंडू घाटों से तड़के 3 बजे से ट्रैक्टरों में धड़ल्ले से उठ रहा बालू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले के सिरका, अरगड्डा और बुंडू घाट इन दिनों अवैध बालू खनन के बड़े केंद्र बनते जा रहे हैं। प्रशासनिक कार्रवाई और टास्क फोर्स के गठन के बावजूद इन घाटों से अवैध रूप से बालू की निकासी लगातार जारी है। हालात ऐसे हैं कि बालू माफिया बिना किसी डर के ट्रैक्टरों के जरिए खुलेआम बालू की ढुलाई कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कारोबार लंबे समय से चल रहा है, लेकिन इसके बावजूद प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है।

जानकारी के अनुसार 11 मार्च 2026 को जिला प्रशासन की टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध बालू लदे दो वाहनों को जब्त किया था। इस कार्रवाई के बाद कुछ समय के लिए घाटों पर सख्ती की चर्चा जरूर हुई, लेकिन इसका असर ज्यादा दिनों तक नहीं दिखा। कुछ ही समय बाद घाटों पर फिर से पहले जैसी गतिविधियां शुरू हो गईं और अवैध बालू ढुलाई का सिलसिला जारी हो गया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक रोजाना तड़के करीब 3 बजे से ही ट्रैक्टरों की आवाजाही घाटों की ओर शुरू हो जाती है। अंधेरे का फायदा उठाकर नदी घाटों से बालू निकाला जाता है और सुबह होने से पहले ही कई ट्रैक्टर बालू लेकर विभिन्न इलाकों की ओर निकल जाते हैं। लोगों का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया काफी व्यवस्थित तरीके से चलती है, जिससे स्पष्ट होता है कि अवैध खनन का यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय है।

अवैध खनन पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिला उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर एक टास्क फोर्स का गठन किया गया था। इस टास्क फोर्स में प्रशासन, पुलिस और खनन विभाग सहित कई विभागों की संयुक्त कार्रवाई की व्यवस्था की गई है, ताकि अवैध खनन के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाया जा सके। हालांकि जमीनी स्तर पर स्थिति कुछ अलग नजर आ रही है। कई मामलों में केवल खनन विभाग की टीम ही कार्रवाई करती दिखाई देती है, जबकि अन्य विभागों की सक्रियता उतनी स्पष्ट नहीं दिखती।

इसी कारण अब लोगों के बीच यह सवाल भी उठने लगा है कि टास्क फोर्स का गठन सिर्फ औपचारिकता बनकर तो नहीं रह गया है। यदि सभी संबंधित विभाग मिलकर नियमित रूप से संयुक्त अभियान चलाएं और घाटों पर लगातार निगरानी रखी जाए, तो अवैध बालू कारोबार पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लगातार हो रही बालू निकासी से नदी के स्वरूप और पर्यावरण पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सिरका, अरगड्डा और बुंडू घाटों पर सख्त निगरानी रखते हुए नियमित छापेमारी अभियान चलाया जाए और अवैध खनन में शामिल लोगों तथा वाहनों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि बालू माफियाओं के इस अवैध नेटवर्क पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

घरेलू गैस की किल्लत

सिलेंडर लेने के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झूमरी तिलैया क्षेत्र के पूर्णमा टोला के पीछे स्थित गणेश पूजा मैदान में घरेलू एलपीजी सिलेंडर लेने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। यहां सैकड़ों की संख्या में लोग गुरुवार को सुबह 7 बजे से ही सिलेंडर लेने के लिए जद्दोजहद करते नजर आए। मैदान में बड़ी संख्या में मोटरसाइकिलें खड़ी थीं और लोग घंटों लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे।

स्थानीय लोगों ने बताया कि गैस सिलेंडर की कमी के कारण घरों में खाना बनाना मुश्किल हो गया है। कई परिवारों में सिर्फ एक समय ही खाना बन पा रहा है। पहले लोग पड़ोसियों से सिलेंडर लेकर काम चला लेते थे, लेकिन अब गैस की किल्लत के कारण कोई भी अपना सिलेंडर देने को तैयार नहीं है।

मौके पर मौजूद महिलाओं और पुरुषों को हाथों में टोकन लेकर इंतजार करते देखा गया। बताया गया कि एजेंसी की ओर से दूर बैठकर लोगों को टोकन दिया जा रहा है और उसके बाद सिलेंडर वितरित किया जा रहा है। हालांकि मौके पर केवल एक छोटी गाड़ी में करीब 50 सिलेंडर ही लाए गए थे, जबकि मैदान में करीब 200 से 300 लोग सिलेंडर लेने के लिए पहुंचे हुए थे।

लोगों का कहना है कि जल्द ही ईद का त्योहार आने वाला है, ऐसे में गैस की कमी से उन्हें काफी परेशानी हो रही है। वहीं एजेंसी की ओर से बताया गया कि सिलेंडर कम मात्रा में आ रहे हैं, जिसके कारण यह स्थिति बनी हुई है।

हालांकि सरकार की ओर से घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता की बात कही जाती है, लेकिन तिलैया में दिखाई दे रहा यह नजारा गैस की किल्लत और लोगों की परेशानी को साफ तौर पर बयां कर रहा है। अब देखना है कि इस समस्या का समाधान कब तक होता है।

संक्षिप्त खबरें

सात दिवसीय राम कथा का शुभारंभ, राम महिमा पर प्रवचन सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

झुमरी तिलैया : जय सियाराम सत्संग समिति के द्वारा शहर में आयोजित सात दिवसीय राम कथा का शुभारंभ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन यजमान अरुण मोदी एवं आशा बर्णवाल ने व्यास पीठ तथा उपस्थित विद्वान पंडितों को तिलक लगाकर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदीप केडिया ने व्यास पीठ पर विराजमान मुख्य ग्रंथ रामायण का माल्यार्पण किया, जबकि अनूप जोशी ने कथा वाचक पंडित रामकरण सहल को माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। कथा के दौरान पंडित रामकरण सहल ने भगवान श्रीराम के महत्त्व और उनके आदर्श जीवन पर प्रकाश डालते हुए भक्तजनों को सरल और सहज भाषा में राम कथा का रसपान कराया। उन्होंने बताया कि भगवान राम केवल एक राजा या अवतार ही नहीं, बल्कि मयार्दा, सत्य, धर्म और आदर्श जीवन के प्रतीक हैं। उनके जीवन से मानव समाज को सदैव प्रेरणा मिलती रही है।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं वार्ड सदस्यों ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

कोडरमा : नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के तहत नगर पंचायत कोडरमा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं वार्ड सदस्यों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम नगर पंचायत कोडरमा सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष को उनके पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। साथ ही सभी नवनिर्वाचित वार्ड सदस्यों को भी उनके दायित्वों एवं कर्तव्यों के प्रति अवगत कराया गया। जिला प्रशासन की ओर से सभी नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं वार्ड सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए नगर से जुड़े कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने, शहर के समग्र विकास तथा आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने का सुझाव दिया गया।

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय सुकरीगढ़ा में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

चितरपुर (रामगढ़) : डॉ. एस. राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सुकरीगढ़ा (लारी) के बहुउद्देशीय सभागार में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम होंडा बाइक कंपनी के सहयोग से आयोजित हुआ, जिसमें महाविद्यालय के शिक्षक, प्रशिक्षु और प्रबंधन से जुड़े लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना और सुरक्षित वाहन चलाने की आदत विकसित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर और पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद सड़क सुरक्षा विषय पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में संजीत सिंह ने उपस्थित प्रशिक्षुओं और विद्यार्थियों को सड़क पर सुरक्षित ढंग से चलने और वाहन चलाने के महत्वपूर्ण नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग पर सावधानी बरतने, तेज गति से वाहन चलाने के खतरे, वाहन रोकने की सुरक्षित दूरी, गति अवरोधक, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने तथा सड़क पर बने संकेत चिह्नों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यदि सभी लोग यातायात नियमों का पालन करें तो सड़क दुर्घटनाओं में काफी कमी लाई जा सकती है। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव रामगढ़ 2025–26 में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

जिंदल इस्पात पतरातू में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का समापन

कर्मचारियों व परिवारों ने मिलकर लिया सुरक्षित कार्य संस्कृति को मजबूत करने का संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बासल (रामगढ़) : जिंदल इस्पात संयंत्र, पतरातू में मनाए जा रहे राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का समापन समारोह संयंत्र परिसर में उत्साह और जागरूकता के माहौल के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के साथ उनके परिवार के सदस्य और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सुरक्षित कार्य संस्कृति को और अधिक मजबूत बनाना था।

समारोह की शुरूआत सुरक्षा प्रतीक गुब्बारों को आकाश में छोड़ने और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। यह कार्यक्रम सुरक्षा के प्रति सामूहिक जागरूकता और प्रतिबद्धता का प्रतीक बना। इसके बाद कर्मचारियों द्वारा तैयार किए गए सुरक्षा पोस्टर, नारे और निबंधों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें सुरक्षा से जुड़े संदेशों को रचनात्मक और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। साथ ही कार्यस्थल पर सुरक्षित कार्य पद्धतियों के महत्व को समझाने के लिए विभिन्न सुरक्षा उपकरणों और जागरूकता सामग्रियों का भी प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सुरक्षा जागरूकता पर आधारित नुक्कड़ नाटक रहा। इसका मंचन यांत्रिक क्रेन विभाग और लोहा गलन मिल विभाग की टीमों ने किया। इस नाटक के माध्यम से कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन करने की आवश्यकता और दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित कर्मचारियों और दर्शकों ने खूब सराहा।

इस आयोजन में विभिन्न विभागों से लगभग तीन सौ से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि कर्मचारियों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना लगातार मजबूत हो रही है।

सेंट फ्रांसिस स्कूल में दीक्षांत समारोह का आयोजन

विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र व पदक देकर किया सम्मानित, सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गूंजा परिसर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरकाकाना (रामगढ़) : सेंट फ्रांसिस स्कूल में 12 मार्च 2026 को दीक्षांत समारोह उत्साह और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। यह अवसर विद्यार्थियों के लिए विशेष रहा, क्योंकि उन्होंने अपने शैक्षणिक जीवन के एक महत्वपूर्ण चरण को सफलतापूर्वक पूरा किया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों की उपलब्धियों का सम्मान किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आयुष मिशन रांची की डॉ. निधि रानी रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में स्वास्थ्य के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक है। साथ ही अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों की पढ़ाई के साथ उनके स्वास्थ्य और संतुलित जीवनशैली पर विशेष ध्यान दें।

समारोह की शुरूआत मुख्य अतिथि और अभिभावकों के स्वागत के साथ हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिससे पूरे समारोह का माहौल उत्साह और आनंद से भर गया। नृत्य, गीत और अन्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया और दर्शकों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की खुलकर सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए प्रमाणपत्र और उपहार प्रदान किए गए। अपनी-अपनी कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पदक और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही पूरे शैक्षणिक वर्ष में शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराने वाले विद्यार्थियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

समारोह में अभिभावकों के लिए भी मनोरंजक खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान पूरे परिसर में हंसी और खुशी का माहौल बना रहा। विद्यालय प्रबंधन का उद्देश्य विद्यार्थियों और अभिभावकों को एक साथ जोड़ते हुए शिक्षा के साथ सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना था।

समारोह के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही नवस्नातक विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और जीवन में सफलता की कामना की। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के प्रति गर्व और उनके भविष्य के प्रति आशा के भाव के साथ किया गया।

एक नजर

धारदार हथियार से हमला कर युवक की हत्या

रांची : रांची के तमाड़ थाना क्षेत्र के कोकोडीह गांव निवासी कमलेश महतो (युवक) की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग का मामला सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, कमलेश महतो एक शादी समारोह से लौट रहा था। तभी पहले से घात लगाए अपराधियों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में तमाड़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

पत्नी पर गलत नजर रखने के शक में पड़ोसी का घर फूंका, गया जेल

रांची : रांची के सुखदेव नगर थाना इलाके में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। पत्नी पर गलत नजर रखने के शक में पति ने अपने ही पड़ोसी के घर को आग के हवाले कर दिया। जिसमें घर में रखा समान और स्कूटी जलकर खाख हो गया। इस मामले की जानकारी पुलिस को मिलने के बाद जांच की गई। पुलिस ने आग लगाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम अमित कुमार है। गिरफ्तार आरोपी पहाड़ी टोला के सरना स्थल के पास का रहने वाला है। इस मामले को लेकर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि यह घटना 10 मार्च की है। आग लगाकर आरोपी फरार हो गया था। पुलिस की पूछताछ में यह बात सामने आई है कि ये लोग एक दूसरे के पहले से परिचित हैं और गलत नियत के कारण इस वारदात को अंजाम दिया गया था। फिलहाल गिरफ्तार आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

झारखंड के विवि में बाहरी कुलपतियों की नियुक्ति पर विवाद, एनएसयूआई ने जताया विरोध

रांची : झारखंड के तीन प्रमुख विश्वविद्यालयों में स्थायी कुलपतियों की हालिया नियुक्ति को लेकर विवाद खड़ा हो रहा है। कांग्रेस से जुड़े छात्र संगठन एनएसयूआई ने इन नियुक्तियों पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार और राजभवन की भूमिका पर आपत्ति जताई है। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव ने कहा कि झारखंड के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति के दौरान स्थानीय शिक्षाविदों और प्रतिभाओं की अनदेखी की गई है। उनका आरोप है कि जब विश्वविद्यालय लंबे समय तक प्रभार पर चल रहे थे तब स्थानीय लोगों से काम लिया गया, लेकिन स्थायी नियुक्ति के समय बाहर के राज्यों से लोगों को लाकर पद दिया गया। हाल ही में झारखंड स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी में डॉ. अभय कुमार सिंह, डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में डॉ. राजीव मनोहर और जमशेदपुर वुमेन्स यूनिवर्सिटी में डॉ. एला कुमार को कुलपति नियुक्त किया गया है, जो झारखंड से बाहर के हैं। विनय उरांव ने कहा कि इस तरह की नियुक्तियां स्थानीय छात्रों और शिक्षकों के मनोबल को कमजोर करती हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या झारखंड के विश्वविद्यालयों में योग्य प्रोफेसरों की कमी है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से इस पूरी नियुक्ति प्रक्रिया की जांच कराने और भविष्य में स्थानीय योग्य उम्मीदवारों को प्राथमिकता देने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि इस मुद्दे पर सुधार नहीं हुआ तो एनएसयूआई और छात्र संगठन आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उधर, रांची विश्वविद्यालय में भी स्थायी कुलपति की नियुक्ति नहीं होने पर उन्होंने चिंता जताई।

विस : कल्पना सोरेन ने कृषि और वन उत्पादों के लिए मानक गुणवत्ता प्रयोगशाला नहीं होने का मुद्दा उठाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सदन में विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने राज्य में कृषि एवं वन उत्पादों के लिए मानक गुणवत्ता प्रयोगशाला नहीं होने का मुद्दा सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य में अदरक, महुआ, कटहल, टमाटर समेत कई प्रकार के फल-सब्जियों और कृषि उत्पादों का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है, लेकिन गुणवत्ता परीक्षण की सुविधा नहीं होने के कारण किसानों को वैश्विक बाजार का लाभ नहीं मिल पाता। विधायक ने सरकार से मांग की कि राज्य में कृषि और वन उत्पादों की मैपिंग कर एक स्पष्ट योजना तैयार की जाए और उनके वैश्विक बाजार में खपत का आकलन किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि रांची और देवघर हवाई अड्डे पर मानक गुणवत्ता प्रयोगशाला स्थापित की जाए, ताकि निर्यात से पहले उत्पादों की जांच हो सके और किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिल सके। इस पर जवाब देते हुए कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि भविष्य में मानक गुणवत्ता परीक्षण की आवश्यकता को देखते हुए विभाग ने इस संबंध में केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा है। आवश्यकता पड़ने पर राज्य सरकार इस दिशा में आगे पहल कर किसानों को सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करेगी।

झारखंड विधानसभा बजट सत्र के 12 वें दिन गुरुवार को डुमरी विधायक जयराम महतो ने सदन में बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कई जगह ट्रांसफार्मर जलने या तार खराब होने के बाद लंबे समय तक बिजली बहाल नहीं हो पाती। इससे आम लोगों को काफी परेशानी होती है। विधायक ने सरकार से शिकायत व्यवस्था और समय सीमा स्पष्ट करने की मांग की। जयराम महतो ने यह भी कहा कि उपभोक्ताओं को यह स्पष्ट नहीं होता कि ट्रांसफार्मर जलने, तार टूटने या अन्य तकनीकी खराबी की स्थिति में वे शिकायत कहां करें। साथ ही सरकार से जानना चाहा कि तय समय में काम नहीं होने पर अधिकारियों पर क्या कार्रवाई होती है। इस मुद्दे पर विपक्ष के सदस्यों ने भी जयराम महतो का समर्थन किया।

विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि बिजली मुफ्त की व्यवस्था नहीं है, उपभोक्ता इसके लिए भुगतान करते हैं, इसलिए उनका अधिकार है कि उन्हें अच्छी बिजली सेवा मिले। उन्होंने कहा कि अगर ट्रांसफार्मर जल जाए तो उसे 24 घंटे के भीतर बदलने की व्यवस्था होनी चाहिए।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने सदन में स्वीकार किया कि कई बार ट्रांसफार्मर जलने के बाद उसे बदलने में दिक्कत आती है। उन्होंने कहा कि विभाग में ट्रांसफार्मर की कमी होने के कारण समय पर उपलब्धता नहीं हो पाती, जिसके चलते देरी हो जाती है।

जयराम महतो ने यह भी पूछा कि उपभोक्ता अपनी शिकायत आखिर कहां दर्ज कराएं। इसके जवाब में मंत्री ने कहा कि उपभोक्ता एग्जीक्यूटिव इंजीनियर और डिवीजन कार्यालय में शिकायत कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि गर्मी को देखते हुए विभाग जल्द ही एक टोल-फ्री नंबर भी जारी करेगा, ताकि लोग आसानी से बिजली संबंधी शिकायत दर्ज करा सकें।

घरेलू गैस की किल्लत व बढ़ती कीमतों पर कांग्रेस का केंद्र पर हमला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : देश में घरेलू गैस की बढ़ती किल्लत और लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने केंद्र सरकार पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति केंद्र सरकार की नीतिगत विफलता का परिणाम है, जिसका सीधा असर देश की आम जनता, विशेषकर गरीब और मध्यम वर्ग की महिलाओं पर पड़ रहा है।

राकेश सिन्हा ने कहा कि एक ओर सरकार उज्ज्वला योजना का प्रचार करती है, वहीं दूसरी ओर रसोई गैस की उपलब्धता और कीमतों पर कोई ठोस नियंत्रण नहीं रख पा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई राज्यों में गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित हो रही है, जिससे लोगों को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी गंभीर हो गई है, जहां महिलाओं को मजबूरी में फिर से लकड़ी और कोयले का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जनता की मूलभूत जरूरतों को नजरअंदाज कर रही है। पहले से ही महंगाई चरम पर है और अब गैस की किल्लत ने लोगों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। उन्होंने मांग की कि सरकार तुरंत गैस आपूर्ति को सुचारू करे, सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करे और कीमतों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए। कांग्रेस ने कहा कि रसोई गैस किसी विलासिता की वस्तु नहीं, बल्कि आम लोगों की दैनिक जरूरत है।

धान खरीद धीमी, छह लाख मीट्रिक टन लक्ष्य में अब तक केवल तीन लाख खरीद : अरूप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 12 वें दिन गुरुवार को विधायक अरूप चटर्जी ने विधानसभा में झारखंड में धान खरीद की धीमी रफ्तार का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने छह लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य तय किया है, लेकिन अब तक केवल लगभग 3 लाख मीट्रिक टन ही खरीद हो सकी है। उन्होंने यह भी कहा कि कई प्रखंडों में पैक्स ठीक से काम नहीं कर रहे हैं, ऐसे में धान खरीद का लक्ष्य कैसे पूरा होगा।

इस पर जवाब देते हुए मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर धान खरीद की अंतिम तिथि 31 मार्च से आगे बढ़ाई जाएगी। पहली बार राज्य सरकार किसानों को धान खरीद का वन टाइम भुगतान कर रही है। मैनपावर की कमी और गोदामों की अलग-अलग लोकेशन होने के कारण धान खरीद की गति कुछ धीमी हुई है। इस मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मार्च तक धान खरीद का लक्ष्य रखना बिचौलियों को फायदा पहुंचाने जैसा है। उन्होंने कहा कि बिहार सीमा से लगे इलाकों में धान की खरीद ज्यादा हो रहा है। सरकार को जनवरी तक ही धान खरीद का लक्ष्य पूरा करने की तैयारी करनी चाहिए थी। वहीं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य में 4408 पैक्स और लैंप्स हैं, लेकिन धान खरीद के लिए फिलहाल करीब 700 से 800 पैक्स का ही उपयोग किया जा रहा है। यदि विभाग बेहतर मैपिंग करे तो इसे और बढ़ाया जा सकता है। विधायक हेमलाल मुर्मू ने भी धान खरीद में प्रति क्विंटल 10 किलो कटौती करने का मुद्दा सदन में उठाया।

बीपी या शुगर की समस्या वाले लोग कराएं हर 06 महीने में आंखों की जांच : डॉ अमरेंद्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विश्व ग्लूकोमा दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल रांची में गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रभात रैली निकाली गई और कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने की। कार्यक्रम के तहत प्रभात फेरी को सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में जिला स्तरीय पदाधिकारी, स्वास्थ्य कर्मी और एएनएम स्कूल की छात्राएं शामिल हुईं। रैली का उद्देश्य आम लोगों को ग्लूकोमा (काला मोतिया) के प्रति जागरूक करना था। इस वर्ष विश्व ग्लूकोमा दिवस की थीम ग्लूकोमा मुक्त विश्व के लिए एकजुट करना है। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अमरेंद्र कुमार ने बताया कि विश्व ग्लूकोमा सप्ताह 08 मार्च से 14 मार्च तक जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ग्लूकोमा को आम भाषा में काला मोतिया कहा जाता है और इससे बचाव के लिए समय-समय पर आंखों की जांच बेहद जरूरी है। जिन लोगों को बीपी या शुगर की समस्या है, उन्हें हर 06 महीने में अपनी आंखों की जांच अवश्य करानी चाहिए। वहीं सिविल सर्जन रांची डॉ प्रभात कुमार ने बताया कि ग्लूकोमा एक ऐसी बीमारी है जिसमें बिना किसी स्पष्ट लक्षण के धीरे-धीरे दृष्टि को नुकसान पहुंचता है। नियमित नेत्र जांच और पौष्टिक आहार के माध्यम से इससे बचाव संभव है। इसके प्रमुख लक्षणों में धुंधली दृष्टि, तेज रोशनी के चारों ओर इंद्रधनुषी रंग के घेरे दिखाई देना, आंख और सिर में दर्द, उल्टी, दृष्टि का धीरे-धीरे कम होना और साइड विजन का समाप्त हो जाना शामिल है।

आरयू में कर्मचारियों ने कुलपति का पुतला दाह संस्कार कर जताया रोष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय में बकाया भुगतान के मुद्दे पर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। बुधवार को आयोजित वित्त समिति की बैठक के बाद आक्रोशित कर्मचारियों और प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति का प्रतीकात्मक दाह संस्कार कर अपना विरोध दर्ज कराया। बनाए गए अर्थी को विश्वविद्यालय के चारों ओर नारे लगाते हुए शव यात्रा भी निकाली गई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि कुलपति जानबूझकर उनके एसीपी/एमएसीपी भुगतान के मामले को टाल रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, कुलपति की अध्यक्षता में सात सदस्यीय वित्त समिति की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में मौजूद सात में से छह सदस्यों ने एकमत से एसीपी भुगतान के पक्ष में अपनी सहमति दी और सुझाव दिया कि भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर इसकी सूचना सरकार या राजभवन को भेज दी जाए। बैठक में मौजूद सरकार के प्रतिनिधि ने भी स्पष्ट किया कि इस प्रकार के आंतरिक भुगतान के लिए एचआरडी विभाग से पूर्व अनुमति लेने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कुलपति से कहा कि भुगतान सुनिश्चित कर संबंधित विभाग को केवल सूचित कर दिया जाए। हालांकि समिति के बहुमत और सरकारी प्रतिनिधि के स्पष्ट रुख के बावजूद कुलपति एचआरडी से अनुमति लेने की अपनी मांग पर अड़े रहे। इससे कर्मचारियों में नाराजगी और बढ़ गई। प्रदर्शनकारियों ने इसे कुलपति की हटधर्मिता और सुनियोजित साजिश बताते हुए आरोप लगाया कि बैठक केवल एचआरडी को पत्र लिखकर मामले को और लंबित करने के लिए बुलाई गई थी।

सदन में बोले राजेश कच्छप - स्वर्णरेखा नदी पर अतिक्रमण व रिंग रोड के दोषपूर्ण डिजाइन से सूख रहे डैम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने जल संसाधन विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण मुद्दों को सदन में उठाया। उन्होंने जल संरक्षण, कानून व्यवस्था और विस्थापितों की समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। विधायक ने कहा कि पानी के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। यदि समय रहते जल संरक्षण नहीं किया गया तो आने वाले समय में गंभीर जल संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने स्वर्णरेखा नदी पर हो रहे अतिक्रमण और तालाबों के खत्म होते जाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि रिंग रोड के गलत डिजाइन के कारण कई जगहों पर पानी का प्राकृतिक प्रवाह रुक गया है, जिससे डैम और जलस्रोत सूख रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि झारखंड के सीढ़ीनुमा खेतों को ध्यान में रखते हुए पहाड़ों के पानी को रोकने और संग्रहित करने की व्यवस्था की जाए, जिससे बड़ी संख्या में खेतों की प्राकृतिक सिंचाई संभव हो सके।

सदन में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में होने वाले कई अपराधों की जड़ अवैध जमीन कब्जा और जमीन से जुड़े विवाद हैं। उन्होंने सरकार से जल्द जमीन का सर्वे कराने की मांग की ताकि जमीन को लेकर होने वाले विवादों और अवैध कब्जों पर रोक लग सके। साथ ही उन्होंने पुलिस के मनोबल को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा 628 नए वाहन उपलब्ध कराने के फैसले की सराहना भी की। विधायक ने विस्थापितों की स्थिति पर भी चिंता जताई और कहा कि उनके पुनर्वास के लिए सरकार को स्थायी नीति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विस्थापित परिवारों को व्यवस्थित तरीके से बसाने की जरूरत है। उन्होंने केंद्र सरकार की ओडीएफ योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कई जगहों पर अभी भी स्थिति चुनौतीपूर्ण है और इस पर गंभीरता से काम करने की जरूरत है।

उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत लंबित योजनाओं को जल्द पूरा करने और लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों की पहचान कर कार्रवाई करने की भी मांग की। साथ ही उन्होंने विधायकों के लिए प्रोटोकॉल और ठहरने की व्यवस्था में सुधार की बात भी उठाई। चर्चा के दौरान उन्होंने भविष्य में जल संकट को लेकर दुनिया में संघर्ष की संभावना की भी बात कही। राजेश कच्छप ने कहा कि सरकार संवेदनशील तरीके से इन मुद्दों पर काम कर रही है और उम्मीद है कि उनके सुझावों पर आगे ठोस कदम उठाए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री से झारखंड राजकीय पॉलिटेक्निक अंशकालीन व्याख्याता संघ के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को झारखंड विधान सभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में झारखंड राजकीय पॉलिटेक्निक अंशकालीन व्याख्याता संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के समक्ष प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने एक ज्ञापन के माध्यम से झारखंड के राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में कार्यरत सभी (ठीींइंरीछिू३४१ी१) की सेवा अवधि 65 वर्ष किए जाने एवं नियमावली की विसंगतियों को दूर करने का हेतु आग्रह किया है।

एयरपोर्ट हत्याकांड : प्रिंस खान का अल्टीमेटम 15 मार्च तक 15-20 लाख में करो मैनेज

रांची : एयरपोर्ट हत्याकांड मामले में प्रिंस खान ने पीड़ित पुष्कर महतो को धमकी देते हुए कहा कि 15 मार्च तक 15 से 20 लाख रुपए देकर मामले को मैनेज करो। बता दें, राजधानी रांची के एयरपोर्ट थाना इलाके में बीते शनिवार की रात करीब 8 बजे प्रिंस खान के गुर्गे ने होटल में घुसकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। जिसमें होटल संचालक राजकुमार गोप के भाई मनीष गोप की मौत हो गई थी। इस मर्डर के बाद पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए शूटर बाइक से फरार हो गया था। फिलहाल इस मामले में किसी भी शूटर की गिरफ्तारी रांची पुलिस ने नहीं कर सकी है। वहीं इस हत्याकांड के बाद प्रिंस खान लगातार सक्रिय है और पुष्कर महतो व उसके बेटे को धमकी दे रहा है। कहा कि, यदि पैसा नहीं मिला तो फिर आगे का अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप, दूसरे दिन कई खिलाड़ी शीर्ष पर

रांची : झारखंड राज्य शतरंज संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नेशनल रैपिड एंड ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप 2025-26 के दूसरे दिन गुरुवार को 10 चक्रों के खेल के बाद कई खिलाड़ी शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। प्रतियोगिता का आयोजन सरला बिरला विश्वविद्यालय के सभागार में किया जा रहा है। दूसरे दिन के मुकाबलों के बाद रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के अरण्यक घोष और दीप्तायन घोष, तमिलनाडु के हरि माधवन, कार्तिकेयन मुरली, इनियन पी., अर्जुन कल्याण और रोहित एस., रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के मित्राभा गुहा, महाराष्ट्र के पुराणिक अभिमन्यु तथा बिहार के मोहम्मद रेयान संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर रहे। वहीं मेजबान राज्य झारखंड के अधिराज मित्रा 24वें स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के दौरान रांची जिला शतरंज संघ तथा आयोजन समिति के सचिव नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, उपाध्यक्ष मिथिलेश पांडे सहित आशीष साहू, सुनील कालरा, मृदुल कुमार, दीपक कुमार, प्रभात कुमार, ललित बथवाल, जयंत भुइयां, विशाल मिंज, अरुण कुमार, विनोद शाह और संगीता कुमारी समेत आयोजन समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्य शतरंज संघ के संरक्षक एवं प्रदीप वर्मा ने प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश के अस्वस्थ होने के कारण 'सवैधानिक संवाद' कार्यक्रम स्थगित

रांची : आदिवासी कल्याण केंद्र के तत्वावधान में आगामी शनिवारको रांची के शौर्य सभागार, डोरण्डा, रांची में आयोजित होने वाला 'संवैधानिक संवाद' कार्यक्रम अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। आदिवासी कल्याण केंद्र के अध्यक्ष श्री परमेश्वर भगत ने आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश के.जी. बालकृष्णन के अचानक अस्वस्थ हो जाने के कारण आयोजन समिति ने सर्वसम्मति से इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। पूरी समिति उनके शीघ्र और पूर्ण स्वास्थ्य लाभ की मंगलकामना करती है। परमेश्वर भगत ने इस संबंध में अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, हमें इस महत्वपूर्ण संवाद के स्थगित होने पर गहरा खेद है। हम उन सभी प्रतिभागियों और प्रबुद्धजनों के आभारी हैं जो इस वैचारिक चर्चा की प्रतीक्षा कर रहे थे। मुख्य अतिथि के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लेना आवश्यक था। संस्था के अध्यक्ष परमेश्वर भगत ने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम की आगामी तिथि और समय की घोषणा जल्द ही की जाएगी, जिसकी सूचना सभी पंजीकृत प्रतिभागियों और मीडिया बंधुओं को समय रहते दे दी जाएगी। आयोजन समिति इस आकस्मिक परिवर्तन से हुई असुविधा के लिए सभी सहयोगियों और अतिथियों से सविनय क्षमाप्रार्थी है।

डीपीआर स्वीकृत कर 31 दिसंबर तक पूरा करें सड़क निर्माण : उच्च न्यायालय

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने रांची के अरगोड़ा से नयासराय सड़क के पास स्थित छह मुहल्लों (राजेंद्र नगर, सिद्धि विनायक नगर, महुआ टोली, बेथलेहम नगर, धर्म कॉलोनी, लक्ष्मी नगर) में सड़क-नाली निर्माण के स्वतः संज्ञान मामले में महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। चीफ जस्टिस एमएस सोनक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने हस्तक्षेपकर्ता अधिवक्ता शुभम कटारुका के सुझाव पर ग्रामीण विकास विभाग को 30 अप्रैल तक मोहल्ला सड़क का डीपीआर स्वीकृत करने का आदेश दिया। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि विभाग आवश्यक टेंडर प्रक्रिया पूरी कर सड़क निर्माण कार्य 31 दिसंबर 2026 तक पूरा करे। हस्तक्षेपकर्ता ने अदालत को बताया कि जो डीपीआर वर्ष 2023 का बनाया गया है उसमें सड़क की चौड़ाई 12 फीट रखी गई है जो काफी कम है, इसमें तो दो कार का एक साथ चलना कठिन है। ऐसे में इस सड़क की चौड़ाई बढ़ाने का भी आदेश दिया जाए। कोर्ट ने इस संदर्भ में सरकार को याचिकाकर्ता के इस सुझाव पर भी विचार करने को कहा है। दरअसल, हस्तक्षेपकर्ता की ओर से पिछली सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि अरगोड़ा से नयासराय रोड के पास स्थित छह मुहल्ले राजेंद्र नगर, सिद्धि विनायक नगर, महुआ टोली, बेथलेहम नगर, धर्म कॉलोनी, लक्ष्मी नगर सहित अन्य मुहल्लों के सैकड़ों लोग बिना सड़क-नाली के रह रहे हैं।

अविश्वास प्रस्ताव की राजनीति एवं लोकतांत्रिक मूल्य

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था संसद है, जहां न केवल कानून बनते हैं बल्कि राष्ट्र की दिशा और दशा पर गंभीर विमर्श भी होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल आधार यही है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी भूमिका को लोकतांत्रिक तरीके से जिम्मेदारी, संयम और मयार्दा के साथ निभाएं, यह नितांत अपेक्षित है। किंतु हाल के दिनों में जिस तरह से लोकसभा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव चर्चा में आया, उसने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया कि क्या विपक्ष वास्तव में संसदीय मयार्दाओं और लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों को लेकर गंभीर है या यह केवल स्वार्थ की राजनीतिक करने के लिए ऐसे कदम उठा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना एक गंभीर संसदीय कदम माना जाता है। यह केवल राजनीतिक विरोध का साधन नहीं होता, बल्कि इसके पीछे ठोस तर्क, गंभीर आरोप और व्यापक समर्थन होना अपेक्षित होता है। किंतु जिस प्रकार विपक्ष ने यह प्रस्ताव लाया और बाद में उसकी गंभीरता का अभाव दिखाया, उसने इस पूरी प्रक्रिया को प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया। जब यह प्रस्ताव ध्वनि मत से खारिज हुआ तो विपक्ष ने मतदान की मांग तक नहीं की। यदि विपक्ष को अपने प्रस्ताव पर पूरा विश्वास होता और उसे लगता कि वह सदन का समर्थन प्राप्त कर सकता है, तो वह निश्चित रूप से मत विभाजन की मांग करता। लेकिन ऐसा न होना इस तथ्य को ही पुष्ट करता है कि विपक्ष स्वयं भी जानता था कि यह प्रस्ताव पारित होने की स्थिति में नहीं है।

इससे भी अधिक आश्चर्यजनक स्थिति तब देखने को मिली जब प्रस्ताव पर चर्चा का अवसर आया तो विपक्ष ने स्वयं उस पर चर्चा करने के बजाय पश्चिम एशिया के संकट पर बहस की मांग शुरू कर दी। यह विषय निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, किंतु यदि विपक्ष ने स्वयं लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था तो उसे पहले उसी पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए थी। सरकार की ओर से भी यह स्पष्ट किया गया कि वह अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा से पीछे नहीं है, लेकिन संसद की कार्यवाही को नियमों और प्राथमिकताओं के अनुसार चलाना आवश्यक है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह संकेत दिया कि विपक्ष विशेष रूप से कांग्रेस अपने ही प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं थी। इस अवसर पर ही नहीं, अनेक अवसरों पर उसने गैर-जिम्मेदारी एवं बचकानेपन का अहसास कराया है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वह सरकार की नीतियों की समीक्षा करता है, उसकी गलतियों को उजागर करता है और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। किंतु जब विपक्ष केवल राजनीतिक आरोपों और शोर-शराबे तक सीमित रह जाए तो लोकतांत्रिक विमर्श कमजोर पड़ने लगता है। यहां सत्ता-पक्ष के लिये भी यह गौर करने की बात है कि आखिर विपक्ष को ऐसा क्यों लग रहा है कि उसकी बातों को अनसुना किया जाता है? पक्ष एवं विपक्ष दोनों को ही विश्वास, समन्वय एवं सौहार्द बनाये रखते हुए ही आगे बढ़ना होगा।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का व्यवहार भी कई बार संसदीय मयार्दाओं के संदर्भ में चर्चा का विषय बना है। यह सच है कि विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें सरकार की आलोचना करने और अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि संसदीय नियमों और परंपराओं को दरकिनार कर दिया जाए। संसद की कार्यवाही स्पष्ट नियमों और प्रक्रियाओं के अधीन चलती है और इन नियमों का पालन करना हर सांसद की जिम्मेदारी है। बीते कुछ समय से राहुल गांधी संसद के भीतर और बाहर यह आरोप लगाते रहे हैं कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के मामले में प्रधानमंत्री ने समर्पण कर दिया है। इस तरह के आरोपों को उन्होंने कई मंचों पर दोहराया है, किंतु इन दावों के समर्थन में ठोस तथ्य प्रस्तुत नहीं किए गए। इसी प्रकार उन्होंने चुनाव आयोग पर भी यह आरोप लगाया कि वह मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण के माध्यम से सत्तारूढ़ दल को लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। ऐसे आरोप लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाने वाले होते हैं और यदि इन्हें प्रमाणों के बिना बार-बार दोहराया जाए, तो यह लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए भी उचित नहीं माना जा सकता।

इसी संदर्भ में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में विस्तार से यह बताया कि लोकसभा अध्यक्ष पर बोलने का अवसर न देने का आरोप लगाने वाले राहुल गांधी ने स्वयं कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा में भाग नहीं लिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संसद के विभिन्न सत्रों के दौरान उनकी उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रही है और कई बार महत्वपूर्ण बहसों के दौरान वे विदेश यात्राओं पर रहे हैं। इन तथ्यों को सामने रखते हुए यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि संसद में सक्रिय भागीदारी ही कम होगी तो संसदीय विमर्श को प्रभावी कैसे बनाया जा सकेगा। जहां तक लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का प्रश्न है, उनका कार्यकाल कई दृष्टियों से उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने सदन की कार्यवाही को संतुलित, संयमित और नियमबद्ध ढंग से संचालित करने का प्रयास किया है। उनके नेतृत्व में संसद की कार्यवाही को अधिक उत्पादक बनाने की दिशा में कई प्रयास किए गए। उन्होंने सांसदों को समयबद्ध तरीके से बोलने का अवसर देने, युवा सांसदों को अधिक सक्रिय करने और संसदीय समितियों की भूमिका को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया।

ओम बिरला की एक बड़ी विशेषता उनका शांत, संयमित और संवादपरक स्वभाव है। वे अक्सर सभी दलों के नेताओं से संवाद स्थापित कर सदन को सुचारुरूप से चलाने की कोशिश करते हैं। कई बार जब सदन में तीखी बहस या हंगामे की स्थिति बनी, तब भी उन्होंने धैर्य और संतुलन के साथ कार्यवाही को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। यही कारण है कि उनके कार्यकाल को संसदीय परंपराओं के सम्मान और लोकतांत्रिक संतुलन के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है। भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां लगभग डेढ़ अरब लोगों की आकांक्षाएं, विविधताएं और विचार संसद के माध्यम से अभिव्यक्ति पाते हैं। यह लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह निरंतर संवाद, विमर्श और जवाबदेही की प्रक्रिया है। संसद इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का केंद्रीय मंच है। इसलिए यह अपेक्षा की जाती है कि वहां होने वाली बहसें गंभीर, तथ्यपूर्ण और मर्यादित हों।

दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद में हंगामे और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की प्रवृत्ति बढ़ी है। कई बार महत्वपूर्ण विधेयकों और नीतिगत मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय राजनीतिक टकराव का माहौल बन जाता है। इससे न केवल संसद की गरिमा प्रभावित होती है बल्कि जनता के मन में भी यह प्रश्न उठता है कि क्या उनके प्रतिनिधि वास्तव में राष्ट्रीय मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाया गया यह अविश्वास प्रस्ताव भी इसी प्रवृत्ति का एक उदाहरण प्रतीत होता है। जब विपक्ष स्वयं अपने प्रस्ताव को गंभीरता से आगे नहीं बढ़ाता, तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर प्रश्न खड़े करता है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, बल्कि वह आवश्यक भी है, लेकिन असहमति को जिम्मेदारी और तर्कसंगतता के साथ व्यक्त किया जाना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की यह जिम्मेदारी है कि वे संसद को टकराव का मंच बनाने के बजाय संवाद का मंच बनाएं। यदि संसद में गंभीर बहसें होंगी, तथ्यात्मक तर्क प्रस्तुत किए जाएंगे और नीतियों पर सार्थक चर्चा होगी, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। अन्यथा केवल राजनीतिक आरोपों और प्रतीकात्मक कदमों से लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को आघात पहुंच सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि रखा जाए। लोकसभा अध्यक्ष को संसद की निष्पक्षता और मयार्दा का प्रतीक माना जाता है और इस संस्था के प्रति अनावश्यक राजनीतिक टकराव लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसके राजनीतिक दल कितनी परिपक्वता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। यदि विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता और रचनात्मकता के साथ निभाए और सत्ता पक्ष भी संवाद के लिए खुलेपन का परिचय दे, तो भारतीय लोकतंत्र न केवल मजबूत होगा बल्कि विश्व के सामने एक आदर्श भी प्रस्तुत करेगा। यही वह मार्ग है जो संसद की गरिमा, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रहित-तीनों की रक्षा कर सकता है।

हिमालयी राज्यों में कशमल का संरक्षण बड़ी चुनौती

कशमल हिमालय क्षेत्र में पाई जाने वाली एक बहु उपयोगी औषधि है। इसे चंबा में कसैम्बल, संस्कृत में दारू हरिद्रा, गढ़वाल में किन्गोड़ा, हिंदी में दारू हल्दी कहा जाता है। यह झाड़ीनुमा पौधा होता है। इसकी ऊंचाई 7-8 फुट तक होती है। इसकी तीन-चार प्रजातियां हैं, जो निचले से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में उगती हैं। कशमल के फल बच्चे चाव से खाते हैं। जंगली जानवरों बंदर आदि का भी पसंदीदा आहार है। इनकी पत्तियां भेड़- बकरी के लिए पौष्टिक चारा है। इसके फूलों पर मधुमक्खी काम करती है। इसकी जड़ों से रसोंत नामक औषधि बनाई जाती है। इसके अलावा अनेक बीमारियों में उपचार में इसका उपयोग होता है। इस वजह से औषधि उद्योग में इसकी बहुत मांग रहती है। इसी कारण कशमल का अवैध दोहन बड़े पैमाने पर होता रहता है। चिपको आन्दोलन के दौर में भटियात क्षेत्र और चंबा के साथ लगते जडेरा क्षेत्र से कशमल संरक्षण के लिए आवाज उठाई गई थी। भटियात के छुआला गांव और धरवाई गांव से करीब एक ट्रक कशमल की जड़ जो अवैध रूप से निकाली गई थी, आन्दोलनकारियों ने जब्त करवाई थी। जडेरा में बहुत बड़े पैमाने पर अवैध रूप से कशमल उखाड़ा गया था, जिसे जनता बैरियर लगा कर रोका गया था और जब्त करवाया गया था। सरकारी जंगल से कशमल उखाड़ने पर रोक लगी थी। आज तक वह रोक तो जारी है किन्तु अवैध धंधे वाले निजी भूमि से परमिट लेकर सरकारी जंगलों से अवैध रूप से उखाड़ कर ले जाते हैं। गत वर्ष चंबा के चुराह और सलूनी तहसील के कुछ जागरूक लोगों द्वारा इसके विरुद्ध आवाज उठाई गई थी। कांगड़ा के बैजनाथ से भी ऐसी खबरें आई थीं। प्रदेश के दूसरे हिस्सों से भी इस तरह की अवैध रूप से कशमल उखाड़ने की खबरें आती रही हैं। स्थानीय स्तर पर 20-30 रुपये. प्रति किलो खरीद कर आगे कंपनियों को भारी मुनाफे पर व्यापारी लोग बेचते हैं। दवाई बन जाने के बाद तो इसकी कीमत बहुत बढ़ जाती है। थोड़े से लाभ के लिए किसान अपना बहुत बड़ा नुकसान कर लेते हैं। कशमल को बचा कर यदि उस पर भेड़-बकरी पालन और मधुमक्खी पालन किया जाए तो इससे कहीं ज्यादा कमाई किसान कर सकते हैं। इसके अलावा कशमल की जड़ें बहुत गहरी होती हैं जिनको उखाड़ने के लिए 4 से 5 फुट गहरे तक खुदाई करनी पड़ती है जिससे पहाड़ी ढलानें कमजोर हो जाती हैं और बरसात में भूस्खलन का कारण बनती हैं। इसलिए जरूरी है कि कशमल को बचाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। भले ही इसके व्यापारिक दोहन पर सरकारी जंगल से प्रतिबन्ध लगा है किन्तु शातिर ठेकेदार स्थानीय लोगों को बेवकूफ बना कर सांठ-गांठ कर लेते हैं और निजी भूमि से उखाड़ने का परमिट ले लेते हैं, जबकि निजी जमीन में बहुत ही कम मात्रा में कशमल उपलब्ध होता है। अतः निजी भूमि के नाम पर असल में दोहन सरकारी जंगलों से होता है। हैरानी की बात यह है कि जब भी निजी भूमि से कशमल उखाड़ने का परमिट दिया जाता है तो उस भूमि में कितने झाड़ कशमल के हैं यह क्यों नहीं जांचा जाता। अगर परमिट जारी करने के समय यह जांच हो जाए तो पता लग जाएगा कि कितनी मात्रा में कशमल उपलब्ध हो सकती है। निर्धारित मात्रा से ज्यादा जड़ें मिलने पर ठेकेदारों पर शिकंजा कसा जा सकता है। यह जरूरी सावधानी बरती ही जानी चाहिए। इसके अलावा बहुत से देशों में कशमल की खेती की संभावनाओं को भी विकसित किया जा रहा है। हमारे देश में भी कशमल की खेती आरंभ की जानी चाहिए ताकि जंगल से कशमल को न उखाड़ा जाए और अपने खेतों से इसकी फसल तैयार करने की ओर बढ़ा जा सके। इसमें दस से बीस साल का समय तो लगेगा किन्तु खैर आदि तैयार करने में भी तो इतना ही समय लग जाता है। स्थानीय समुदायों में कशमल के जंगलों के आसपास भेड़-बकरी पालन और मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहन देकर भी स्थानीय लोगों को वैकल्पिक आय उपलब्ध करवाई जा सकती है। इससे लोगों का स्वार्थ संरक्षण की दिशा में मोड़ा जा सकता है।

सूडोकु नवताल- 7732

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7731 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका में 20 जनवरी, 2025 को डोनाल्ड ट्रम्प के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद वैश्विक आर्थिक और व्यापारिक व्यवस्था में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिले। ट्रम्प ने ह्लमेक अमेरिका ग्रेट अगेनह्व के नारे के साथ अमेरिकी उद्योग और विनिर्माण को पुनर्जीवित करने की नीति अपनाई। इसी उद्देश्य से उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर भारी टैरिफ लगाने की रणनीति अपनाई। उनका मानना था कि यदि विदेशी उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाया जाएगा तो बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अमेरिका में ही उत्पादन शुरू करेंगी और इससे अमेरिकी उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। यह नीति अत्यंत आक्रामक रूप से लागू की गई, जिसके कारण वैश्विक व्यापार वातावरण में अस्थिरता और अनिश्चितता पैदा हो गई। विशेष रूप से चीन जैसे देशों से आने वाले उत्पादों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की घोषणा ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत को हिला दिया। इसके अलावा अन्य देशों को भी ऐसे कदमों की चेतावनी दी गई, जिससे वैश्विक आर्थिक संबंधों में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। भारत भी इस नीति से अछूता नहीं रहा। अमेरिका ने भारत से आयातित कई उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया। इसके अतिरिक्त 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ इस आधार पर लगाया गया कि भारत रूस से कच्चे तेल का आयात करता है और उसे प्रसंस्कृत कर यूरोपीय देशों को पेट्रोल और डीजल के रूप में निर्यात करता है।

अमेरिकी प्रशासन का तर्क था कि भारत द्वारा रूस से तेल खरीदना अप्रत्यक्ष रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध को आर्थिक समर्थन देना है। परिणामस्वरूप 27 अगस्त 2025 से भारत के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लागू कर दिया गया। इस निर्णय का भारत की अर्थव्यवस्था पर तत्काल प्रभाव पड़ा। भारतीय पूंजी बाजार में अस्थिरता बढ़ गई और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से अपना निवेश निकालना शुरू कर दिया। इससे शेयर बाजार में गिरावट आई और विदेशी मुद्रा प्रवाह पर भी दबाव बढ़ा। चूँकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है और भारत के निर्यात में उसकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है, इसलिए यह कदम भारत के विदेशी व्यापार के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया।

ट्रम्प प्रशासन की नीतियाँ केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उनमें साम्राज्यवादी सोच के संकेत भी दिखाई दिए। उदाहरण के तौर पर वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में मुकदमा चलाने की घटना ने वैश्विक राजनीति में नई बहस छेड़ दी। अमेरिका की नजर वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार पर मानी जा रही है। इसके अलावा डेनमार्क के अधीन ग्रीनलैंड द्वीप पर भी अमेरिका ने अपना प्रभाव स्थापित करने की इच्छा जताई। इसी प्रकार मेक्सिको, क्यूबा और ईरान जैसे देशों को भी विभिन्न प्रकार की चेतावनियाँ दी गईं। इन घटनाओं ने वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और आर्थिक संबंधों में तनाव की स्थिति पैदा कर दी।

भारत और अमेरिका के संबंधों पर भी इसका प्रभाव पड़ा, लेकिन भारत ने इस चुनौती का सामना करने के लिए त्वरित और व्यावहारिक रणनीति अपनाई। सरकार ने वैकल्पिक बाजारों की तलाश शुरू की और कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने की दिशा में तेजी से कदम उठाए। भारत ने विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो अमेरिका को निर्यात पर अधिक निर्भर थे, जैसे वस्त्र एवं परिधान, जेम्स एवं ज्वेलरी, समुद्री उत्पाद, खिलौना उद्योग और चमड़ा उद्योग। ये सभी श्रम आधारित उद्योग हैं और इनमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है। यदि इन क्षेत्रों के निर्यात पर बड़ा झटका लगता तो देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर रूप ले सकती थी। इसलिए भारत ने रूस, चीन, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों सहित कई नए बाजारों में इन उत्पादों का निर्यात बढ़ाने का प्रयास किया।

वर्ष 2025 में भारत ने वैश्विक व्यापार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने की दिशा में सक्रिय प्रयास किए। वर्ष के अंत तक भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण समझौते किए। इसके साथ ही अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भी व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि नवंबर और दिसंबर 2025 के दौरान भारत के निर्यात में वृद्धि दर बनाए रखने में सफलता मिली, जबकि सितंबर और अक्टूबर के महीनों में अमेरिकी बाजार में टैरिफ के कारण कुछ गिरावट देखी गई थी।

भारत की व्यापारिक रणनीति का सबसे बड़ा कदम 27 जनवरी 2026 को सामने आया, जब भारत और यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देशों के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता संपन्न हुआ। लगभग 18 वर्षों की लंबी वाताओं के बाद यह समझौता संभव हो पाया। इसकी व्यापकता और महत्व को देखते हुए इसे ह्लमदर ऑफ ऑल डील्सह्व कहा जा रहा है। इस समझौते से भारत के निर्यात को एक विशाल और स्थिर बाजार मिलने की संभावना है। इसके अतिरिक्त कनाडा के राष्ट्रपति के मार्च 2026 में भारत आने की संभावना भी जताई जा रही है, जिसके दौरान कुछ क्षेत्रों में मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा सकता है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौतों से विश्व समुदाय में सकारात्मक संदेश गया है। भारत ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्व की भावना के साथ वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है। इन समझौतों से संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि व्यापार में वृद्धि से आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई देशों का भारत के प्रति दृष्टिकोण भी सकारात्मक हुआ है और वे भारत को एक विश्वसनीय और उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में देखने लगे हैं।

हालांकि इन सकारात्मक पहलुओं के बावजूद भारत के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण समस्या भारतीय रुपये का अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होना है। हाल के समय में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत 92 रुपये से अधिक हो गई है और वर्ष 2025 में रुपये का लगभग 5 से 6 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है। इसका मुख्य कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय पूंजी बाजार से निवेश निकालना है, जिससे डॉलर का बाहरी प्रवाह बढ़ गया है। इस समस्या से निपटने के लिए भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ाने और निर्यात को प्रोत्साहित करने की नीति अपना रहा है। यदि भारत निर्यात और विदेशी निवेश दोनों क्षेत्रों में वृद्धि करने में सफल होता है तो विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होगा और रुपये पर दबाव कम किया जा सकेगा।

समग्र रूप से देखा जाए तो ट्रम्प प्रशासन की आक्रामक व्यापारिक नीतियों ने वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में अस्थिरता पैदा की है, लेकिन भारत ने इन चुनौतियों का सामना व्यावहारिक और संतुलित रणनीति से करने का प्रयास किया है। आत्मनिर्भरता, मुक्त व्यापार समझौतों का विस्तार, नए बाजारों की खोज और युवा शक्ति का विकास भारत की प्रमुख रणनीतियाँ हैं। यदि भारत इन क्षेत्रों में निरंतर प्रगति करता है तो वह न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकेगा बल्कि वैश्विक स्तर पर स्थिरता और सहयोग का एक महत्वपूर्ण केंद्र भी बन सकता है।

(लेखक, आर्थिक मामलों के विश्लेषक एवं स्तम्भकार हैं।)

भारत की कूटनीति रंग लाई, ईरान से भारत पहुंचे तेल टैंकर

संजय सक्सेना

भारत के मुसलमान और अन्य कुछ राजनीतिक दल भले ही मोदी सरकार को ईरान का साथ न देने के लिए कोस रहे हो लेकिन ईरान में माहौल दूसरा है. जब दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतों को लेकर हर तरफ बेचैनी का माहौल है, तब भारत सरकार ने कूटनीतिक मोर्चे पर एक अहम कामयाबी हासिल की है। ईरान ने भारत के झंडे वाले तेल टैंकरों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की इजाजत दे दी है। यह राहत ऐसे वक्त में मिली है जब पूरी दुनिया की निगाहें इस संकरे लेकिन बेहद अहम समुद्री रास्ते पर टिकी हुई हैं। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर की सक्रिय कूटनीति और ईरान के साथ सीधी बातचीत को इस सफलता की सबसे बड़ी वजह माना जा रहा है।जानकारों का कहना है कि जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच हाल ही में हुई बातचीत के बाद ईरान ने यह फैसला लिया। भारत ने अपने तेल आयात को लेकर ईरान के सामने अपनी जरूरत साफ तौर पर रखी और यह समझाया कि भारतीय टैंकरों का इस रास्ते से गुजरना दोनों देशों के हित में है। ईरान ने भारत की इस बात को माना और होर्मुज से भारतीय जहाजों के गुजरने का रास्ता खोल दिया। यह भारत की उस परंपरागत विदेश नीति की जीत है जिसमें बातचीत और संवाद को हथियार की जगह प्राथमिकता दी जाती है।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे व्यस्त और सबसे संवेदनशील समुद्री रास्तों में से एक है। दुनिया भर में होने वाले कच्चे तेल के कुल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। फारस की खाड़ी के देशों से निकलने वाला तेल इसी संकरे समुद्री दरवाजे से होकर दुनिया के बाकी हिस्सों तक पहुंचता है। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है, इस रास्ते का बंद होना या खतरनाक हो जाना सीधे तौर पर तेल की उपलब्धता और कीमतों पर असर डालता है। ईरान की तरफ से राहत मिलने के बाद भारत के दो तेल टैंकर पुष्पक और परिमल सुरक्षित रूप से होर्मुज से गुजरे हैं। यह खबर उन लाखों लोगों के लिए राहत भरी है जो देश में तेल की कमी और कीमतों में उछाल को लेकर चिंतित थे। इससे पहले एक और टैंकर जिसका कप्तान भारतीय बताया जा रहा है, वह भी इस रास्ते से सफलतापूर्वक पार हो गया। यह जहाज युद्ध शुरू होने के बाद से इस मार्ग को पार कर भारत आने वाला पहला जहाज था। रिपोर्टों के मुताबिक सऊदी अरब का कच्चा तेल लेकर चल रहा यह लाइबेरिया के झंडे वाला जहाज दो दिन पहले होर्मुज से गुजरा और अभी मुंबई बंदरगाह पर रुका हुआ है।

भारत की ऊर्जा जरूरतें साल दर साल बढ़ती जा रही हैं। देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, उद्योगों की मांग और आम जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए कच्चे तेल की निर्बाध आपूर्ति बेहद जरूरी है। भारत अपनी जरूरत का करीब पचासी फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल बाहर से मंगाता है और इसमें खाड़ी देशों की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है। ऐसे में अगर होर्मुज जैसा अहम रास्ता लंबे समय तक बंद रहे तो इसका असर सिर्फ तेल कंपनियों पर नहीं, बल्कि हर उस भारतीय परिवार पर पड़ता है जो रोजाना किसी न किसी रूप में पेट्रोल, डीजल या गैस का इस्तेमाल करता है।जयशंकर की यह कामयाबी इसलिए भी खास है क्योंकि यह उस दौर में आई है जब दुनिया के कई बड़े देश खाड़ी क्षेत्र में तनाव के चलते अपने तेल आपूर्ति के रास्तों को लेकर परेशान हैं। कई देशों के जहाज होर्मुज से गुजरने में झिझक रहे थे और तेल बाजार में इसका सीधा असर कीमतों पर दिख रहा था। भारत ने इस मुश्किल घड़ी में चुप बैठने की बजाय सक्रिय कदम उठाया, ईरान से सीधे बातचीत की और नतीजा सबके सामने है।

भारत और ईरान के बीच संबंध ऐतिहासिक रूप से गहरे रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, संस्कृति और कूटनीति के रिश्ते सदियों पुराने हैं। हालांकि बीते कुछ सालों में अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से भारत और ईरान के बीच तेल व्यापार में कमी आई थी, लेकिन दोनों देशों के बीच राजनीतिक और कूटनीतिक संबंध हमेशा बने रहे। भारत की यह कोशिश रही है कि वह एक तरफ अमेरिका और पश्चिमी देशों से अच्छे संबंध बनाए रखे और दूसरी तरफ ईरान जैसे पड़ोसी मुल्कों से भी रिश्ते खराब न हो। इस संतुलन की कूटनीति का ही नतीजा है कि आज भारत ईरान से यह राहत हासिल करने में कामयाब रहा जो शायद किसी और देश के बस की बात नहीं थी। इस पूरे घटनाक्रम से यह भी साफ होता है कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर कितना गंभीर है। सरकार ने न सिर्फ वैकल्पिक तेल आपूर्ति के रास्ते तलाशने शुरू कर दिए हैं, बल्कि मौजूदा रास्तों को सुरक्षित और खुला रखने के लिए कूटनीतिक स्तर पर पूरी ताकत लगा दी है। यह कदम देश की आर्थिक स्थिरता और आम जनता के हितों की रक्षा के नजरिए से बेहद जरूरी था।पुष्पक और परिमल जैसे टैंकरों का होर्मुज से सुरक्षित गुजरना महज एक खबर नहीं है। यह इस बात का संकेत है कि भारत की कूटनीति काम कर रही है। यह इस बात की मिसाल है कि जब सही समय पर सही तरीके से बातचीत की जाए तो बड़ी से बड़ी रुकावटें भी हट जाती हैं। भारत सरकार की यह सक्रियता आने वाले दिनों में देश की तेल आपूर्ति को स्थिर रखने में मददगार साबित होगी और कीमतों पर काबू रखने में भी सहायक रहेगी।

दैनिक पंचांग

13 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

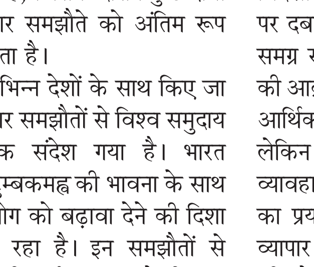

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.20 बजे से
चंद्र	धनु में	मेष	07.51 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.31 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.29 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.42 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.58 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.10 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.21 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.36 ब.से
राहुकाल		धनु	00.52 बजे से
10.30 से		मकर	02.57 बजे से
12.00 बजे तक		कुंभ	04.43 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 72 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि नवमी 06.30 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 03.03 बजे रात्र को समाप्त।
योग व्यतीपात 10.32 बजे को समाप्त।
करण गर 06.30 बजे तदनन्तर वणिज 19.25 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 23.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 03° 01'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872647
जूलियन दिन 2461112.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 23

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

लातेहार कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस ने चलाया सर्च अभियान

लातेहार : लातेहार व्यवहार न्यायालय परिसर को बम से उड़ाने की ईमेल के माध्यम से धमकी मिली है। सूचना मिलने पर गुरुवार को लातेहार एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। पुलिस डॉग स्क्वाड टीम के साथ कोर्ट परिसर में सघन सर्च अभियान चलाया गया। इस संबंध में लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक वस्तु या संदिग्ध सामग्री बरामद नहीं हुई। पुलिस ने पूरे परिसर की गहन तलाशी ली और स्थिति सामान्य बताई है।

अवैध पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : टाटानगर रेलवे स्टेशन के पास अवैध हथियार के साथ घूम रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक अवैध पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। इस मामले की जानकारी गुरुवार को सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। सीटी एसपी कुमार शिवा आशीष के अनुसार बुधवार को गुप्त सूचना मिली थी कि टाटानगर रेलवे स्टेशन के आसपास एक युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा है और किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सिटी एसपी के मार्गदर्शन में बिष्टुपुर थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने इलाके में कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक अवैध पिस्टल, एक जिंदा कारतूस और एक बैग बरामद हुआ। पूछताछ में युवक की पहचान आकाश गोराई उर्फ छोटू (24) के रूप में हुई।

बकाया वेतन के लिए एनआरएचएम कर्मी गए हड़ताल पर, चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ माने जाने वाले एनआरएचएम कर्मी चार माह से बकाया वेतन को लेकर गुरूवार को कार्य बहिष्कार करते हुए अनिश्चिकालीन हड़ताल पर चले गए। अपनी मांगों को लेकर एमएमसीएच परिसर में धरना प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि वेतन नहीं मिलने के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहे दर्जनों कर्मचारी मंगलवार को पलामू समाहरणालय में डीसी को ज्ञापन सौंपकर मांगों पर सकारात्मक विचार नहीं होने पर

अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार हड़ताल की चेतानी दी थी। बावजूद निर्धारित अवधि में कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में गुरूवार से सभी अनिश्चिकालीन हड़ताल पर चले गए। हड़ताल के कारण अस्पताल की व्यवस्था पर असर पड़ा है। मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। अस्पताल परिसर में अफरातफरी का माहौल है और मरीज इलाज के लिए इधर-उधर भटकते नजर आ रहे हैं। वहीं हड़ताल पर बैठे स्वास्थ्यकर्मियों का कहना है कि उन्होंने दिन-रात ड्यूटी कर अस्पताल की सेवाएं संभाली है, लेकिन पिछले चार से छह महीनों से उन्हें वेतन नहीं मिल रहा है। इस समस्या को लेकर वे कई बार सिविल सर्जन सहित विभाग के अन्य अधिकारियों से मिल चुके हैं। स्वास्थ्यकर्मियों का यह भी कहना है कि वे अपनी समस्या को लेकर डीसी से भी गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। हर बार तकनीकी समस्या का हवाला देकर भुगतान टाल दिया जाता है। कई महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके घर की आर्थिक स्थिति काफी खराब हो गई है। बच्चों की स्कूल फीस और मकान का किराया तक देना मुश्किल हो गया है और मकान मालिक भी घर खाली करने की चेतावनी दे रहे हैं। स्वास्थ्यकर्मियों ने साफ कहा है कि जब तक उनकी बकाया वेतन का भुगतान नहीं किया जाता है, तब तक उनका अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगा। कर्मियों ने चेतावनी दी कि इस हड़ताल की वजह से स्वास्थ्य सेवाओं में होने वाली किसी भी परेशानी के लिए विभाग और प्रशासन स्वयं जिम्मेदार है।

संक्षिप्त खबरें

बाइक स्टंट के चक्कर में दो युवक रेलिंग पर ठोकर खाकर गिरे, गंभीर रूप से घायल

ईचागढ़ : ईचागढ़ थाना क्षेत्र के मिलन चौक सोनाहातु सड़क पर डुमरा सीमा के पास रेलिंग पर टकराकर अनियंत्रित दो बाइक सवार गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों घायलों को मिलन चौक स्थित माधुरी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों युवक इलाजरत हैं। घटना की सुचना मिलते ही ईचागढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और घटना के संबंध में जानकारी लिया। घायल युवकों का पहचान डुमरा गांव निवासी कमल सिंह मुण्डा 22 वर्ष एवं सोमा सिंह मुण्डा 20 वर्ष के रूप में हुई। थाना प्रभारी बजरंग महतो ने बताया कि सालुकडीह से छऊ नाच देखकर अपना घर आने के समय सड़क पर स्टंट करते हुए खतरनाक ढंग से बाइक चलाते हुए गिरकर घायल हुआ है। उन्होंने युवा वर्ग को अपील करते हुए कहा कि अपने जान को जोखिम में डालकर बाइक स्टंट नहीं करें। नशे के हालत में, बीना हेलमेट और मोडीफाई साइलेंसर लगाकर बाइक नहीं चलाएं ताकि अपने साथ ही अन्य राहगीरों का सुरक्षा सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि अभियान चलाकर स्टंट बाजों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किया जाएगा।

ग्रामीण पर्यटन कर्मियों को इपीएफ और बीमा का लाभ दे सरकार : राम सूर्या

खूंटी : खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा ने गुरुवार को विधानसभा में झारखंड के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर नियुक्त ग्रामीण कर्मियों को इपीएफ और बीमा सहित अन्य लाभ दिलाने की मांग की। विधानसभा में राम सूर्या मुंडा ने कहा कि झारखंड पर्यटन विकास निगम लिमिटेड की ओर से नियुक्त ग्रामीण कर्मियों को ना तो भविष्य निधि की सुविधा मिलती है और ना ही उन्हें बीमा का लाभ दिया जाता है। यहां तक की किसी पर्यटन मित्र की मृत्यु होने पर भी उन्हें कोई लाभ नहीं मिलता। उनके आश्रितों को भी नौकरी नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि यह पर्यटन कर्मी राज्य के विभिन्न पर्यटन स्थलों की साफ सफाई, सुरक्षा, कटिंग, पार्किंग से लेकर अन्य सुविधाएं सैलानियों को उपलब्ध कराते हैं, लेकिन इसके एवज में उन्हें कोई अस्थाई लाभ नहीं मिलता। विधायक ने सरकार से मांग की कि इन ग्रामीण पर्यटन कर्मियों को कर्मचारी भविष्य निधि, बीमा सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए।

मॉडल अनुमंडल की हकीकत : न बस स्टैंड, न शौचालय, न अस्पताल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : कल्पना कीजिए एक ऐसा शहर, जहाँ सुबह-सुबह आप ट्रेन से उतरते हैं और सबसे पहले सवाल उठता है – भाई, बस स्टैंड कहाँ है? जवाब आता है – हँसी के साथः अरे भाई, बस स्टैंड? वो तो अभी प्लानिंग में है... 2047 तक आपको पेशाब लगता है। पूरे २०,००० आबादी वाले इस ह्यनगर पंचायत में घूमते-घूमते थक जाते हैं, लेकिन एक भी शौचालय नहीं मिलता। आखिरकार कोई दयालु बुजुर्ग कहता है, बेटा, नदी के किनारे चले जाओ... वही हमारा पब्लिक टॉयलेट है। स्वच्छ भारत अभियान का झंडा यहाँ सिर्फ पोस्टरों पर लहराता है, असल जिंदगी में तो स्वच्छह्न शब्द भी गायब है।अनुमंडल है, मतलब सरकारी कागजों में बड़ा नाम। लेकिन अनुमंडल स्तरीय अस्पताल? अरे भाई, वो तो सपने में भी नहीं दिखता। एकमात्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में होम्योपैथिक डॉक्टरों की भीड़ है एलोपैथी की दवा तो शायद कब आखिरी बार देखी गई होगी। शाम ५ बजे के बाद अगर कोई हादसा हो जाए तो सीधा ७२ किलोमीटर दूर गिरिडीह या ६२ किलोमीटर दूर हजारीबाग का रास्ता नापना पड़ता है। स्ट्रीट लाइट लगी हुई है बहुत सुंदर। फोटो खिंचवाओ, सोशल मीडिया पर वायरल करो। लेकिन छह महीने बाद? सब बुझ चुकी हैं। अब रात को शहर अंधेरे में डूबा रहता है, जैसे किसी भूतिया फिल्म का सेट हो। लोग मजाक करते हैं हमारे यहाँ बिजली विभाग का नारा हैः ह्यरोशनी तभी जब वोट चाहिए! फर भी हाल ही में नगर पंचायत चुनाव हुए। भारी मतों से अध्यक्ष चुने गए। भाषण में बोला गया – अब विकास की नई सुबह होगी। लोग हँसते हैं और फुसफुसाते हैं सुबह तो हुई, लेकिन बस स्टैंड, शौचालय, अस्पताल और लाइट... ये सब तो अभी भी रात के अंधेरे में ही सो रहे हैं। तो बताइए, क्या आपने कभी ऐसा शानदार अनुमंडल देखा है? जहाँ कागजों पर सब कुछ है अनुमंडल, नगर पंचायत, अध्यक्ष, स्ट्रीट लाइट।

सरिया के जंगल में हाथी का प्रवेश ग्रामीण दहशत में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सरिया थाना क्षेत्र के कोयरीडीह व कैलाटांड के जंगलों में इन दिनों जंगली हाथी विचरण कर रहे हैं। जिस कारण ग्रामीण दहशत में हैं। शाम होने के पूर्व ही लोग अपने-अपने घरों को वापस आ जाते हैं। बताते चलें कि बुधवार को डुमरी प्रखंड क्षेत्र से जंगली हाथियों का प्रवेश सरिया प्रखंड के कोयरीडीह जंगल की ओर हुआ। जिस पर आम राहगीरों की नजर पड़ी। हाथी जंगल में एक और से दूसरी ओर सड़क पार कर रहे थे। जिस पर दृष्टि पड़ने से ग्रामीण दूर सड़क पर ही रुक गए और हाथी के सड़क पार करने का इंतजार करने लगे। वहीं इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। इस संबंध में वन परिसर पदाधिकारी अंशु कुमार ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा उन्हें सूचना मिली है कि चार हाथियों का झुंड सरिया के जंगल में विचरण कर रहे हैं। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम जंगल की ओर गई जहां विभाग द्वारा जंगल में दो हाथियों के विचरण करने

की पुष्टि की गई है। वहीं विभाग द्वारा लोगों को सचेत किया गया है कि वह जंगल की ओर नहीं जाएं। सूर्यास्त के पूर्व अपने घरों में प्रवेश कर जाएं, सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि हाथी जब गांव की ओर रुख करें तो इसकी सूचना विभाग को दें। सुरक्षित रहने के लिए जंगली जानवरों से छेड़छाड़ नहीं करें। वहीं उन्होंने बताया कि हाथियों को अपने सीमा क्षेत्र से बाहर भागने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यालय, असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा
फोन नं०–06582–259859, ईमेल–cswestsinghbhum@gmail.com
स्वस्थ झारखण्ड सुखी झारखण्ड

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि विज्ञापन सं0– 02 /ART-CBSA/2025 द्वारा झारखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति अन्तर्गत ART CENTER, सदर अस्पताल, चाईबासा के लिए संविदा के आधार पर चिकित्सा पदाधिकारी एवं लैब टैक्निशियन के पद पर नियुक्ति हेतु अभ्यर्थियों की मेधा सूची, चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची जिले के अधिकारिक वेबसाईट–www.chaibasa.nic.in पर भारित (Upload) किया गया है। अभ्यर्थी उक्त अधिकारिक वेबसाईट पर जा कर सूची को अधःभारित (Down load) कर सकते है।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा।

PR.NO.374909 West Singhbhum(25-26):D

चाईबासा में एक महीने से गंदा पानी भाजपा नेता ने डीसी से की शिकायत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिला स्थित चाईबासा शहर के स्टेशन रोड स्थित साईं कॉलोनी गुरुद्वारा रोड क्षेत्र में पिछले एक महीने से गंदा और बदबूदार पानी की आपूर्ति को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस मामले को लेकर गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पिछड़ा जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री हेमंत कुमार केशरी ने उपायुक्त को आवेदन देकर जांच और कार्रवाई की मांग की है। दिए गए आवेदन में हेमंत कुमार केशरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की योजना को चाईबासा पेयजल विभाग गंभीरता से नहीं ले रहा है। स्टेशन रोड साईं कॉलोनी गुरुद्वारा रोड क्षेत्र में लगभग एक महीने से पाइपलाइन के माध्यम से बदबूदार और गंदा पानी की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में

मुहल्ले के लोगों ने उनसे शिकायत की थी। इसके बाद उन्होंने अपने आवास पर जांच की, जिसमें पाया गया कि उनके घर सहित आसपास के घरों में भी गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। इस समस्या की शिकायत लगभग 15 दिन पहले पेयजल विभाग के कार्यपालक अभियंता से भी की गई थी, लेकिन अब तक विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। केशरी ने बताया कि हाल ही में दोबारा जांच करने पर नल से आने वाले पानी में छिलके जैसे पदार्थ तैरते हुए दिखाई दिए। इसे उन्होंने बोतल में एकत्रित कर तस्वीर के साथ उपायुक्त को भेजा है। उनका कहना है कि पूरे क्षेत्र से इसी तरह की शिकायतें मिल रही हैं। आवेदन में मांग की गई है कि पेयजल विभाग की ओर से दूषित पानी की आपूर्ति की जांच कराई जाए और जनता को नियमित रूप से शुद्ध और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही इस मामले में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई है।

युवक ने फंदे से लटक कर की खुदकुशी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : परसुडीह थाना क्षेत्र के हलुदबनी इलाके में बुधवार की देर रात एक युवक ने अपने किराये के कमरे में फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। घटना के बाद पड़ोसियों की मदद से युवक के शव को फंदे से उतारा गया और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और गुरुवार को परिजनों को सौंप दिया। मृतक की पहचान बिरेंद्र धाकर (35) के रूप में हुई है। वह हलुदबनी में किराये के मकान में अपनी पत्नी के साथ रहता था और पेशे से ट्रैक्टर चालक था। उसकी पत्नी सुशीला पात्रो ने बताया कि घटना से पहले दोनों के बीच शराब पीने को लेकर विवाद हुआ था। झगड़े के बाद वह काम पर चली गई थी। सुशीला शादी समारोहों में हेल्पर के रूप में काम करती है। सुशीला ने बताया कि देर रात जब वह काम से लौटी तो पति के साथ हुए विवाद के कारण वह अपने घर नहीं गई और अपनी मां के घर जाकर सो गई। गुरुवार की सुबह जब वह अपने घर पहुंची और दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसने पड़ोसियों को बुलाया और उनकी मदद से दरवाजा तोड़ा गया।

दरवाजा खुलते ही कमरे के अंदर बिरेंद्र धाकर का शव फंदे से झूलता हुआ मिला। परिजनों के अनुसार बिरेंद्र को शराब पीने की लत थी और इसी बात को लेकर अक्सर घर में विवाद होता था। आशंका जताई जा रही है कि इसी विवाद के बाद उसने यह कदम उठाया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता, प्रमण्डल , सिमडेगा

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं० – 11/2025–26
(प्रथम आमंत्रण)

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, सिमडेगा।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय :– 19.03..2026 के अपराहन 3.00 बजे तक
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 20.03.2026 को 3.00 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समय :– 20.03.2026 के 4.00 बजे अपराह्न।
6. निविदा परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :–कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा का कार्यालय।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :–कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा का कार्यालय।

क्र०	प्रखण्ड	कार्य / योजना का नाम	ग्रुप सं०	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण वि० का मूल्य	कार्य अवधि
1	जलडेगा	लमडेगा डांड़पानी में पेयजल की व्यवस्था।	I	571073	1250	11500	60 दिन
2	बानो	डलियामर्चा गांव में उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय के पास पेयजल की व्यवस्था।	II	827003	1250	17000	60 दिन
3	ठेठईटांगर	पाईकपारा बोड़काटोली में पेयजल की व्यवस्था।	III	791727	1250	16000	60 दिन
4	सिमडेगा	पिथरा भण्डारटोली में पेयजल की व्यवस्था।	IV	588337	1250	12000	60 दिन
5	सिमडेगा	बिरनीबेड़ा चिमटीघाट टोला में पेयजल की व्यवस्था।	V	476470	750	10000	30 दिन
6	ठेठईटांगर	कोरोमिंया पहानटोली में चापाकल अधिष्ठापन का कार्य	VI	123398	500	2500	15 दिन

नोट :–
1. संवेदक को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड अंतर्गत निबंधन अनिवार्य है।
2. परिमाण विपत्र का मूल्य किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक द्वारा ही स्वीकार किये जायेंगे। ड्राफ्ट कार्यपालक अभियंता,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा के पदनाम से प्रतिज्ञिप्त होना चाहिए एवं सिमडेगा शाखा में भुगतेय होना अनिवार्य है।
3. निविदा की नियम एवं शर्तें आदि कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
4. Technical Bid में Qualify होने के बाद ही Rate Bid खोला जायेगा।
5. प्राक्कलित राशि में परिवर्तन सम्भव है, तदनुसार अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य परिवर्तित हो सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा

PR 374873 Simdega(25-26).D

स्टेट बार काउंसिल के चुनाव में पलामू में 80 प्रतिशत मतदान, 761 मे 612 मतदाताओं ने डाले वोट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : झारखंड स्टेट बार काउंसिल के पंचवर्षीय चुनाव के लिए गुरुवार पलामू में 80 प्रतिशत मतदान हुआ। 761 मे 612 मतदाताओं ने वोट डाले। मतदान निर्धारित समय सुबह 10 बजे से शुरू हुआ एवं शाम 5 बजे तक चला। कुल 23 पदों के लिए वोट डाले गये। मतदान को लेकर अधिवक्ताओ में खासा उत्साह देखा गया। बड़ी संख्या में वोटर अधिवक्ता मतदान केंद्र पर पहुंचे एवं कतार में लगकर पहचान पत्र दिखाने के बाद अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मतदान प्रक्रिया की देखरेख के लिए अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव को प्रजाइडिंग ऑफिसर बनाया गया था। उल्लेखनीय है कि मतदाताओं को पांच महिला अधिवक्ता अरा 18 पुरुष अधिवक्ता को वोट देना था। बताते चले कि स्टेट बार काउंसिल के चुनाव में 25 सदस्य चुने जाते हैं। 23 का मतदान के द्वारा चुनाव किया जाता हैं जबकि दो सदस्य पदेन होते हैं। चुने गए सदस्यों का कार्यकाल पांच वर्षो के लिए होता हैं। इस बार 2026-2031 के लिए चुनाव हुआ। चुनाव में राज्य भर से 100 अधिवक्ता उम्मीदवार के रूप में मैदान में है। इसमें पलामू जिला अधिवक्ता संघ के सदस्य मधुलता रानी भी चुनाव लड़ी हैं। मतदान के लिए बैलेट पेपर का उपयोग किया गया और वरीयता आधारित मतदान प्रणाली लागू किया गया था। चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए अधिवक्ता शशि भूषण दुबे सक्रिय थे। अधिवक्ता संघ भवन में ऊपरी तल्ले पर एक मतदान केंद्र बनाया गया था, जबकि नीचे कमरा नम्बर छह में भी एक मतदान केंद्र था। ऊपर मतदान केंद्र पर एसेएम नाम वाले कुल 380 मतदाता को मतदान के लिए बैलट पेपर की व्यवस्था की गई थी, जबकि नीचे एन से जेड नाम वाले मतदाता जो 381 को बैलेट पेपर की व्यवस्था की गई थी।

कार्यालय जिला परिषद, गुमला
दुकानों की बन्दोवस्ती हेतु अति अल्पकालीन प्रेस विज्ञप्ति

एतद द्वारा गुमला जिले के सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गुमला जिलान्तर्गत जिला परिषदीय दुकानों का निर्धारित शर्त्तों के अधीन बन्दोवस्ती की जानी है जिसका विवरण निम्न है :–

विशुनपुर प्रखण्ड स्थित बनारी मार्केट कॉम्पलेक्स अन्तर्गत खाली दुकानों का आवंटन हेतु किराया तालिका

क्र0	दुकानों का नम्बर	किराया प्रतिमाह	अभ्युक्ति
1	2,3,4,6,7,8,9,10 (भूतल) 11,12 (प्रथमतल)	1200/– 1000/–	10 दुकान

लोहरदगा रोड, चांदनी चौक घाघरा में खाली दुकान का आवंटन हेतु किराया तालिका

क्र0	दुकानों का नम्बर	किराया प्रतिमाह	अभ्युक्ति
1	10,11,12,13,14,15,16	1500/–	07 दुकान

गुमला प्रखण्ड स्थित बसुआ मार्केट कम्पलेक्स अन्तर्गत खाली 05(पांच) दुकानों का आवंटन हेतु किराया तालिका

क्र0	दुकानों का नम्बर	किराया प्रतिमाह	अभ्युक्ति
1	1,2,3,4,5	1000/–	05 दुकान

गुमला जिलान्तर्गत थाना रोड स्थित मार्केट कम्पलेक्स अन्तर्गत खाली दुकानों का आवंटन हेतु किराया तालिका

क्र0	दुकानों का नम्बर	किराया प्रतिमाह	सुरक्षित जमा राशि	अभ्युक्ति
1	54,57,58	1500/–	37500/–	03 दुकान

उक्त दुकानों की बन्दोवस्ती हेतु आवेदन प्रपत्र कार्यालय जिला परिशद, गुमला से दिनांक 20.03.2026 से दिनांक 25.03.2026 के अप0 5:00 बजे तक 500/– कुल पाँच सौ रूपये मात्र का डिमाण्ड ड्राफ्ट (जो सचिव, जिला परिषद, गुमला के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक से निर्गत एवं गुमला में भुगतेय हो) जमा कर कार्यालय अवधि में प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात् आवेदन प्रपत्र किसी भी परिस्थिति पर निर्गत नहीं किया जायगा।

दुकान बन्दोबस्ती से संबंधित विस्तृत शर्त्तो का अवलोकन कार्यालय के सूचना पट्ट तथा गुमला जिले के वेबसाईट **gumla.nic.in** पर किया जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, गुमला।

PR 374854 District(25-26)D

एक नजर

पीसीपीएनडीटी एक्ट पर चला जागरुकता कार्यक्रम

साहिबगंज : पीसीपीएनडीटी कार्यक्रम अंतर्गत सेव द गर्ल चाइल्ड अभियान के तहत गुरुवार को स्थानीय यमुना दास बालिका उच्च विद्यालय एवं एनआरपी सेंटर में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को पीसीपीएनडीटी एक्ट के बारे में जानकारी देना तथा समाज में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के संदेश को सशक्त बनाना था। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को भ्रूण लिंग जांच एवं भ्रूण हत्या के दुष्परिणाम, समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका, महिला सशक्तिकरण, तथा बेटियों के सम्मान और अधिकारों के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत लिंग चयन एवं भ्रूण लिंग जांच करना कानूनन अपराध है और इसके लिए कड़ी कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। इस अवसर पर छात्राओं को समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने, शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने तथा लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया। मौके पर कार्यक्रम में डॉ. अमित, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, डीपीएम, डीपीसी, डीडीएम, डीपीएमयू कोऑर्डिनेटर सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के संदेश को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

झारखंड स्टेट बार काउंसिल में चुनाव संपन्न

साहिबगंज: झारखंड स्टेट बार काउंसिल 23 सदस्यों के लिए, झारखंड बार काउंसिल रांची के तत्वाधान में साहिबगंज अधिवक्ता संघ में सुबह 10:00 बजे से 5:00 बजे तक मतदान का आयोजन किया गया।मतदान करने के लिए पवन कुमार चौधरी अधिवक्ता झारखंड हाईकोर्ट को पोलिंग अफसर बनकर भेजा गया था। वही जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रेमनाथ तिवारी को प्रोजाडीग ऑफिसर बनाया था। चुनाव प्रक्रिया के लिए वीडियो कैमरा की व्यवस्था की गई थी। ओके कमरे का संचालन विष्णु देव कर रहे थे। मतदाता सूची में कुल वोटर 196 था, जिसमें से 169 मतदान हुआ है। स्टेट बार काउंसिल के चुनाव में अधिवक्ताओं ने बढ़ चड कर अपना मतदान का प्रयोग किए हैं। मतदान करने में युवा अधिवक्ताओं ने उत्साह दिखाइए है।

युवा कांग्रेस ने एलपीजी कीमतों के खिलाफ किया प्रदर्शन

पश्चिमी सिंहभूम : जिला मुख्यालय स्थित कांग्रेस भवन में गुरुवार को युवा कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रीतम बांकिरा ने की। इस दौरान संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महासचिव सह जिला प्रभारी दीपक साव और कांग्रेस जिलाध्यक्ष रंजन बोयपाई उपस्थित रहे। जिला प्रभारी दीपक साव के पहली बार चाईबासा आगमन पर जिला महासचिव राजीव बोयपाई और गुलजार अंसारी ने उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष प्रीतम बांकिरा ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए जिला, विधानसभा और प्रखंड स्तर की कमेटियों का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जल्द ही जिलास्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित करने की योजना है। साथ ही हर महीने विधानसभा कार्यकारिणी की बैठक आयोजित करना अनिवार्य होगा, ताकि पंचायत और प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके और क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा कर उनके समाधान की दिशा में पहल की जा सके।

नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को डीसी ने दिलाई पद व गोपनीयता की शपथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगर पालिका आम निर्वाचन -2026 के तहत 23 फरवरी, 2026 को सम्पन्न मतदान तथा 27 फरवरी, 2026 को सम्पन्न मतगणना के उपरांत नव निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नप)-सह-डीसी हेमंत सती द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। सिद्धो-कान्हो सभागार, साहिबगंज में आयोजित कार्यक्रम में साहिबगंज नगर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाई गई। वहीं राजमहल नगर पंचायत के अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों को समाहरणालय सभागार में तथा बड़हरवा नगर पंचायत के अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों को जिला पंचायती राज सभागार में शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों ने संविधान की गरिमा को बनाए रखने, अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा जनहित में कार्य करने की शपथ ली। इसके साथ ही नगर परिषद साहिबगंज, नगर पंचायत राजमहल एवं नगर पंचायत बड़हरवा के लिए उपाध्यक्ष पद का चुनाव भी संपन्न कराया गया। साहिबगंज नगर परिषद क्षेत्र से विनीता देवी को उपाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। नगर पंचायत राजमहल क्षेत्र से मो मारूफ को उपाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं नगर पंचायत बड़हरवा में उपाध्यक्ष पद के लिए निर्मला कुमारी एवं राजकुमार भगत द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया था। चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न होने के उपरांत राजकुमार भगत को उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित घोषित किया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी, संबंधित निवार्ची पदाधिकारी तथा नव निर्वाचित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नप)-सह-डीसी ने सभी नव निर्वाचित प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे अपने-अपने क्षेत्र के विकास तथा नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

फरार चल रहे आरोपों के घर में पुलिस ने चिपकाए इश्तिहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस प्रशासन ने न्यायालय के आदेश पर दहेज उत्पीड़न और हत्या के प्रयास मामले में फरार चल रहे आरोपी के घर पर कुर्की-जब्ती से पहले की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय ने आरोपी मो अखलाक के विरुद्ध धारा 82 के तहत उद्घोषणा जारी की है। मिली जानकारी के अनुसार जिला अंतर्गत मुफस्सिल थाना क्षेत्र के छोटी कोदरजन्ना निवासी मो आरिफ के पुत्र मो अखलाक पर उसकी पत्नी शायना खातून ने गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, हत्या का प्रयास, मारपीट, लज्जा भंग करने का प्रयास, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी के तहत मामला दर्ज है। बताया गया कि आरोपी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था, लेकिन वह गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार है या खुद को छिपा रहा है। इसी के आलोक में कोर्ट ने उसे भगोड़ा मानते हुए नोटिस जारी किया है। चिपकाए गए नोटिस के अनुसार आरोपी को 13 मार्च 2026 तक न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने का अंतिम अवसर दिया गया था। यदि आरोपी नियम समय पर हाजिर नहीं होता है, तो कानून के तहत उसकी संपत्ति की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। न्यायालय के निर्देश पर मुफस्सिल थाना पुलिस ने आरोपी के निवास स्थान और सार्वजनिक स्थल पर इस नोटिस चिपका दिया है ताकि आम जनता को भी इसकी सूचना मिल सके।

भीषण टक्कर में दो लोगों की जान गयी, ई-रिक्शा के उड़े परखच्चे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र में गुरुवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोगों की जान चली गयी। यह हादसा कोटालपोखर और पश्चिम बंगाल के फरक्का को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर जीवनपुर गांव के पास हुआ, जहां एक ई-रिक्शा और जुगाड़ वाली गाड़ी के बीच आमने-सामने टक्कर हो गयी। इस दुर्घटना में ई-रिक्शा चालक और एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गये, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार पाकुड़ जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित विक्रमपुर निवासी 15 वर्षीय अजीजुर शेख (पिता-अब्दुल सलाम) ई-रिक्शा चला रहा था। उनकी गाड़ी में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रामचंद्रपुर निवासी लगभग 60 वर्षीय पोटला पहाड़िया सवार थे। दोनों पश्चिम बंगाल के चादौड़ इलाके से लौट रहे थे। इस दौरान जीवनपुर गांव के पास सामने से अवैध लकड़ी लादकर आ रही एक जुगाड़ वाली गाड़ी से उनकी सीधी टक्कर हो गयी। बताया जा रहा है कि दोनों वाहनों की रफ्तार अधिक होने के कारण ये हादसा हुआ। घटना के तुरंत बाद आसपास के लोगों ने तुरंत दोनों घायलों को इलाज के लिए कोटालपोखर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने जांच के दौरान दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कोटालपोखर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त जुगाड़ गाड़ी को जब्त कर थाने ले आई। थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही शवों के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करायी जा रही है तथा पूरे मामले की जांच जारी है।

साहिबगंज में डिजनीलैंड मेला का उद्घाटन आज, तैयारी पूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर में मनोरंजन का नया ठिकाना डिजनीलैंड मेला अब तैयार है। शहर के केलाबाड़ी पोखरिया मोहल्ले स्थित टाउन हॉल के पीछे डिजनीलैंड मेला का भव्य आयोजन होने जा रहा है, जिसका औपचारिक उद्घाटन शुक्रवार शाम 6 बजे किया जाएगा। मेले के प्रबंधक रंजीत कुमार ने गुरुवार को मेला परिसर में प्रेस वार्ता कर इस आयोजन की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस बार मेले का सबसे बड़ा आकर्षण जलपरी शो होगा जिसे देखने के लिए साहिबगंज वासियों में खासा उत्साह है। मेला प्रबंधक ने बताया कि इस बार मेले को बेहद खास और विविध बनाने का प्रयास किया गया है। बताया कि मेला में हाइड्रोलिक तारामाची, ड्रैगन ट्रेन, ब्रेक डांस, टोरा-टोरा, मिकी माउस, कोलंबस और जंपिंग फ्रॉग जैसे दर्जनों छोटे-बड़े झूले लगाए जाएंगे। इसके अलावा देश के विभिन्न राज्यों से आए स्टॉल, जिनमें भदोही के कालीन, असम के केन फर्नीचर और सहारनपुर के लकड़ी के फर्नीचर शामिल हैं। खान-पान को लेकर कोलकाता की मशहूर मिठाइयां और विक्टोरिया की पाव-भाजी जैसे कई लजीज व्यंजनों के स्टॉल होंगे। बताया कि मेले का उद्घाटन नगर परिषद के अध्यक्ष से शुक्रवार को कराया जाएगा। रंजीत कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि मेले में सुरक्षा और मनोरंजन का पूरा ध्यान रखा गया है ताकि लोग अपने परिवार के साथ यादगार समय बिता सकें।

साहिबगंज व राजमहल श्मशानघाट में विधुत शवदाह गृह का हो निर्माण : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान तारांकित प्रश्न के माध्यम से सदन में साहिबगंज एवं राजमहल गंगा तट स्थित श्मशान घाट में विद्युत शवदाह गृह निर्माण का मामला उठाया गया। उन्होंने सदन के माध्यम से नगर विकास विभाग को कहा कि साहिबगंज एवं राजमहल का पवित्र गंगा तट जहां संथाल परगना के लगभग पांच जिला के विभिन्न हिस्सों से प्रतिदिन अंत्येष्टि के लिए शव को लाया जाता है। हजारों टन लकड़ी की खपत होती है। पर्याप्त व्यवस्था नहीं रहने से लोगों को परेशानी होती है। विभाग ने सदन के माध्यम से दिए गए उत्तर में कहा है कि यथाशीघ्र विधुत शवदाह गृह निर्माण के लिए निर्देशित किया गया है। वहीं शहरी क्षेत्र में सड़क तोड़कर बिछाई जा रहे पाइपलाइन के उपरांत पुनः रोड की मरम्मती नहीं की जा रही है जिसे आमजन को परेशानी हो रही है इस पर विभाग ने सकारात्मक आश्वासन दिया है। राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने शुन्यकाल में सदन के माध्यम से नगर विकास विभाग को कहा कि करोड़ों रुपए की लागत से निर्मित सीवरेज प्रोजेक्ट पुरी तरह फेल है। उन्होंने कहा कि गंदे पानी का बहाव सड़क पर होने के कारण आम जन का पैदल चलना तक दुभर हो जाता है। सरकार की उच्च स्तरीय जांच कराई और इसके स्थाई निराकरण की व्यवस्था करें।

पाकुड़ नगर परिषद में शपथ ग्रहण लॉटरी से उपाध्यक्ष बने राणा ओझा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : नगरपालिका (आम) चुनाव 2026 के तहत गुरुवार को नगर परिषद सभागार, पाकुड़ में नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क पाकुड़/08 पाकुड़ नगर परिषद (वर्ग-ख) की नवनिर्वाचित अध्यक्ष शबरी पाल सहित 21 वार्डों के निर्वाचित पार्षदों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण के दौरान सभी जनप्रतिनिधियों ने नगर परिषद क्षेत्र के विकास तथा जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के बाद नगर परिषद के उपाध्यक्ष पद के लिए अप्रत्यक्ष निर्वाचन की प्रक्रिया भी संपन्न कराई गई। उपाध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवारों– राणा ओझा और रुपाली सरकार–ने नामांकन दाखिल किया था। निर्धारित प्रक्रिया के तहत सभी निर्वाचित वार्ड पार्षदों की उपस्थिति में मतदान कराया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त मनीष कुमार की देखरेख में मतदान शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। मतदान के बाद हुई मतगणना में दोनों उम्मीदवारों को 10-10 मत प्राप्त हुए, जबकि एक मत अमान्य घोषित किया गया। मतों की संख्या बराबर होने की स्थिति में निर्वाचन नियमों के अनुसार लॉटरी (ड्रा ऑफ लॉट्स) की प्रक्रिया अपनाई गई। लॉटरी के माध्यम से राणा ओझा को पाकुड़ नगर परिषद का उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। परिणाम घोषित होने के बाद नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष राणा ओझा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर उपस्थित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई दी और सफल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में नगर परिषद क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सभी पार्षद आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शहर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं तथा नागरिकों से जुड़े बुनियादी मुद्दों के समाधान के लिए सक्रिय पहल करें। जिला प्रशासन की ओर से पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इसी कारण शपथ ग्रहण और निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण, पारदर्शी और विधि-सम्मत तरीके से संपन्न हुई। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) प्रीतिलता मुर्मू, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार चौधरी, अंचलाधिकारी अरविन्द कुमार बेदिया, कार्यपालक दंडाधिकारी गोपाल कृष्ण कुंवर, नगर परिषद के सभी निर्वाचित वार्ड पार्षद तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

इसहाकपुर में एआईएमआईएम का सदस्यता अभियान तेज, बड़ी संख्या में लोग जुड़े

पाकुड़ : जिले के इसहाकपुर में गुरुवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के तत्वावधान में सदस्यता अभियान के तहत एक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में आसपास के कई पंचायतों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। बैठक के दौरान कई लोगों ने रसीद कटवाकर पार्टी की औपचारिक सदस्यता ग्रहण की और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने कहा कि आने वाले दिनों में गांव-गांव और पंचायत स्तर तक सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ा जाएगा। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि एआईएमआईएम हमेशा संविधान, सामाजिक न्याय और वंचित समाज की आवाज को बुलंद करने के लिए प्रतिबद्ध रही है। पार्टी की विचारधारा को क्षेत्र के हर कोने तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं से सक्रिय होकर काम करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने संगठन को मजबूत करने और सदस्यता अभियान को व्यापक रूप से चलाने का संकल्प लिया।

एससी/एसटी थाना का वार्षिक निरीक्षण लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश

पाकुड़: पुलिस अधीक्षक, पाकुड़ निधि द्विवेदी द्वारा गुरुवार को जिले के एससी/एसटी थाना का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर और भवन की साफ-सफाई के साथ-साथ सिरिस्ता अभिलेखों एवं विभिन्न पंजीयों के रख-रखाव और संधारण का बारीकी से अवलोकन किया गया। निरीक्षण के क्रम में थाना में संधारित अभिलेखों और पंजीयों की जांच की गई, जिसमें उनका रख-रखाव संतोषजनक पाया गया। इस दौरान कुछ छोटी-मोटी त्रुटियां भी सामने आईं, जिन्हें दूर करने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने थाना में दर्ज लंबित कांडों की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने मामलों के निष्पादन में तेजी लाने और लंबित कांडों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने के लिए ओपी प्रभारी को आवश्यक निर्देश दिए। वहीं निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना के पदाधिकारियों और कर्मियों को विधि-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने, आम लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान करने तथा थाना परिसर की साफ-सफाई और अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

लखि मंदिर में अखंड हरिनाम संकीर्तन महोत्सव का हुआ शुभारंभ, पहले दिन निकली जलयात्रा

अमड़ापाड़ा: जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के बासमती स्थित प्रसिद्ध लखि मंदिर परिसर में गुरुवार से चार दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन सह लीला कीर्तन महोत्सव का विधिवत शुभारंभ हो गया। महोत्सव के पहले दिन गुरुवार को धार्मिक अनुष्ठानों और जलयात्रा के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव के पहले दिन सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं द्वारा भव्य जलयात्रा और गंधाधिवास कार्यक्रम निकाला गया। इस दौरान भक्तगण भक्ति गीतों और हरिनाम संकीर्तन के साथ पूरे क्षेत्र का भ्रमण करते हुए मंदिर परिसर पहुंचे। वातावरण भक्तिमय नारों और कीर्तन से गूंजता रहा। पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि 12 से 15 मार्च तक 16 प्रहर व्याप्त अखंड हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार 13 मार्च से अखंड हरिनाम संकीर्तन और लीला कीर्तन का सिलसिला शुरू होगा, जिसमें झारखंड और पश्चिम बंगाल से आई कई प्रसिद्ध कीर्तन मंडलियां भक्ति संगीत की प्रस्तुति देंगी। आयोजन समिति के अनुसार शनिवार 14 मार्च को नाम कीर्तन के साथ रास लीला और राम विवाह की भव्य प्रस्तुति होगी, जबकि महोत्सव के अंतिम दिन रविवार 15 मार्च को कुंज भंग वर्णन, महंत विदाई और महाप्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। वहीं मंदिर पूजा समिति के अध्यक्ष निताई चंद्र पाल ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने के लिए आसपास के सभी ग्रामीण सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। महोत्सव को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 19 मार्च को जिला स्तरीय कार्यशाला

पाकुड़ : जिले में महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से जिला उद्योग केन्द्र, पाकुड़ की ओर से 19 मार्च को एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। उद्योग विभाग के निर्देश पर आयोजित इस कार्यशाला का विषय प्रमोशन ऑफ वुमेन लेड एंटरप्रेन्योरशिप रखा गया है, जिसमें महिलाओं को उद्यमिता से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और अवसरों की जानकारी दी जाएगी। कार्यालय, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, शिविर कार्यालय, पाकुड़ से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्यशाला 19 मार्च 2026 को प्रात: 10:30 बजे से जिला उद्योग केन्द्र के कार्यालय सभागार/परिसर में आयोजित होगी। कार्यक्रम में जिले की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ उद्यम स्थापित करने से जुड़ी प्रक्रियाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले में महिला नेतृत्व वाले उद्यमों को बढ़ावा देना और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दौरान उद्योग विभाग के अधिकारी एवं विशेषज्ञ महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, लोन सुविधा, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और व्यवसाय शुरू करने के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी देंगे। साथ ही सफल महिला उद्यमियों के अनुभव भी साझा किए जाने की संभावना है, जिससे अन्य महिलाओं को प्रेरणा मिल सके।

35 साल बाद भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित ग्रामीण, नाले का पानी पीने को मजबूर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : जिले के पाकरटाड़ प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कैरबेड़ा के राईबेड़ा डैम कालोनी(भागलपुर) के ग्रामवासियों को नाले का पानी पीकर गुजारा करना पड़ रहा है। यह बहुत ही दुखद और चिंताजनक स्थिति है। ज्ञात हो कि राईबेड़ा ग्राम के निवासी दोभाया डैम बनने से विस्थापित समुदाय हैं। झारखंड सरकार के विस्थापन एवं पुनर्वास नीति के तहत बिजली, पानी, एवं मूलभूत सुविधाओं को प्राप्त करना उनका अधिकार है। परन्तु सरकारी उपेक्षाओं, राजनीतिक पार्टियों के इच्छाशक्ति की कमी के कारण आज 30 परिवार के लगभग 115 से अधिक ग्रामीण अपना जमीन, बारी खोकर भी पानी, बिजली और गांव घुसने के लिए एक अदद सड़क की आस में 35 साल गुजर चुके हैं। सिमडेगा के सामाजिक कार्यकर्ता अगुस्टीना सोरेंग ने कहा कि उक्त गांव वालों ने उपायुक्त महोदया को लिखित आवेदन देकर बिजली एवं पेयजल की मांग की है। पूर्व में भी वर्तमान विधायक को कई बार ज्ञापन दिया गया है, मुझे उम्मीद है कि संवेदनशील उपायुक्त महोदया उक्त ग्रामीणों की समस्या पर जल्द पहल करेंगी क्योंकि गांव में डेढ़ किलोमीटर दूर सुनसान जगह पर नाले से पीने का पानी लाने जाना सुरक्षा की दृष्टिकोण से भी भयावह है क्योंकि जंगली पशु और असामाजिक तत्वों का भी भय बना रहता है। अतः सिमडेगा जिला प्रशासन और सरकार से मांग करती हूँ कि जितना जल्दी हो सके पेयजल एवं बिजली सड़क जैसे समस्याएं को उपलब्ध कराके विस्थापित परिवारों का मूलभूत अधिकार देना सुनिश्चित हो ताकि कोई भी उपेक्षित समाज अपने आप को और अधिक उपेक्षित महसूस न करें।

बजट सत्र के दौरान कोलेबिरा विधायक ने उठाया पीडीएस का मुद्दा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग से जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) से जुड़ा सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को रियायती दरों पर अनाज और अन्य आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराने के लिए उचित मूल्य की दुकानों का संचालन कर रही है तथा कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र की दुर्गम भौगोलिक स्थिति के कारण कई ग्रामीणों को राशन लेने में कठिनाई होती है। इस पर विभाग की ओर से खाद्य,सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले मंत्री डॉ.इरफान अंसारी ने जवाब देते हुए बताया कि सरकार जन वितरण प्रणाली के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को रियायती दर पर अनाज उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि जन वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश, 2024 की कंडिका-10 (ii) के अनुसार दुकानों को इस प्रकार स्थापित किया जाता है कि किसी भी कार्डधारक को सामान्यतः 3 किलोमीटर तथा दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में 2 किलोमीटर से अधिक दूरी तय न करनी पड़े। साथ ही कंडिका-10 (iv) के अनुसार लगभग 1500 की जनसंख्या पर एक जन वितरण प्रणाली दुकान की अनुज्ञप्ति देने का प्रावधान है। मंत्री ने बताया कि जिला आपूर्ति पदाधिकारी सिमडेगा से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान पीडीएस दुकानों से राशन लेने के लिए 3 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करने या विशेष कठिनाई होने का कोई मामला अब तक सामने नहीं आया है और न ही इस संबंध में जिला आपूर्ति कार्यालय को कोई शिकायत प्राप्त हुई है।

सिमडेगा में ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था की हुई समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. खोटरे ने ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सिमडेगा-70 एवं कोलेबिरा-71 विधानसभा क्षेत्र से संबंधित वेयरहाउस में सुरक्षित रखे गए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (एश्ट) और वीवीपैट की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने वेयरहाउस परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश-निकास व्यवस्था तथा निगरानी प्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से वेयरहाउस के अंदर और बाहर की निगरानी व्यवस्था की स्थिति की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि ईवीएम की सुरक्षा के लिए निर्धारित सभी मानकों और दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा नियमित रूप से सीसीटीवी कैमरों, सुरक्षा उपकरणों और अभिलेखों की जांच की जाती रहे। निरीक्षण के समय उप निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार महतो, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि तथा निर्वाचन शाखा के कर्मी उपस्थित रहे।

जनता दरबार में प्राप्त भूमि विवाद मामलों की डीसी ने की समीक्षा, 71 मामलों की प्रगति पर हुई चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने एनआईसी सिमडेगा में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अंचल अधिकारियों एवं भूमि से संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में वर्ष 2025 तक उपायुक्त के जनता दरबार में प्राप्त भूमि विवाद से जुड़े आवेदनों के निष्पादन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बताया कि जनता दरबार के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों द्वारा भूमि विवाद से संबंधित आवेदन दिए गए थे, जिन्हें निष्पादन के लिए संबंधित अंचल अधिकारियों एवं विभागीय पदाधिकारियों को अग्रसारित किया गया था। बैठक के दौरान कुल 71 मामलों की समीक्षा की गई, जिनमें से कई मामलों का निष्पादन किया जा चुका है, जबकि शेष लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों में पुश्तैनी खतियानी जमीन के आपसी बंटवारे, जमीन बंटवारा नहीं देने, अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य करने, जमाबंदी दर्ज करने अथवा रद्द करने, बिना सहमति जमीन की बिक्री, जमीन का सीमांकन, आदिवासी जमीन की अवैध खरीद-बिक्री पर रोक लगाने, वर्ष 1985 में बंदोबस्ती की गई भूमि को ऑनलाइन दर्ज कर लगान रसीद निर्गत करने, भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामले, वन विभाग द्वारा वनरोपण, गलत तरीके से हुई रजिस्ट्री को रद्द करने, जमीन से संबंधित धोखाधड़ी, पंजी-2 में सुधार एवं नाम दर्ज करने, दखल-दहानी दिलाने तथा जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने से संबंधित मामले शामिल थे। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूमि विवाद से जुड़े सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कई बार परिवार के कमजोर वर्ग के लोगों पर दबाव बनाकर उनकी जमीन हड़पने की कोशिश की जाती है। ऐसे मामलों में प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने का कार्य करेगा।

तोरपा विधानसभा के विकास को लेकर विधायक ने कृषि मंत्री को सौंपा अनुशंसा पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : तोरपा विधानसभा क्षेत्र के विधायक ने राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से मुलाकात कर क्षेत्र में कृषि तथा पशुपालन विभाग से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों को लेकर एक विस्तृत अनुशंसा पत्र सौंपा। विधायक ने मंत्री को अवगत कराया कि तोरपा विधानसभा क्षेत्र के कई ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई, कृषि संसाधनों की उपलब्धता तथा पशुपालन के विकास से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने, पशुपालन को प्रोत्साहन देने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आवश्यक योजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने विधायक द्वारा उठाए गए विषयों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। विधायक ने कहा कि तोरपा विधानसभा क्षेत्र के किसानों एवं पशुपालकों के हितों की रक्षा तथा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

खड़िया समुदाय के पारंपरिक पदाधिकारियों सह अधिवक्ताओं ने अमृत चिराग तिर्की को भेंट की पुस्तक 'स्वशासन की धरोहर'

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : खड़िया समुदाय के पारंपरिक स्वशासन डाकला सोहोर से जुड़े पारंपरिक पदाधिकारियों सह अधिवक्ताओं ने समाज और स्वशासन से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तक स्वशासन की धरोहर भारत आदिवासी पार्टी सिमडेगा जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की को भेंट की। इस अवसर पर खड़िया समुदाय पारंपरिक स्वशासन डाकला सोहोर के सुशील सोरेंग महासोहोर सह अधिवक्ता, अलेक्स जॉनसन केरकेट्टा कलो सह अधिवक्ता तथा जॉन एलविस कुल्लू सोहोर सह अधिवक्ता जो सभी सिमडेगा कोर्ट के अधिवक्ता भी हैं ने संयुक्त रूप से यह पुस्तक उन्हें प्रदान की। यह पुस्तक लेखक सह हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता रश्मि कात्यायन एवं रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता सुशील उरांव द्वारा लिखी गई है। पुस्तक में झारखंडी पहचान, आदिवासी लोकतंत्र और संवैधानिक प्रावधानों से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में विशेष रूप से पेसा अधिनियम 1996, पेसा नियमावली 2025, भारत के संविधान में अनुसूचित जनजातियों के लिए विशेष प्रावधान, पांचवीं अनुसूची, अनुच्छेद 244 (1), अनुसूचित क्षेत्रों में संवैधानिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था, अनुसूचित क्षेत्रों में झारखंड राज्य आदेश 2007, संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश 1950 सहित कई संवैधानिक प्रावधानों की विस्तृत चर्चा की गई है। इसके साथ ही पुस्तक में झारखंड में आदिवासी भूमि संरक्षण से जुड़े कानून, छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम और पेसा अधिनियम नियमावली की रूपरेखा तथा न्यायिक दृष्टिकोण का व्यापक विश्लेषण किया गया है। साथ ही शहरी आदिवासी शासन, नगर पालिका (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) MESA अधिनियम 2001 सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों को भी पुस्तक में समाहित किया गया है। पुस्तक प्राप्त करने के बाद भारत आदिवासी पार्टी सिमडेगा जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने कहा कि यह पुस्तक झारखंडी पहचान, आदिवासी स्वशासन और संवैधानिक अधिकारों को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ऐसी पुस्तकों से समाज में जागरूकता बढ़ेगी और लोग अपने अधिकारों तथा पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे। उन्होंने लेखकों तथा खड़िया समुदाय के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुस्तक समाज और नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक साबित होगी।

एक नजर

विधानसभा में उठा रसोइया संयोजकों का मुद्दा मानदेय बढ़ाने की मांग

सिमडेगा : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने राज्य के सरकारी तथा गैर-सरकारी सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक विद्यालयों में कार्यरत रसोइया संयोजकों की समस्याओं को सदन में उठाया। विधायक ने कहा कि मध्याह्न भोजन योजना के तहत कार्यरत रसोइया संयोजक प्रतिदिन जोखिम उठाकर और अपना कीमती समय देकर बच्चों के लिए भोजन तैयार करती हैं। इसके बावजूद उन्हें बहुत कम मानदेय दिया जाता है और कई सरकारी सुविधाओं से भी वे वंचित हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि संवैधानिक प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए रसोइया संयोजकों को कुशल श्रमिक के अनुरूप मानदेय दिया जाए तथा उन्हें अन्य आवश्यक सरकारी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वे सम्मानपूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

जेएलकेएम ने बुरूडीह में चलाया सदस्यता अभियान

खूंटी : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने गुरुवार को खूंटी प्रखंड के मारंगहदा स्थित दाड़ीगुटु पंचायत के अंतर्गत आदिवासी बहुल क्षेत्र बुरूडीह गांव में सदस्यता अभियान चलाया। अभियान के दौरान ग्रामवासियों ने अपने गांव के मनरेगा संबंधित अन्य मांगों और समस्याओं पर पार्टी का ध्यान आकृष्ट कराया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष कुमार ब्रजकिशोर ने कहा कि विधायक जयराम महतो किसी एक व्यक्ति के नहीं है, बल्कि पूरे झारखंड की आवाज हैं। उन्होंने कहा कि जयराम जिस तरह से विधानसभा में झारखंड की समस्याएं रखते हैं। इससे साफ पता चलता है कि झारखंड हित में उनकी क्या सोच है। उन्होंने कहा कि जेएलकेएम पार्टी हर एक आदिवासी मूलवासी की पार्टी है। वहीं जिला कोषाध्यक्ष सुरेश टोपनो ने ग्रामीणों से नशा नहीं करने और दलालों के खिलाफ खड़ा रहने का आग्रह किया। इस मौके पर कई ग्रामीणों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर जिला अध्यक्ष कुमार ब्रजकिशोर, कोषाध्यक्ष सुरेश टोपनो, प्रवक्ता बजरंग साहू, जिला सदस्य कुंजल हस्सा, गंभीर टूटी, हेमंत मुंडा, नीबय मुंडा, सुलेमान सहित अन्य मौजूद थे।

पलामू में विषाक्त बुंदिया खाने से 150 पड़े बीमार

पलामू : पलामू के सतबरवा प्रखंड क्षेत्र के बोहिता गांव में विषाक्त बुंदिया खाने से 150 लोग बीमार पड़ गए हैं। कुछ लोगों को इलाज के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर में भर्ती कराया गया है जबकि अधिकतर लोगों का इलाज गांव स्तर पर सरकारी स्कूल में अस्थायी कैंप में किया जा रहा है। पांकी, मनातू, तरहसी, लेस्लीगंज एवं सतबरवा स्वास्थ्य विभाग की टीम इलाज में जुटी हुई है। जिले के सिविल सर्जन डॉ अनिल श्रीवास्तव पूरे मामले पर नजर रख रहे हैं। बताया जाता है कि बुधवार को बोहिता गांव के एक घर से बारात निकलनी थी। इसके लिए प्रीति भोज का आयोजन किया गया था। पूड़ी बंदिया खिलाया गया। प्रीति भोज खाने के बाद कुछ लोग बारात चले गए, जबकि अधिकतर लोग घर रह गए। जो घर पर थे अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। सभी को दस्त होने लगा। रात्रि में उनका इलाज किया गया। गुरुवार को बारात से लौटे बाराती भी बीमार हो गए। उन्हें भी कै दस्त होने लगा। चक्कर आने लगा। घटना की जानकारी मिलने पर राज्य दिशा समिति के सदस्य अवधेश सिंह चोरों ने मामले की जानकारी जिले के सिविल सर्जन डॉक्टर अनिल श्रीवास्तव को दी। सिविल सर्जन गुरूवार दोपहर गांव में पहुंचे और अस्थाई चिकित्सा कैंप लगाया।

संक्षिप्त खबरें

ओड़गा पुलिस ने स्कूल में चलाया जागरूकता अभियान बच्चों को कानून व सुरक्षा की दी जानकारी

जलडेगा : प्रखंड के ओडगा ओ पी अंतर्गत शहीद हेरमन रास्काट उच्च विद्यालय कुटुंगिया में ओड़गा पुलिस प्रशासन के द्वारा बच्चों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ओपी प्रभारी सजल के अगुवाई में आयोजित किया गया ।इस दौरान ओड़गा ओ पी प्रभारी सजल धान ने स्कूल के बच्चों को नैतिकता, सामाजिक जिम्मेवारी और कानून से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी तथा साइबर क्राइम, मानव तस्करी, बाल विवाह ,डायन कुप्रथा, नशा से होने वाले दुष्प्रभाव, सर्प दंश से बचने के उपाय तथा झाड़-फूंक ना करा कर इलाज कराने के संबंध में जागरूक किया गया तथा बताया गया कि समाज में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए हर नागरिक का जिम्मेदार होना जरूरी है। उन्होंने बच्चों को अच्छे आचरण अनुशासन और पठन-पाठन के महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बच्चों को यह भी बतलाया कि किसी प्रकार का गलत कार्यों, नशा एवं अन्य अन्य किसी प्रकार के अपराध से दूर रहना चाहिए। वहीं ओड़गा ओपी के एस आई कुंदन कुमार राव ने मानव तस्करी को लेकर बच्चों को समझाया, कि अनजान लोगों के प्रलोभन में ना आए, किसी भी अनजान व्यक्ति से खाने की चीज ना लें और ना ही उसके साथ कहीं जाएं। डिजिटल युग में इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग बहुत जरूरी है,किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और ना ही अपना पासवर्ड किसी को बताएं ।इससे आप साइबर ठगी से बच सकते हैं, बाल विवाह के बारे में उन्होंने कहा कि लड़की की उम्र 18 वर्ष तथा लड़के की उम्र 21 वर्ष से कम होने पर विवाह करना कानूनी अपराध है,य दि कहीं बाल विवाह हो रहा हो ,तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें ।डायन बिसाही एक अंधविश्वास है, बीमारी या अन्य समस्याओं का कारण जादू टोना नहीं बल्कि वैज्ञानिक कारण होती है। उन्होंने कहा किसी भी व्यक्ति को डायन बिसाही के नाम पर प्रताड़ित करना कानूनी अपराध है, बताया गया कि किसी व्यक्ति को सांप काट ले तो झाड़-फूंक के चक्कर में ना रहे तथा उस व्यक्ति को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की कोशिश करें, जिससे उसकी जान बच सके। इस कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे ।कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने पुलिस अधिकारियों से कई सवाल भी पूछे, जिसे उन्होंने सरल भाषा में जवाब दिया ।पुलिस प्रशासन की इस पहल पर विद्यालय प्रबंधन और शिक्षक गण ने सराहना की और कहा कि ऐसा कार्यक्रम बच्चों के लिए काफी लाभदायक साबित होते हैं।

जलडेगा में आयुष विभाग का मासिक बुजुर्ग स्वास्थ्य शिविर, 173 मरीजों का हुआ इलाज

जलडेगा : प्रखंड कार्यालय के समीप जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुभद्रा कुमारी के निर्देश पर आयुष विभाग द्वारा मासिक बुजुर्ग शिविर का आयोजन किया गया ।जिसका उद्घाटन बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार के द्वारा फीता काट कर किया गया तथा शिविर से लाभ उठाने की अपील की तत्पश्चात शिविर में डॉ खुर्शीद हसन तथा डॉ अरविन्द विश्वकर्मा द्वारा विभिन्न बिमारियों से ग्रसित 173 मरीजों का इलाज किया गया तथा स्वास्थ्य परामर्श देते हुए निशुल्क दवा का वितरण किया गया । इस दौरान योग प्रशिक्षकों के द्वारा मरीजों को रोग अनुसार योग प्राणायाम की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवन की प्रेरणा दी गई। मौके पर योग प्रशिक्षक बलिराम सिंह,हेमंती कुमारी, जयंती कुमारी, लालधारी नाग, कर्मपाल राम सहिया सावित्री कुमारी, जयंती तोपनो, सुमित्रा देवी, सफाई कर्मी बलिराम सिंह सहित कई अन्य लोगों की मौजूदगी रही।

दूरस्थ रोबगा गांव में लिंकेज कार्यक्रम, ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया

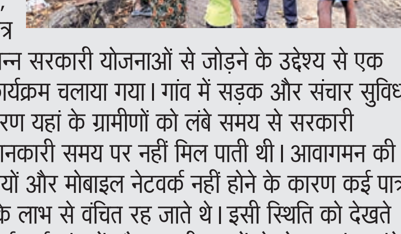

सिमडेगा : बांसजोर प्रखंड अंतर्गत कोम्बाकेरा पंचायत के दूरस्थ गांव रोबगा ज्ञानी टोली में छोटानागपुर कल्याण निकेतन, सिमडेगा द्वारा पात्र ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से एक विशेष लिंकेज कार्यक्रम चलाया गया। गांव में सड़क और संचार सुविधा के अभाव के कारण यहां के ग्रामीणों को लंबे समय से सरकारी योजनाओं की जानकारी समय पर नहीं मिल पाती थी। आवागमन की कठिन परिस्थितियों और मोबाइल नेटवर्क नहीं होने के कारण कई पात्र लोग योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते थे। इसी स्थिति को देखते हुए संस्था के कार्यकर्ता जंगलों और पहाड़ी रास्तों से होकर गांव पहुंचे और ग्रामीणों को एकत्रित किया। नेटवर्क की समस्या के कारण ग्रामीणों को पहाड़ी के उस स्थान तक ले जाया गया, जहां थोड़ी बहुत नेटवर्क उपलब्ध थी। वहां पहुंचकर पात्र लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें योजनाओं से जोड़ा गया। संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि छोटानागपुर कल्याण निकेतन का उद्देश्य दूर-दराज के ऐसे गांवों तक पहुंचकर जरूरतमंद और पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना है, ताकि कोई भी व्यक्ति सरकारी लाभ से वंचित न रहे। संस्था आगे भी इस प्रकार के प्रयास जारी रखकर अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य करती रहेगी।

सिल्ली छाता टांड़ में 5 दिवसीय श्रीमद भागवत कथा सह वैदिक सांस्कृतिक उत्सव 17 से

सिल्ली : सिल्ली के छाता टांड़ में इस्कॉन अनुमोदित हरे कृष्ण नामहट्ट संघ सिल्ली-मुरी के तत्वावधान में आगामी 17 से 21 मार्च तक श्रीमद भागवत कथा सह वैदिक सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर कीर्तन, श्रीमद भागवत कथा, वैदिक नाटिका एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। कार्यक्रम में कथा वाचक इस्कॉन चौपाटी मुंबई के शिवराम दास ब्रह्मचारी, झारखंड एवं पुरुलिया और बांकुड़ा जिला नामहट्ट प्रचारक श्रीवास चरण दास ब्रह्मचारी इसके अलावे मायापुर के नित्यानंद किंकर दास ब्रह्मचारी, वृंदावन धाम के प्राण जीवन चैतन्य दास ब्रह्मचारी एवं विष्णु दास ब्रह्मचारी, रांची के गोविंद दास ब्रहचारी एवं विश्वरेता दास प्रभु शामिल होंगे। नामहट्ट संघ सिल्ली के बल्लभ निताई दास उर्फ बुद्ध देव कुशवाहा ने इसकी जानकारी देते हुए आम जनों को कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

रात के खाने में ना खाएं दही

हम सभी जानते हैं कि दही खाना सेहत के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही एक सुपर फूड है, जिसे हर दिन खाया जा सकता है और यह सेहत को सिर्फ एक नहीं अनेक तरीकों से लाभ पहुंचाती है। पाचन से लेकर त्वचा और बाल सबको हेल्दी रखती है। इस विषय पर नए सिरे से बात करने की जरूरत नहीं है। आज हम इस विषय पर बात करेंगे कि आखिर रात के खाने में दही खाने को क्यों मना किया जाता है.

लाभकारी दही हानि क्यों करने लगती है?

- आपने अपने पैरंट्स से अक्सर सुना होगा कि रात के समय दही या दही से बना रायता नहीं खाना चाहिए। लेकिन आज कल शादी-पार्टीज में यह ट्रेंड है कि आप रात के 12 बजे भी डिनर ले रहे होंगे तो आपको रायता जरूर मिलेगा खाने में.। खैर, सर्व करनेवाले तो सर्व करते है। यह तो आपको निर्णय लेना है कि रात में रायता या दही खाकर आप बीमार पड़ना चाहते हैं या नहीं।
- दही पाचनतंत्र को ऊर्जा देने का काम करती है। साथ ही हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। लेकिन यदि दही का सेवन रात में किया जा तो पाचनतंत्र भी डिस्टर्ब होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है।

पाचकाग्नि को मंद हो जाती है

- अब आपके मन में यह सवाल आ रहा होगा कि आखिर रात में दही खाने पर ऐसा क्या हो जाता है? तो जान लीजिए कि रात को दही खाने पर पाचनतंत्र मंद हो जाता है। आयुर्वेद की भाषा में बात करें तो जठराग्नि मंद हो जाती है और शरीर की वायु कुपित हो जाती है। इस कारण रात में दही का सेवन करने पर हाथ, पैर, सिर, कमर या शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की समस्या हो सकती है।

जुकाम लगा सकती है दही

- इसके साथ ही दही खाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता पर इस लिए बुरा असर पड़ता है, क्योंकि दही तासीर में ठंडी होती है। यदि रात में दही खाई जाती है तो शरीर में कफ की मात्रा में वृद्धि हो सकती है। इससे गले में दर्द, खराश, बलगम वाली खांसी, सिर में भारीपन, जुकाम आदि की समस्या हो सकती है।

जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है

- जिन लोगों को जोड़ों के दर्द की शिकायत होती है यदि वे लोग रात के समय दही खाना शुरू कर दें तो यकीन मानिए कि जल्द ही ऐसा समय आएगा जब उनके जोड़ों का दर्द इस कदर बढ़ जाएगा कि दिन-रात का चैन खो सकता है।

सो नहीं पाते ऐसे लोग

- जिन लोगों को अस्थमा की शिकायत है, उन्हें रात के समय भूल से भी दही का सेवन नहीं करना चाहिए। नहीं रात के समय अस्थमा अटैक के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है। हालांकि सभी लोगों को इस बात की जानकारी भी होनी चाहिए खट्टी दही और मीठी दही दोनों के शरीर पर अलग-अलग प्रभाव होते हैं। लेकिन रात के समय आपको किसी भी प्रकार की दही लेने से बचना चाहिए।

आ सकता है बुखार

- रात के समय दही खाना आपको बुखार आने का कारण भी बन सकता है। इसकी वजह ऊपर बताए गए कारणों को मिलाकर तैयार हो जाती है। क्योंकि शरीर में पित्त और वायु का कुपित होना, जुकाम लगना, शरीर में दर्द होना जैसी समस्याएं शरीर के सामान्य तापमान को स्थिर नहीं रहने देती हैं। इससे बुखार आने की समस्या हो सकती है।

रात को दही खाने से बढ़ती है सूजन

- रात को दही खाने से शरीर में सूजन बढ़ने की समस्या बढ़ सकती है। क्योंकि रात में दही का सेवन करने से पित्त की मात्रा में बढ़ोतरी हो सकती है, जो आपके शरीर में सूजन बढ़ाने का काम करेगा।
- अगर आपके शरीर में सूजन की समस्या पहले से है या कोई चोट लगी हुई है तो रात के समय दही खाना आपके शरीर को अंदर से कमजोर करने का काम करेगा। इससे आपके शरीर में दर्द और पीड़ा कई गुना बढ़ सकती है।

जरूरी नहीं अगले दिन ही दिखे रिजल्ट

- अगर आपको लगता है कि आपने तो रात को दही खाई थी, आपको तो कोई समस्या नहीं हुई। तो यह जरूरी नहीं है कि आपने रात में दही खाई है तो अगले दिन सुबह के समय ही आपके शरीर में बीमारी के लक्षण दिखने लगेंगे। ये लक्षण दिन में किसी समय, अगली रात में या एक-दो दिन बाद भी नजर आ सकते हैं।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हर किसी की रोग प्रतिरोधक क्षमता अलग-अलग होती है। एक तरफ जहां किसी में एक बार रात को दही खाने के बाद कुछ ही घंटे में तबीयत खराब हो सकती है तो किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में इसका असर 3 दिन बाद भी दिख सकता है।

खून के थक्के बनने से रोकने की दवा लेते हैं तो न खाएं हरा साग

हरा साग जैसे पालक क्लॉटिंग रोकने वाली वार्फरिन या कुमारिन दवाओं के असर को काफी हद तक कर देता है बेअसर इसलिए ऐसे लोग जो इन दवाओं को प्रयोग करते हैं उन्हें सलाह दी जाती है कि हरा साग न खाएं।

जिन रोगियों में खून के असामान्य थक्कों के बनने और खून जमने की समस्या होती है, उन्हें एक विशेष दवा के सेवन के कारण कई बार हरा साग खाने से मना किया जाता है। यह दवा वार्फरिन है। यह और इसके जैसी अनेक दवाएं, जिन्हें कुमारिन-परिवार की दवाएं कहते हैं, विटमिन-के का प्रतिरोध करती हैं। इम्यूनोलॉजिस्ट एवं यूमैटॉलजिस्ट कहते हैं, विटमिन-के का काम खून की क्लॉटिंग से होता है। यह विटमिन यकृत में जमा होता है और इसी कारण हमारा खून सही ढंग से जमता है। यह विटमिन शरीर में क्लॉटिंग फैक्टरों का निर्माण करता है। विटमिन-ख न हो तो न जाने कितने ही लोगों की रक्तस्राव से मौत हो जाए, लेकिन फिर अनेक रोगियों में खून का जमना हानिकारक हो जाता है। मान लीजिए किसी रोगी में हृदयवॉल्व की सर्जरी हुई है या उसे कोई ऐसा रोग है, जिसमें खून बार-बार और जल्दी-जल्दी जमा करता है। ऐसे में अगर विटमिन-के का प्रतिरोध न किया गया, तो फिर खून का लगातार जमना हानिकारक या कभी-कभी जानलेवा साबित होगा। इसलिए ऐसे रोगियों में खून को पतला करने वाली दवाएं चलाई जाती हैं। इन्हीं दवाओं में कुमारिन-परिवार की सदस्य दवाएं भी शामिल हैं, जिनमें वार्फरिन प्रमुख है। हरा साग विटमिन-के का प्रमुख स्रोत है। इसे खाने से शरीर को विटमिन-ख की प्राप्ति होती है। लेकिन फिर जिन रोगियों को विटमिन-ख नहीं चाहिए या जिनके लिए विटामिन-के की प्रचुरता हानिकारक है, वे क्या करें? वह ब्लड की क्लॉटिंग (स्तम्भन) को रोकने के लिए वार्फरिन जैसी दवाओं पर निर्भर रहते हैं। और हरे साग का सेवन वार्फरिन को समुचित कार्य करने से रोकेगा।

आयरन की गोलियां खाएं

इसलिए डॉक्टर की सलाह होती है कि अगर आप वार्फरिन या अन्य कुमारिन-दवाएं खाते हैं, तो हरा साग कम-से कम खाएं या न खाएं। हां, यह जरूर है कि ऐसा करने से आपको आवश्यक आयरन नहीं मिलेगा और अनीमिया की आशंका बढ़ जाएगी, लेकिन ऐसी परिस्थिति में वार्फरिन के साथ हरे साग की बजाय आयरन की गोलियों का सेवन कहीं बेहतर है।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से हो सकते हैं मानसिक दिव्यांगता का शिकार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से ऑटिज्म जैसी मानसिक दिव्यांगता विकसित हो सकती है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। ऑटिज्म के मरीज न तो अपनी बात ठीक से कह पाता है ना ही दूसरों की बात समझ पाता है और न उनसे संवाद स्थापित कर सकता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते भांप लिया जाए, तो काबू पाया जा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के धीमे मानसिक व शारीरिक विकास से जुड़ी इस बीमारी के लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय, मैसाचुएट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल और ऑटिज्म के संबंध के बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑटिज्म के सबटाइप वाली एक बीमारी उन्हीं अनुवांशिक तत्वों से होती है जो शरीर में कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिज्म और मस्तिष्क विकास को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के नमूनों के डीएनए अध्ययन से पाया कि लिपिड डायफंक्शन और ऑटिज्म के बीच साझा आणुविक जड़ें होती हैं। फिर वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म पीड़ित लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन करके इस बात की पुष्टि की। लिपिड जीवित कोशिकाओं में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो एल्कोहल में घुलनशील है। अध्ययनकर्ता इसहाक कोहेन का कहना है कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि यह बहुत जटिल बीमारी है और इसके विभिन्न प्रकार अलग-अलग कारणों से उत्पन्न होते हैं।

खर्राटों की समस्या से निजात दिलाएगा चुंबक

अगर आपको भी खर्राटे लेने की समस्या है तो आपके लिए एक खुशखबरी है। माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चुंबक की मदद से एक ऐसा उपकरण बनाया है जो खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है। दो चंबुकों के खींचने की क्षमता की मदद से हवा की नली को रात में सोने के दौरान खुला रखकर खर्राटों की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

इस समस्या से दुनियाभर में लाखों लोग जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण रात को सोते वक्त हवा की नली संकरी हो जाती है और सांस लेने में अवरोध पैदा होता है। इसके लक्षणों में खर्राटे लेना और मुंह से अजीब आवाजें निकालना भी शामिल है। यह बीमारी 40 साल की उम्र से ऊपर के पुरुषों में ज्यादा होती है। मोटापा, शराब की लत और धूम्रपान इसके जोखिम कारक हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मैग्नेटिक एपनोइया प्रीवेंशन (मैगनैप) उपकरण में उस तरह के चुंबक का इस्तेमाल होता है जो कंप्यूटर हार्ड ड्राइव और साइकिल के डायनेमो में पाए जाते हैं। यह उपकरण सांस की नली को खुला रखने में मदद करता है। चुंबक में एक क्षरण-प्रूफ टाइटेनियम कोटिंग है और यह दावा किया जाता है कि इन्हें एक बार प्रतिरोपित करने के बाद सालों तक सुरक्षित रूप से शरीर में छोड़ा जा सकता है।

इस उपकरण का आकार पचास पैसे के सिक्के के जितना है और इसे सर्जरी के द्वारा गले के हायोड बोन में फिट किया जा सकता है। यह हड्डी जीभ के ठीक नीचे गले में होती है। इस चुंबक को फिट करने की सर्जरी को करने में एक घंटे का समय लगेगा। सर्जरी के चार हफ्ते के बाद एक और चुंबक गले में लगाया जाएगा।

यह दूसरा चुंबक पहले से गले में लगाए गए चुंबक को आकर्षित करेगा जिससे एक हल्का खिंचाव तैयार होगा और हवा की नली खुल जाएगी। मरीज के गले और हवा की नली के आकार के अनुसार विभिन्न आकार के चुंबकों का प्रयोग किया जा सकेगा। अब तक माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में छह लोगों के गले में इस उपकरण को प्रतिरोपित किया गया है। उनकी निगरानी की जा रही है ताकि इस उपकरण की उपयोगिता का पता लगाया जा सके।

दिल का रखेंगे ध्यान ब्रोकली और पत्तागोभी

क्या आपको भी ब्रोकली, पत्तागोभी और ब्रसल्स स्प्राउट जैसी सब्जियां अच्छी नहीं लगतीं। अगर आप भी इन सब्जियों को खाने से परहेज करते हैं तो आप अनजाने में दिल की बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। एक हालिया शोध के अनुसार ये सब्जियां रक्त धमनियों और वाहिकाओं की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती हैं। रक्त धमनियों में अवरोध पैदा होने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में पाया गया कि पत्तेदार हरी सब्जियों जैसे ब्रोकली, ब्रसल्स स्प्राउट और पत्तागोभी का सेवन करने का संबंध बुजुर्गों में रक्त वाहिकाओं की बीमारियों के कम जोखिम के साथ था। ईसीयू स्कूल ऑफ मेडिसिन और द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने 684 बुजुर्ग महिलाओं पर अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि जिन महिलाओं ने ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनकी महाधमनी में कैल्शियम के जमाव का खतरा कम पाया गया। यह रक्त वाहिकाओं में होने वाली बीमारियों का पहला संकेत होता है।

हार्ट अटैक हो सकता है

रक्त वाहिकाओं की बीमारियां धमनियों और नसों को प्रभावित करती हैं। धमनियों और नसों में कैल्शियम का जमाव होने से रक्त के प्रवाह में बाधा आती है जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

ब्रोकली और स्प्राउट है बेहद फायदेमंद

प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर लाउरेन ब्लेकिनहोरस्ट ने कहा, हरी पत्तेदर सब्जियों के बारे में कुछ पेचीदा था, जिस पर इस अध्ययन ने अधिक प्रकाश डाला है। हमारे पूर्व शोधों में हमने पाया कि जिन लोगों ने हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनमें दिल संबंधी बीमारियों और घटनाएं जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम पाया गया। हमारे शोध से हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदों के बारे में पता चलता है। बुजुर्गावस्था में ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से धमनियां स्वस्थ रहती हैं और इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।

विटामिन-के मौजूद होता है

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी में बड़ी मात्रा में विटामिन- के मौजूद होता है। विटामिन-के रक्त वाहिकाओं में कैल्शियम के जमाव को रोकने का काम करता है।

रोजाना सब्जी खाना जरूरी

डॉक्टर ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा कि इस अध्ययन में जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 45 ग्राम से अधिक सब्जियों का सेवन किया (जैसे एक कप उबली हुई ब्रोकली या एक कप पत्ता गोभी) उनकर महाधमनी में कैल्शियम के व्यापक जमाव की आशंका 46 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना रोजाना सब्जी नहीं खाने वाले लोगों से की गई। ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी का ही सेवन नहीं करना चाहिए बल्कि सभी प्रकार की मौसमी सब्जियां खानी चाहिए।

रोजाना कितनी सब्जी खाएं

- रोज सलाद के रूप में 80 ग्राम कच्ची सब्जी का सेवन करना चाहिए।
- प्रतिदिन 80 ग्राम पकी हुई सब्जी का सेवन करने की सलाह।
- प्रतिदिन 125 मिलीलीटर सब्जी के जूस का सेवन करना चाहिए।

घुटने का दर्द हो जाएगा छूमंतर ट्राय करें यह देसी नुस्खा

बढ़ती उम्र और डेली रूटीन में अलग-अलग स्थितियों के कारण हमारे शरीर में अलग-अलग प्रकार के बदलाव होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं भी शरीर को अपना शिकार बनाती हैं जिनमें घुटनों का दर्द भी प्रमुख रूप से गिना जाता है। घुटने के दर्द की समस्या ज्यादातर बुजुर्गों को परेशान करती है वहीं खेलकूद से जुड़े लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए यहां पर एक देसी नुस्खे के बारे में बताया जा रहा है जो उनके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कारगर रूप से कार्य कर सकता है। आइए इस देसी नुस्खे के बारे में आपको पूरी जानकारी देते हैं।

क्यों होता है घुटनों में दर्द?

इस देसी नुस्खे को जानने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि आपके पैरों में होने वाले दर्द का प्रमुख कारण क्या होता है? मुख्य रूप से अगर बात की जाए तो घुटनों में होने वाला दर्द टेंडइनाइटिस, गाउट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, बेकर्स सिस्ट, बर्साइटिस जैसी मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसके अलावा खेलकूद के दौरान लगने वाली चोट या फिर किसी दुर्घटना में गिरने के कारण भी घुटनों में दर्द की समस्या हो सकती है। नीचे आपको ऐसे दो खास देसी नुस्खे बताए जा रहे हैं जो सामान्य रूप से घुटने में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने के लिए आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब के सिरके का करें सेवन

सेब के सिरके में ऐसे कई औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जो आपकी सेहत के लिए भी प्रभावी रूप से फायदेमंद साबित होते हैं। एक चम्मच सेब के सिरके को अगर आप गर्म पानी के साथ मिलाकर पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो इसमें मौजूद पेन रिलीविंग गुण आपके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए प्रभावी असर दिखा सकता है। आप इस तरह सेब के सिरके का दिन में दो बार सेवन कर सकते हैं। कोशिश करें कि खाना खाने के पहले इसका सेवन करें।

नींबू और तिल के तेल का इस्तेमाल

एक नींबू लें और उसे काटकर रस निकाल लें। अब दो चम्मच तिल के तेल में नींबू के रस को मिलाएं और हल्के हाथों अपने घुटनों पर इस मिश्रण की मालिश करें। रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद यानी मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले आप इस देसी नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं। नींबू में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण घुटनों में होने वाली सूजन को कम कर के दर्द को दूर कर सकता है।

एक बात का ध्यान रखें कि गंभीर मेडिकल कंडीशन होने के कारण आपको इस देसी नुस्खे का कोई खास फायदा नहीं मिलेगा और आपको मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत भी पड़ेगी।

टी20 विश्व कप के बाद गौतम गंभीर ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में टेका माथा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब गए और माथा टेका। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड पर 96 रन की शानदार जीत के बाद भारत ने रिकॉर्ड तीसरा पुरुष टी20 वर्ल्ड कप टाइटल जीतकर इतिहास रच दिया और टाइटल बचाने और इसे अपने देश में जीतने वाली पहली टीम बन गई।

उनका यह दौरा पूर्व भारतीय क्रिकेटर और TMC MP कीर्ति आजाद की आलोचनाओं के बीच हुआ है जिन्होंने रविवार को अहमदाबाद में टीम की जीत के बाद टी20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी को मंदिर ले जाने के लिए गंभीर समेत भारतीय लीडरशिप की आलोचना की थी। आजाद के कमेंट्स पर रिएक्ट करते हुए गंभीर ने कहा, 'लगता है कि इस सवाल का जवाब देना भी सही नहीं है। यह पूरे देश के लिए एक बड़ा पल है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह जरूरी है कि हम वर्ल्ड कप जीत का जश्न मनाएं और इसीलिए मैं कुछ बातें कहता हूं; कुछ बातों को उठाने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि ये बातें सिर्फ आपकी कामयाबी को कमजोर करेंगी। अगर आप उन 15 खिलाड़ियों की कामयाबी और उनकी कोशिशों को कमजोर करना चाहते हैं जो लड़कों के साथ सही नहीं है। अगर आप ऐसा बयान देते हैं, तो आप सचमुच अपने ही खिलाड़ियों और अपनी ही टीम को नीचा दिखा रहे हैं, जो नहीं किया जाना चाहिए।'

कीर्ति ने इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा कि कोई खिलाड़ी या खेल किसी धर्म या जाति का नहीं होता। कीर्ति आजाद ने कहा था, 'जब टीम इंडिया जीती जिसमें सभी धर्मों के लोग शामिल थे, तो 140 करोड़ लोग उत्साहित थे। एक खिलाड़ी या खेल किसी धर्म या जाति से नहीं बल्कि सिर्फ खेल से जुड़ा होता है। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं कहता हूं कि टीम इंडिया ने भारत को जिताया। टीम इंडिया जीती, और यह भारत के लोगों के लिए गर्व की बात है।'

भारत के हेड कोच के तौर पर गंभीर के पास अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025, एशिया कप 2025, और ञ20 वर्ल्ड कप 2026 के टाइटल हैं, साथ ही कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के मेंटर के तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का टाइटल भी है। अपने खेलने

के दिनों में टी20 वर्ल्ड कप, 50 ओवर का वर्ल्ड कप, एशिया कप और IPL जीतने के बाद दिल्ली में जन्मे इस खिलाड़ी ने अपने लिए कामयाबियों की एक लंबी लिस्ट बनाई है।

सूर्यकुमार ने अभिषेक से कहा था, 8 बार शून्य पर आउट हुआ तो भी पारी शुरु करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर मुश्किल दौर से गुजर रहे खिलाड़ियों का बचाव करते रहे हैं। इसी का परिणाम है कि टीम को खिताबी जीत मिल रही है। टी20 विश्कप में सूर्या ने खराब दौर से गुजर रहे युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का हौंसला बढ़ाया था। अभिषेक तीन मैच में लगातार शून्य पर आउट होने के कारण भारी दबाव में थे और उन्हें बाहर किये जाने की मांग उठ रही थी पर सूर्यकुमार ने किसी भी बात पर ध्यान नहीं दिया। इसी कारण अभिषेक ने फाइनल में 18 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। सूर्यकुमार के अनुसार उन्होंने इस बल्लेबाज से कहा था कि कि अगर वह 9 में से 8 मैचों में भी खाता नहीं खोल पाएगा तो भी उसे फाइनल में पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाएगा। इसी कारण अभिषेक का आत्मविश्वास बना रहा और वह निडर होकर फाइनल खेलने उतरे।

अभिषेक के लिए टूर्नामेंट की शुरुआत खराब रही थी। शुरुआत में पेट दर्द के कारण वह पहले मैच से बाहर रहे। इसके बाद के मैचों में वह तीन बार शून्य पर आउट हुए। इसी कारण पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने भी उन्हें फाइनल से बाहर करने को कहा था। गावस्कर का कहना था कि अभिषेक अपनी गलतियों से नहीं सीख रहे हैं और एक ही गलती को दोहरा रहे हैं। हालांकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिर भी उन्हें फाइनल में मौका दिया और अभिषेक ने उनके भरोसे को सही साबित करते हुए 18 गेंदों में ही टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया था।सूर्यकुमार ने कहा, ÷मैंने उससे कहा था, 'इस विश्व कप में 9 गेम हैं, भले ही आप उनमें से आठ में विफल हो जाएं, फिर भी मैं गारंटी लेता हूं कि आप फाइनल में पहली गेंद खेलोगे।'

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमे सुरक्षित रवाना : आईसीसी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने गुरुवार को कहा कि पुरुष टी-20 विश्वकप अभियान समाप्त होने के बाद दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमें और उनके सहयोगी सदस्य सुरक्षित स्वदेश रवाना हो गई है। आईसीसी ने आज जानकारी दी है कि दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज टीम के सभी खिलाड़ी और उनके सहयोगी स्टाफ के सदस्य पूरी तरह से अपने घरों के लिए रवाना हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में, दक्षिण अफ्रीका के बाकी 29 सदस्य और वेस्टइंडीज के आखिरी 16 सदस्य अपने-अपने देशों के लिए उड़ान से रवान हो गये हैं, जिससे एक मुश्किल अभियान खत्म हो गया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण हमने ऑपरेशनल दिक्कतों से निपटने के लिए सरकारों, एयरलाइंस, चार्टर प्रोवाइडर्स, एयरपोर्ट अथॉरिटीज और हमारे मेंबर बोर्ड्स के साथ लगातार काम किया है।

बाकी सभी खिलाड़ियों और स्टाफ के लिए आगे की सुरक्षित यात्रा पक्की करना हमारा एकमात्र मकसद था और हालात बदलने के साथ-साथ इसमें लगातार बदलाव करने की जरूरत पड़ी। आईसीसी ने कहा कि हम क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका, क्रिकेट वेस्टइंडीज और उनकी पूरी टीम को इस पूरे प्रोसेस में उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद देते हैं। इसके अलावा आईसीसी स्टाफ को भी धन्यवाद देते हैं जिन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत मेहनत की कि सभी खिलाड़ी, स्टाफ और उनके परिवार सुरक्षित घर पहुंच सकें।

टी20 वर्ल्ड कप : 'बैट उठाया, पानी पिलाया..', मोहम्मद सिराज के बयान ने जीता दिल, टीम स्पिरिट की दी मिसाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद पूरा देश जश्न में डूबा हुआ है। इस ऐतिहासिक जीत के बीच टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपने मजाकिया अंदाज और शानदार टीम भावना से फैंस का दिल जीत लिया। प्लेइंग इलेवन का नियमित हिस्सा न होने के बावजूद सिराज ने टीम की सफलता को सबसे ऊपर रखा और अपने बयान से बता दिया कि असली टीम मैन किसे कहते हैं।

मोहम्मद सिराज का मजाकिया जवाब हुआ वायरल

टीम इंडिया की जीत के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बातचीत के दौरान सिराज से पूछा गया कि प्लेइंग इलेवन से बाहर रहना निराशाजनक होता है, ऐसे में टीम की जीत में उनकी क्या भूमिका रही?

इस पर सिराज ने हंसते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, 'हम दोनों का बहुत बड़ा रोल था... बाहर बैठकर बैक टू बैक पानी पिलाना और बैट उठाना।' सिराज की यह बात सुनकर उनके साथ खड़े कुलदीप यादव भी जोर-जोर से हंसने लगे। सिराज का यह सेल्फ-रोस्ट वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस उनकी सादगी और टीम भावना की खूब तारीफ कर रहे हैं।

सिराज बोले- व्यक्ति नहीं, टीम सबसे बड़ी

मजाक के बाद सिराज ने टीम स्पिरिट पर बेहद अहम बात भी कही। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी मैदान पर खेलना चाहता है, लेकिन अगर टीम कॉम्बिनेशन के कारण बाहर बैठना पड़े तो उसे भी सकारात्मक तरीके से लेना चाहिए।

सिराज ने कहा, 'नेट में गेंदबाजी करना और ड्रेसिंग रूम का माहौल पॉजिटिव रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। कोई खिलाड़ी बड़ा नहीं होता, टीम सबसे बड़ी होती है।' उन्होंने यह भी कहा कि इस वर्ल्ड कप जीत को वह भगवान की स्क्रिप्ट मानते हैं, क्योंकि शुरुआत में उन्हें टीम में मौका नहीं मिला था और बाद में अचानक कॉल आया।

वर्ल्ड कप में सिराज और कुलदीप का प्रदर्शन

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मोहम्मद सिराज को सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला। USA के खिलाफ खेले गए उस मुकाबले में सिराज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 29 रन देकर 3 विकेट झटके थे। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव ने भी टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच खेला, जो चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ था। उस मुकाबले में उन्होंने 1 विकेट हासिल किया था।

भले ही ये दोनों खिलाड़ी नियमित रूप से प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे, लेकिन टीम के लिए उनकी मौजूदगी और सपोर्ट ने ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाई।

'द हंड्रेड' में भारतीय महिला क्रिकेटर छायी रहीं

लंदन । इंग्लैंड में 'द हंड्रेड' महिला क्रिकेट लीग के लिए हुई नीलामी में स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा सहित कई भारतीय महिला क्रिकेटर छायी रहीं। वहीं किसी भी फेंचाइजी ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर बोली नहीं लगायी । इस लीग में नीलामी के लिए पाक की बाएं हाथ की बल्लेबाज मुनीबा अली, तेज गेंदबाज डायना बेग, लेफ्ट-आर्म स्पिनर सादिया इकबाल और पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने अपना नाम दर्ज कराया था । इन चारों ही पाक क्रिकेटरों ने 15000 पाउंड के आधारमूल्य के साथ ही अपना नाम नीलामी में दर्ज कराया था । इस चारों में से केवल फातिमा सना और सादिया ही फाइनल नीलामी तक पहुंची थीं। वहीं इससे पहले कहा जा रहा था कि आईपीएल मालिकों वाली 'द हंड्रेड' टीमें शायद ही पाक खिलाड़ियों को शामिल करेंगी। इसके बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा था कि किसी भी देश के खिलाड़ियों से भेदभाव नहीं किया जाएगा। साथ ही कहा था कि चयन केवल प्रदर्शन, उपलब्धता और टीम की जरूरत को देखकर किया जाएगा।

हार्दिक को पीठ पर तिरंगा बांधकर जश्न मनाना भारी पड़ा, वकील ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करायी

पुणे । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टी20 विश्वकप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की जीत के बाद अपनी गर्लफ्रेंड महिका शर्मा के साथ जश्न मानना भारी पड़ है। हार्दिक जश्न के दौरान पीठ पर तिरंगा झंडा बांधे हुए थे और महिका के साथ अलग-अलग अंदाज में पोज दे रहे थे । इसी को लेकर एक वकील ने वाजिद खान ने पंड्या के खिलाफ राष्ट्रध्वज की गरिमा को ठेस पहुंचाने की शिकायल दर्ज करायी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भारतीय टीम की जीत के बाद सभी खिलाड़ी खुशी मना रहे थे । इस दौरान सभी तस्वीरें भी खिंचा रहे थे। इसी दौरान हार्दिक और उनकी गर्लफ्रेंड महिका की हरकतों पर शिकायतकर्ता वकील ने आपति जतायी है। उनका कहना है कि पंड्या जश्न मनाते हुए अपनी गर्लफ्रेंड के साथ नाच रहे थे जबकि उनकी पीठ पर राष्ट्रीय ध्वज बंधा हुआ था। वहीं राष्ट्रीय ध्वज अधिनियम के अनुसार, हमें राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा का सम्मान करना चाहिए पर हार्दिक अपनी जीत के जश्न में इतने डूब गये थे कि वे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ राष्ट्रीय ध्वज बांधकर मैदान में लेटे नजर आये। जो राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है। गौरतब है कि वाजिद के अलावा कई और लोगों ने भी हार्दिक और महिका की हरकतों को देखते हुए सोशल मीडिया पर इन दोनो को फटकारा है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार महिका के कारण ही हार्दिक पंड्या और उनके बड़े भाई क्रुणाल पंड्या के बीच मतभेद पैदा हो गये हैं। इसी कारण क्रुणाल न तो फाइनल देखने स्टेडियम पहुंचे थे और न ही उन्होंने उन्हें सोशल मीडिया पर ही बधाई दी । हार्दिक का अपनी पहली पत्नी और सर्बियाई मॉडल नताशा स्टानकोविक से तलाक को गया है । उसके बाद महिका उनकी जिंदगी में आयीं।

विश्व कप में जगह बनाने के बाद भारतीय महिला टीम की नजरें एफआईएच क्वालीफायर जीतने पर

हैदराबाद (एजेंसी)। विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें अब एफआईएच विश्व कप क्वालीफायर जीतने पर लगी है और इसके लिये शुक्रवार को इटली के खिलाफ सेमीफाइनल जीतना पहला कदम होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम पूल बी में तीन मैचों में सात अंक लेकर शीर्ष पर रही। स्कॉटलैंड के भी सात अंक थे लेकिन गोल औसत में पिछड़ने के कारण वह दूसरे स्थान पर है।

भारत ने पूल चरण में दो मैच जीते और एक ड्रॉ खेला। इटली पूल ए में दूसरे स्थान पर रही जिसने एक मैच जीता, एक ड्रॉ खेला और एक गंवाया। भारत के लिए फॉरवर्ड नवनीत कौर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है जो अब तक चार गोल कर चुकी हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक लगाई थी। इटली की उम्मीदें फेडरिका कार्टा पर टिकी होंगी जो अब तक तीन गोल कर चुकी है। कागजों पर भारत का पलड़ा भारी लग रहा है।

आमने सामने के मुकाबलों में दोनों टीमें 2012 से अब तक एक दूसरे के खिलाफ सात बार खेली हैं जिनमें से पांच भारत ने जीते, एक इटली ने और एक मैच ड्रॉ रहा। भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 में जगह बनाना इस टीम के लिये बड़ी उपलब्धि है। खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह काबिले तारीफ है।'

उन्होंने कहा, 'हम यहां सिर्फ क्वालीफाई करने नहीं आए हैं। हम मैच दर मैच प्रदर्शन में सुधार करके टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं। सेमीफाइनल एक और बड़ी चुनौती है और हम पूरे फोकस के साथ खेलेंगे।' मारिन ने कहा, 'इटली काफी प्रतिस्पर्धी टीम है और मजबूत टीमों को चुनौती देने में सक्षम है। हमारा फोकस रणनीति पर अमल पर रहेगा और इसी ऊर्जा तथा आत्मविश्वास के साथ खेलना चाहेंगे।' एफआईएच महिला और पुरूष विश्व कप नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक खेला जाएगा।

आईपीएल में शामिल होने विदेशी खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं रहेगा भारत पहुंचना

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम तो घोषित कर दिया है पर उसके लिए टूर्नामेंट का आयोजन काफी कठिन हो सकता है । इसका कारण ये है कि मध्यपूर्व में जारी युद्ध के कारण कई देशों के खिलाड़ियों के लिए आईपीएल टीमों से जुड़ना कठिन हो जाएगा । अमेरिका और इजरायल के ईरान पर किए गए हमले का असर अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा पर पड़ा है जिससे दोहा और दुबई एयरपोर्ट से कई उड़ानें बाधित हुई हैं । इसी कारण दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम के कुछ खिलाड़ी टी20 विश्व कप के बाद भी भारत में फंसे रहे थे । ऐसे में अब आईपीएल की सभी टीमों में शामिल इन देशों के खिलाड़ियों के लिए भारत आना आसान नहीं होगा । बोर्ड के एक अधिकारी ने भी माना है कि उन्हें समय पर वापस भारत लाना मुश्किल काम होगा । साथ ही कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से हवाई किराए काफी बढ़ गए हैं । पहला मैच जहां आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद । वहीं दूसरा मैच मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच वानखेड़े स्टेडियम में होगा. बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, सत्र के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बेंगलुरु में पांच और रायपुर में दो घरेलू मैच खेलेगी । पंजाब किंग्स की टीम न्यू चंडीगढ़ में चार और धर्मशाला में तीन घरेलू मैच खेलेगी जबकि राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में तीन और जयपुर में चार घरेलू मैच खेलेगी । बीसीसीआई ने कहा, इस दौरान (पहले 16 दिन) टूर्नामेंट में चार ही डबल-हेडर होंगे।

जैक ड्रेपर ने पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को हराया, क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

इंडियन वेल्स (अमेरिका) (एजेंसी) । मौजूदा चैंपियन जैक ड्रेपर ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को 4-6, 6-4, 7-6 (5) से हराया । हाथ की चोट के कारण आठ महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले 24 वर्षीय ड्रेपर इस जीत से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं जहां उनका मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से पराजित किया । तीसरे सेट में जोकोविच 6-5 से आगे थे, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और ड्रेपर ने वापसी करते हुए मैच को टाईब्रेकर तक पहुंचा दिया । ड्रेपर ने मैच के बाद कहा, 'मुझे अब भी ऐसा नहीं लगता कि मैं उस तरह से खेल रहा हूं जैसा मैं खेलना चाहता हूं । लेकिन मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।' रिकॉर्ड 24 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन 38 वर्षीय जोकोविच ने 2008, 2011, 2014, 2015 और 2016 में इंडियन वेल्स में खिताब जीता था । जोकोविच इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना 11वां खिताब जीतने के करीब पहुंच गए थे, लेकिन फाइनल में कार्लोस अल्काराज़ से हार गए थे ।

युवराज सिंह को टीम से बाहर करने में एमएस धोनी का हाथ था? पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने बता दिया सच

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चयनकर्ता संदीप पाटिल ने एक लंबे समय से चल रहे विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महेन्द्र सिंह धोनी का युवराज सिंह को भारतीय टीम से बाहर करने के फैसले में कभी कोई हाथ नहीं था। पाटिल ने बताया कि अपने चयनकर्ता कार्यकाल के दौरान उन्होंने कभी भी धोनी को युवराज को ड्रॉप करने की मांग करते नहीं सुना। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब युवराज के पिता लगातार धोनी पर आरोप लगाते रहे हैं।

चयन बैठकों में कभी नहीं उठी ऐसी मांग

संदीप पाटिल ने एक इंटरव्यू में कहा कि चयन समिति की बैठकों, विदेशी दौरों या मैचों के दौरान कभी भी धोनी ने युवराज सिंह को टीम से बाहर करने की बात नहीं कही। उन्होंने कहा कि वह इस बात को पूरी जिम्मेदारी के साथ रिकॉर्ड पर कह सकते हैं कि धोनी ने ऐसा कोई सुझाव या दबाव नहीं बनाया। पाटिल के अनुसार, धोनी का चयन प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का स्वभाव भी नहीं था और वह चयन समिति के फैसलों का सम्मान करते थे।

धोनी को था चयन समिति पर पूरा भरोसा

पाटिल ने आगे कहा कि धोनी हमेशा चयनकर्ताओं के निर्णयों का सम्मान करते थे। उन्होंने बताया कि टीम के कप्तान के तौर पर धोनी को चयन समिति की कार्यप्रणाली पर पूरा भरोसा था और वह आमतौर पर टीम चयन के मामलों में ज्यादा दखल नहीं देते थे। इस बयान से यह साफ संकेत मिलता है कि युवराज सिंह को टीम से बाहर करने का फैसला चयनकर्ताओं की रणनीति और उस समय के प्रदर्शन के आधार पर लिया गया होगा।

योगराज सिंह लगातार लगाते रहे हैं आरोप

दूसरी ओर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह कई बार सार्वजनिक रूप से धोनी को अपने बेटे के करियर में गिरावट के लिए जिम्मेदार ठहरा चुके हैं। योगराज ने कई इंटरव्यू में यह कहा कि धोनी के कारण ही युवराज को टीम से बाहर किया गया। उन्होंने यह भी कहा था कि वह इस मामले में धोनी को कभी माफ नहीं करेंगे।

एक इंटरव्यू में योगराज सिंह ने कहा था कि धोनी ने उनके बेटे के साथ गलत किया और इससे युवराज का करियर प्रभावित हुआ। उन्होंने यहां तक कहा कि युवराज सिंह जैसा खिलाड़ी फिर से देखने को शायद ही मिले और वह चार-पांच साल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल सकते थे। उनके इस बयान ने क्रिकेट जगत में काफी चर्चा पैदा की थी।

पाटिल ने कहा - पिता का भावुक होना स्वाभाविक

संदीप पाटिल ने योगराज सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक पिता का अपने

बेटे के लिए भावुक होना बिल्कुल स्वाभाविक है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में आरोप गलत व्यक्ति पर लगाए जा रहे हैं। पाटिल के अनुसार, चयन प्रक्रिया कई पहलुओं को ध्यान में रखकर होती है और किसी एक व्यक्ति को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है।

भविष्य में सैमसन को बनाया जा सकता है भारतीय टी20 टीम का कप्तान : कैफ

मुम्बई । सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद अब सवाल उठाता है कि उनके बाद किसे कप्तानी दी जानी चाहिये । इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भविष्य में कप्तानी दी जा सकती है क्योंकि उन्हें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में कप्तानी का लंबा अनुभव है । कैफ के अनुसार सैमसन के पास वह अनुभव और मानसिक ठहराव है, जो किस कप्तान के पास होना जरुरी है । उन्होंने कहा, संजू ही कप्तान बन सकते हैं उसमें सभी योग्याताएं हैं । मेरा मानना है कि कप्तान वही अच्छा होता है जिसने दुनिया देखी हुई है । कैफ के अनुसार, किसी नए खिलाड़ी को सीधे कप्तानी सौंपना नुकसानदे हो सकता है, क्योंकि उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कठिन हालातों का सामना नहीं किया होता है । कप्तानी के लिए कैफ ने आईपीएल के अनुभव को अहम बताया है । उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करने से पहले खिलाड़ी को आईपीएल जैसे बड़े मंच पर अपने को एक लीडर के रूप में साबित करना चाहिए । सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स टीम की ओर से ऐसा किया है । उन्होंने कहा, कप्तान उसी को बनना चाहिए जिसने ट्रॉफी जिताई हो जिसने कप्तानी पहले करी हो जिसने आईपीएल में 100 150 मैच खेले हो । कैफ ने कहा कि संजू राजस्थान रॉयल्स को कप्तानी करते हुए फाइनल तक ले गये । । इस लंबे अनुभव की वजह से उन्हें मैदान पर गेंदबाजी बदलाव करने और दबाव के क्षणों में किसी प्रकार सही फैसले लेते हैं ये पता है । कैफ ने सैमसन की तुलना वर्तमान और पूर्व कप्तानों से करते हुए परिपक्वता पर जोर दिया । उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा भी 30-32 साल की उम्र में भारतीय टीम के कप्तान बने थे, जब वे आईपीएल में पांच ट्रॉफियां जीतकर एक परिपक्व कप्तान बन गये थे ।

प्रधानमंत्री कहां हैं? एलपीजी की कमी पर ध्यान देने के बजाए वे चुनाव रैलियां कर रहे हैं- राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने गुरुवार को केरल और तमिलनाडु में रैलियां करने के लिए पीएम मोदी की आलोचना की और उनसे व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की कमी पर ध्यान देने की मांग की। संजय राउत ने केंद्र सरकार से पश्चिम एशिया संघर्ष से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा की मांग की। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कहां हैं? वे केरल और तमिलनाडु में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और वे अपने विरोधियों के खिलाफ जिन शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वे प्रधानमंत्री पद की गरिमा के अनुरूप नहीं हैं। राउत ने कहा कि पीएम मोदी ईरान-इजराइल संघर्ष के प्रभाव पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कमी के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। यह स्थिति लोगों में भय पैदा कर रही है। होटल और रेस्तरां बंद हो रहे हैं। मोदी सरकार ने इस पर कुछ नहीं कहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश ऐसे नेतृत्व के हाथों में है। यह घटनाक्रम गुरुवार को केरल और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पीएम मोदी की जनसभाओं के बाद सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार भारतीयों के हितों को सर्वोपरि रखने के उसी दृष्टिकोण का पालन करेगी और घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की कोई जरुरत नहीं। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित है। हम इंडिया फर्स्ट की विचारधारा में विश्वास रखते हैं। बता दें पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के मद्देनजर व्यावसायिक एलपीजी गैस सिलेंडरों की कमी हो गई है, जिसके बाद केंद्र ने घरेलू खपत को प्राथमिकता देते हुए जरुरी वस्तु अधिनियम लागू किया है।

टल गया बड़ा संकट...कुकी समुदाय ने नागा समुदाय के सभी 21 नागरिकों बातचीत के बाद छोड़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में कुकी समुदाय के ग्रामीणों और सशस्त्र लोगों द्वारा हिरासत में लिए गए नागा समुदाय के सभी 21 नागरिकों को बातचीत के बाद छोड़ दिया गया। इंफाल पुलिस अधिकारी ने बताया कि उखरुल-इम्फाल मार्ग पर तीन वाहनों में यात्रा कर रहे तंगखुल नागा समुदाय के नागरिकों को शांगकाई में कुकी गांव वालों और हथियारबंद लोगों ने बंधक बनाया था। राज्य सरकार के अधिकारियों और नागा एवं कुकी समुदायों के नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) के नेताओं के बीच गहन बातचीत और विचार-विमर्श के बाद सुबह बंधकों को रिहा किया गया। रिहाई के बाद नागरिकों को लिटान पुलिस स्टेशन ले जाया गया और बाद में उन्हें उनके परिवारों से मिला दिया गया। 21 लोगों को बंधक बनाने के कारण तंगखुल नागा बहुल उखरुल जिले में विशेष रूप से कुकी बहुल कांगपोकपी जिले से सटे इलाकों में तनाव बना रहा। सुरक्षा बलों ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तलाशी और क्षेत्र नियंत्रण अभियान चलाए। इसके पहले मणिपुर में तंगखुल नागाओं की सर्वोच्च संस्था, तंगखुल नागा लोंग (कार्यकारी समिति) ने उखरुल जिले के कुकी-बहुल गांव शांगकाई में हिरासत में लिए गए 20 से अधिक नागा नागरिकों की सुरक्षित रिहाई की मांग करते हुए दो घंटे का अल्टीमेटम जारी किया था। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नागा जनजाति है और मुख्य रूप से राज्य के पांच से छह जिलों में पाई जाती है।

एलपीजी संकट पर कांग्रेस पर हमलावार कंगना.... जनता को गुमराह करने की साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एलपीजी संकट को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रानोत ने विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर निशाना साधकर कहा कि जनता को गुमराह करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में महंगाई बढ़ रही है, लेकिन भारत में लगातार नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। रनौत ने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को कथित एलपीजी संकट से उसी तरह बाहर निकलने वाले हैं, जैसे उन्होंने कोविड महामारी के दौरान देश का नेतृत्व किया था। मंडी से सांसद कंगना रनौत ने कहा कि एलपीजी की स्थिति को लेकर केंद्र सरकार ने पूर्ण आश्वासन दिया है, लेकिन विपक्ष दहशत फैलाकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि जनता को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर विश्वास रखना चाहिए, क्योंकि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारत लगातार प्रगति कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन जारी रखा। विपक्ष का आरोप है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण देश में एलपीजी की कमी की स्थिति पैदा हो रही है और इस पर संसद में विस्तृत चर्चा होनी चाहिए।

घरेलू फ्लाइटों पर एयर इंडिया ने 399 रुपये सरचार्ज की बढ़ोतरी की

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पर ईरान-इस्राइल युद्ध का असर दिख रहा है। अब उड़ानें महंगी हो गई हैं। घरेलू फ्लाइटों पर एयर इंडिया ने 399 रुपये सरचार्ज की बढ़ोतरी कर दी है। बढ़ा हुआ सरचार्ज आज यानी गुरुवार से लागू हो गया है। अन्य एयरलाइंस की ओर से इस लेकर तैयारियां चल रही हैं। सरचार्ज बढ़ोतरी के बाद इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर 1200 रुपये तक अधिक चुकाना पड़ सकता है। खाड़ी संकट ने लोगों के जीवन पर अब खासा असर डालना शुरू किया है। दरअसल, ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमले और पलटवार ने खाड़ी देशों में तनाव को भड़का दिया है। इस युद्ध के कारण तेल-गैस को लेकर देश में पैनिक जैसी स्थिति है। वहीं, अब एयर ट्रैवल भी महंगा होता जा रहा है। इराक का एयरस्पेस पूरी तरह बंद किए जाने से अमेरिका यूरोप की कनेक्टिंग फ्लाइट के भी काफी महंगी होने के आसार हैं। लखनऊ एयरपोर्ट पर तैनात एक एयरलाइंस के अधिकारी के अनुसार, युद्ध के बाद भी इराक के एक सिरे से होते हुए इंटरनेशनल फ्लाइट्स जा रही थीं।

गुजरात आ रहे जहाज पर ईरानी हमलों के बाद भड़का भारत कहा- अब ऐसी घटनाएं न हों

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज जलडमरूमध्य में थाईलैंड के एक मालवाहक जहाज पर हुए हमले के बाद भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पश्चिम एशिया में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की बढ़ती घटनाओं पर भारत ने गहरी चिंता जताते हुए इन हमलों को तुरंत रोकने की मांग की है। यह विवाद तब गहराया जब गुजरात के कांडला बंदरगाह की ओर आ रहे एक जहाज मयूरी नारी पर ईरानी सेना के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) द्वारा हमला किए जाने की खबर आई।

विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि भारत वाणिज्यिक जहाजों को सैन्य संघर्ष का हिस्सा बनाने की कड़ी निंदा करता है। मंत्रालय के अनुसार, 11 मार्च को होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई जहाज मयूरी नारी पर हमला हुआ, जो भारत के कांडला आ रहा था। अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर नौवहन और व्यापार की स्वतंत्रता में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार्य नहीं है। मंत्रालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि इन संघर्षों में अब तक

कई भारतीय नागरिकों सहित कई निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है। हमलों की बढ़ती तीव्रता और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को लेकर भारत ने स्पष्ट किया कि निर्दोष नागरिकों को खतरे में डालना अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है।

रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन जहाजों पर गोले दागे गए। थाईलैंड के ध्वज वाले जहाज मयूरी नारी ने बुधवार सुबह संयुक्त अरब अमीरात के खलीफा बंदरगाह से अपनी यात्रा शुरू की थी। सुबह करीब 11 बजे इस पर हमला हुआ। रॉयल थाई नेवी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चालक दल के 20 सदस्यों को बचाकर ओमान पहुँचाया है, जबकि तीन अन्य सदस्यों की तलाश अभी भी जारी है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा गलियारा है, जहाँ से वैश्विक कच्चे तेल की 20 प्रतिशत आपूर्ति होती है। इन हमलों के कारण यह मार्ग बाधित होने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति और कीमतों पर असर पड़ सकता है। इस बीच, भारत सरकार ने खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लगभग एक करोड़ भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पुष्टि की कि हालिया संकट के दौरान एक पोत पर हुए हमले में दो भारतीयों की मौत हुई है और एक लापता है। वर्तमान में ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक मौजूद हैं, जिनके साथ भारतीय दूतावास लगातार संपर्क में है। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इस क्षेत्र के विभिन्न देशों के नेताओं और अपने समकक्षों के साथ निरंतर संवाद कर रहे हैं ताकि स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सके।

महाराष्ट्र में विधान भवन को बम से उड़ाने की धमकी, मीडिया को नहीं जाने दिया अंदर

-गहन तलाशी के बाद झूठी निकली धमकी, ईमेल भेजने वाली की तलाश शुरू

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र राज्य विधानसभा परिसर, विधान भवन को उड़ाने की धमकी देने वाले ईमेल के बाद गुरुवार को सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, जिसके चलते बजट सत्र के दौरान जांच शुरू होने तक मीडियाकर्मियों और आम जनता को अंदर नहीं जाने दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को अधिकारियों को एक चिंताजनक ईमेल मिला, जिसमें दक्षिण मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित विधान भवन में बम विस्फोट की स्पष्ट चेतावनी दी गई थी। राज्य विधानसभा और विधान परिषद में गरमागरम राजनीतिक बहसों के बीच बजट पर सक्रिय रूप से विचार-विमर्श चल रहा था। अंदर मौजूद विधायक कड़ी निगरानी में कार्यवाही जारी रखे रहे, शुरुआत में उन्हें बाहरी अराजकता की जानकारी नहीं थी, क्योंकि

इस खतरे ने महाराष्ट्र की विधायी संस्था के केंद्र में स्थित इस प्रतिष्ठित भवन में सामान्य आवागमन को बाधित कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक विधान भवन में बम निरोधक दस्ते ने गहन तलाशी के बाद परिसर को सुरक्षित घोषित कर दिया और धमकी को झूठी बताया। अब धमकी भरा ईमेल भेजने वाले व्यक्ति को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। सदन की कार्यवाही सुबह 11:00 बजे फिर शुरू हुई, जिससे बजट सत्र बिना किसी देरी के जारी रहा। महाराष्ट्र के गृह मंत्री पंकज भोइर ने खुलासा किया कि गुरुवार सुबह 6:27 बजे विधान भवन, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और हाईकोर्ट को निशाना बनाते हुए बम विस्फोट की चेतावनी वाला एक धमकी भरा ईमेल मिला था। जांच से पता चलता है कि ईमेल फर्जी था।

आंध्र प्रदेश के घरों में खौल रही सफेद मौत, मिलावटी दूध से अब तक 12 की गई जान

-इस घटना ने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया, दूध विक्रेता हिरासत में जांच शुरु

गोदावरी (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के अस्पताल के वार्डों में तड़पते बुजुर्ग, पेशाब रुकने से फूलते शरीर और उल्टियों के बीच अपनी आखिरी सांसें गिनते मासूमों ने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया है। यह सब बुरे सपने से कम नहीं है। जहां सुबह की चाय और बच्चों का दूध धीमा जहर बनकर घरों में दाखिल हुआ। वरलक्ष्मी मिल्क डेरी से निकले उस मिलावटी दूध ने देखते ही देखते 12 घरों के चिराग बुझा दिए। यह महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि नृशंस सामूहिक हत्या जैसा है, जहां मुनाफे के लालच में दूध में घातक रसायन मिलाया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस खौफनाक कांड ने साबित कर दिया है कि हमारी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। आज 12 मौतें हुई हैं, लेकिन सवाल यह है कि इस वक्त कितने और घरों में यह सफेद मौत घूम रही है? पूरा इलाका श्मशान जैसी शांति और गहरे तनाव की चपेट में है, जहां हर दरवाजा खटखटाने वाला दूधवाला अब एक कातिल नजर आ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक इस समूह की पहचान सबसे पहले 22 फरवरी को हुई थी, जब कई बुजुर्ग व्यक्तियों को पेशाब न आना, उल्टी, पेट दर्द और अन्य दिक्कतों के चलते अस्पतालों में भर्ती कराया गया था।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कई विभागों में कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नैदानिक ??जांच में रक्त में यूरिया और सीरम क्रिएटिनिन का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया, जो विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने का संकेत देता है। शुरूआती जांच से पता चला है कि कोरुकोंडा मंडल के नरसपुरम गांव में स्थित वरलक्ष्मी मिल्क डेरी से 106 परिवारों को आपूर्ति किया जाने वाला दूध इसका स्रोत हो सकता है। आपूर्ति तुरंत रोक दी गई है। इलाके में आपातकालीन चिकित्सा शिविर स्थापित किये गए हैं और चिकित्सकों और विशेषज्ञों का एक दल तैनात किया गया है। डेरी से आवश्यक नमूने लिए गए हैं और संदिग्ध दूध विक्रेता अड्डाला गणेश्वरराव (33) को हिरासत में लिया है। डेरी को सील कर दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जनसंख्या दर में भारी गिरावट के कारण जापान से भी ज्यादा बुरे हालात में सिक्किम

भारत की जनसंख्या 2050 तक तेजी से बूढ़ी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश कम फर्टिलिटी दर को लेकर परेशान है। इसका बड़ा कारण है कि भारत की जनसंख्या 2050 तक तेजी से बूढ़ी होगी। तब 60 साल से अधिक उम्र वालों की तादाद कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत होगा है। आजादी के 100वें साल तक देश में बच्चों से ज्यादा बुजुर्ग हो जाएंगे। सबसे बड़ी चुनौती सिक्किम में है। वहां जापान से भी बच्चे कम पैदा हो रहे हैं। सरकार करीब 4 बरस से प्रयास कर रही है, पर हालात नहीं सुधर रहे। देश की कुल जन्म दर (टीएफआर) 2.1 के स्थिर स्तर के मुकाबले 1.9-2.0 के बीच है, जबकि सिक्किम में यह बेहद निचले स्तर 1.1 तक पहुंच गई है। इसका मतलब है कि औसतन हर महिला 1.1 बच्चे को जन्म दे रही है। 2005-06 में यह 2.0 थी, 2015-16 में 1.2 और 2025-26 में 1.1 तक आ गई। इस गिरावट के चलते सिक्किम का हाल जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से

भी गंभीर हो गया है। अब सरकार नैशनल रिसर्च इंस्टीट्यूशन के साथ साझेदारी कर यह समझने की कोशिश कर रही है कि फर्टिलिटी क्यों कम हो रही है। सिक्किम जैसी स्थिति दुनिया के कई देशों की है। इसके बाद सिक्किम सरकार ने जन्म दर बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए हैं। 2022 में शुरू की गई वात्सल्य योजना के तहत बांझपन जैसी समस्याओं से जूझ रहे दंपतियों को आईवीएफ जैसे महंगे उपचार के लिए 3 लाख रुपये की मदद दी गई। योजना शुरू होने के बाद 38 महिलाओं ने पंजीकरण कराया, जिससे स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य कारण भी टीआरएफ घटने में योगदान दे रहे हैं।

इतना ही नहीं सिकिम्म सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रोत्साहन नीति भी लागू की गई। दूसरे बच्चे पर वेतन वृद्धि, तीसरे बच्चे पर अतिरिक्त वेतन, महिला कर्मचारियों के लिए एक साल की मैटरनिटी लीव और पुरुषों को पैटरनिटी लीव दी गई। बच्चों की देखभाल के लिए अटेंडेंट की व्यवस्था की गई। निजी क्षेत्र में भी महिलाओं को दूसरे बच्चे पर 5,000 रुपये और तीसरे बच्चे पर 10,000 रुपये मासिक वित्तीय सहायता का प्रावधान है।

विश्व स्तर पर भी जन्म दर बढ़ाने की चुनौतियां आम हैं। सिंगापुर में टीआरएफ 1.0 के आसपास है, जबकि दक्षिण कोरिया में यह 0.7 तक गिर गई। इन देशों में लंबे समय से बेबी बोनस, टैक्स रिबेट, सस्ती चाइल्ड केयर और हाउसिंग इंसेंटिव जैसी नीतियां लागू हैं, लेकिन परिणाम सीमित रहे हैं। हंगरी को थोड़ी सफलता मिली है, जहां 2011 में टीआरएफ 1.23 था और सरकार ने हाउसिंग सब्सिडी, कम ब्याज पर कर्ज और चार या अधिक बच्चों वाली महिलाओं के लिए आयकर छूट जैसी नीतियां लागू कीं। 10 साल बाद टीआरएफ 1.5 तक बढ़ा, लेकिन यह भी रिप्लेसमेंट लेवल से कम है। जनसंख्या संतुलन बनाए रखने और बूढ़ी आबादी के बढ़ते बोझ को संभालने के लिए जन्मदर बढ़ाने के प्रयासों को और प्रभावी, समग्र और दीर्घकालिक रणनीतियों के साथ लागू करना होगा। इसके लिए स्वास्थ्य, वित्तीय प्रोत्साहन और सामाजिक समर्थन सभी आवश्यक हैं।

फारूक अब्दुल्ला पर हमला: सुरक्षा घेरा तोड़कर पहुंचा था हमलावर, 20 साल से बना रहा था योजना

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला बुधवार को एक भीषण हमले में बाल-बाल बच गए। जम्मू के बाहरी इलाके ग्रेटर कैलाश स्थित होटल रॉयल पार्क में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान एक सशस्त्र हमलावर ने उन पर बेहद करीब से निशाना साधने की कोशिश की। हालांकि, मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई और मुस्तैदी के कारण एक बड़ी अनहोनी टल गई, लेकिन इस दौरान हमलावर की बंदूक से एक राउंड फायरिंग भी हुई जिससे समारोह में अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस ने हमलावर की पहचान 63 वर्षीय कमल सिंह जमवाल के रूप में की है, जो जम्मू के पुरानी मंडी इलाके का निवासी है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने जो खुलासे किए, वे चौंकाने वाले हैं। जमवाल ने दावा किया कि वह पिछले दो दशकों से फारूक अब्दुल्ला की हत्या की योजना बना रहा था और इसे अपना व्यक्तिगत एजेंडा बताया। आरोपी के पास से एक लोडेड पिस्तौल बरामद हुई है, जिसे उसने अपनी लाइसेंसी बंदूक बताया है। अधिकारियों के अनुसार, घटना के समय आरोपी नशे में धुत था और उसने खुद को एक अज्ञात जागरण मंच का अध्यक्ष भी बताया है। यह सनसनीखेज घटना

उस समय हुई जब फारूक अब्दुल्ला और केंद्र शासित प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी एक पार्टी नेता के बेटे के विवाह समारोह से वापस लौट रहे थे। सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि हमलावर पीछे से डॉ. अब्दुल्ला के बिल्कुल करीब पहुंच गया और उन पर बंदूक तान दी। इससे पहले कि वह घातक वार कर पाता, अब्दुल्ला की जेड प्लस सुरक्षा में तैनात क्लोज प्रोटेक्शन टीम ने फुर्ती दिखाते हुए उसे दबोच लिया। इस दौरान वहां मौजूद कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों ने आरोपी की जमकर धुनाई भी की। इस घटना ने जम्मू-कश्मीर में वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था की खामियों को उजागर कर दिया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस चूक पर गहरा दुख और आश्चर्य व्यक्त किया है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर एक व्यक्ति जेड प्लस सुरक्षा वाले पूर्व मुख्यमंत्री के इतने करीब लोडेड पिस्तौल के साथ कैसे पहुंच गया? वहीं, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने भी इसे सुरक्षा में भारी लापरवाही करार देते हुए कहा कि जब पूर्व सीएम, डिप्टी सीएम और सलाहकार एक ही स्थान पर मौजूद हों, तो ऐसी घटना सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती है। फिलहाल जम्मू पुलिस ने मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी आतंकी संलिप्तता से इनकार किया है, लेकिन इस बात की गहराई से तफ्तीश की जा रही है कि आरोपी हथियार के साथ सुरक्षा घेरे को भेदकर अंदर दाखिल होने में कैसे कामयाब रहा।

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में इकबाल खान ने अक्षय कुमार संग साझा किया अपना 'खिलाड़ी' फैन मोमेंट

मुंबई (एजेंसी)। सोनी सब का बहुप्रतीक्षित मेडिकल ड्रामा यादें दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा रहा है। शो के लीड एक्टर इकबाल खान ने इसके प्रमोशन के लिए अक्षय कुमार के गेम शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून में खास शिरकत की। बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार द्वारा होस्ट किए गए इस एपिसोड में इकबाल के साथ उनके दोस्त और अभिनेता मनीष पॉल और करण वाही भी शामिल हुए। तीनों ने मंच पर अपनी दोस्ती, मजाक और गर्मजोशी से माहौल को खुशनुमा बना दिया और दर्शकों को यादें की भावनात्मक दुनिया की झलक दिखाई। मजेदार पलों और हंसी-मजाक के बीच मनीष ने यह राज खोला कि इकबाल अक्षय कुमार के बहुत बड़े फैन हैं और जूडो व कराटे में बेहद माहिर हैं। उनकी फ्लाइंग किक्स इतनी सटीक होती हैं कि देखने वाले दंग रह जाते हैं। मनीष

ने कहा: एक बात जो इकबाल कहने में झिझक रहे हैं, मैं बताना चाहता हूँ कि वे जूडो और कराटे में बहुत अच्छे हैं और प्रोफेशनल्स की तरह फ्लाइंग किक्स कर सकते हैं। इकबाल खान ने खुलासा किया कि जब फिल्म खिलाड़ी रिलीज हुई थी, तो वह और उनके दोस्त क्लाइमैक्स सीन से इतने प्रभावित हुए कि उसे अपनी ही स्टाइल में दोहराने की कोशिश करते थे। यह उनके लिए अक्षय कुमार के एक्शन स्टारडम को अपने अंदाज में जीने जैसा था। एक खुली बातचीत में इकबाल खान ने कहा, जब खिलाड़ी रिलीज हुई थी, उसके क्लाइमैक्स सीन में जब आप एम्बेसडर कार के ऊपर से कूदते हैं और फिर वो किक्स देते हैं हमने वो देखा था। हमारी कॉलोनी में कुछ लड़के थे और उस समय कैमरे नहीं हुआ करते थे। हम कार के पीछे एक स्टूल रखते, उस पर चढ़ते और एक हाथ से सहारा लेकर वही मूव दोहराने की कोशिश करते। हम बस उन किक्स तक ही पहुँच पाए, लेकिन जिस तरह आप खुद को ऊपर उठाते थे, वैसा हम कभी कर ही नहीं पाए। एक दिलचस्प किस्से में करन वाही ने अपनी दोस्ती का ज़िक्र करते हुए बताया कि हर तीन दोस्तों के ग्रुप में हमेशा एक ऐसा इंसान होता है जो बाकी दो का ध्यान रखता है और उनके ग्रुप में वह शख्स इकबाल हैं। करन वाही ने कहा, हम जैसे किरदारों (मनीष और मैं) के साथ आपको जरूर कोई समझदार इंसान चाहिए होता है जो चीजों को संभाल सके।

बिहार चुनाव में बीजेपी के बटुए से निकले 146.71 करोड़... जीते सबसे ज्यादा 89 विधायक

-कांग्रेस ने 35.07 करोड़ रुपये खर्च किए, जीते सिर्फ 6 विधायक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जीतने के लिए बीजेपी ने सभी पार्टियों से ज्यादा खर्च किया है। बीजेपी ने 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वहीं कांग्रेस ने कुल 35.07 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। बीजेपी ने जमा पूंजी का 2 फीसदी खर्च किया, जबकि कांग्रेस ने अपनी कुल जमा पूंजी का 28 फीसदी पैसा खर्च किया है। बीजेपी ने बीते बिहार विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार ज्यादा पैसा खर्च किया। 2020 में बीजेपी ने करीब 54 करोड़ खर्च किए थे, लेकिन इस बार 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

बिहार में बीजेपी को पैसा खर्च करने का फल भी मिला। राज्य में 89 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस ने बीजेपी की तुलना में भले ही पैसा कम खर्च किया हो, लेकिन अपनी जमा पूंजी का बहुत बड़ा हिस्सा बिहार में खर्च किया।

चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बाद अपने खर्च की हिसाब देती हैं। इसके तहत बिहार चुनाव में खर्च किए पैसे का लेखा-जोखा सियासी दलों ने चुनाव आयोग को दिया हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी ने बिहार चुनाव खर्च की रिपोर्ट 10 फरवरी को चुनाव आयोग को सौंपी है, जिसमें पार्टी ने बताया है कि उसने 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वहीं, बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कुल 35 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, तब सीपीआई (एम) ने महज 26.75 लाख रुपये खर्च किए हैं। बहुजन समाज पार्टी ने बिहार चुनाव में सिर्फ 9.01 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। आरजेडी और जेडीयू सहित दूसरे दलों के खर्च का लेखा-जोखा अभी चुनाव आयोग को उपलब्ध नहीं कराया हैं।

बीजेपी ने चुनाव प्रचार के विज्ञापन पर खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा गूगल इंडिया लिमिटेड पर किया, जिसे पार्टी ने 14.27 करोड़ रुपये दिए। इसके अलावा बीजेपी ने अपने उम्मीदवारों पर 29.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिसमें पार्टी ने उन्हें चुनाव लड़ने के लिए आर्थिक मदद के तौर पर दिया है। कांग्रेस ने बिहार चुनाव में खर्च किए गए 35 करोड़ रुपये में से 12.83 करोड़ रुपये स्टार कैंपेनर्स की यात्रा पर दिए। इसके अलावा कांग्रेस ने सोशल मीडिया कैंपने के लिए 11.24 करोड़ रुपये खर्च किए। इसके अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बिहार में निकाली गई वोटर अधिकार यात्रा पर भी खर्च किए।

रिपोर्ट से पता चलता है कि बीते साल नवंबर में बिहार चुनाव खत्म होने पर बीजेपी का क्लोजिंग बैलेंस 7,088.58 करोड़ रुपये था। इसके मुताबिक चुनाव से पूर्व बीजेपी के पास 7235.26 करोड़ रुपये था, जिसमें से 146.71 करोड़ खर्च किया। इसके बाद 7,088.58 करोड़ रुपये बचे थे। इस तरह बीजेपी ने अपनी जमापूंजी का करीब 2 फीसदी पैसा ही बिहार चुनाव में खर्च किया है। वहीं, कांग्रेस के पास बिहार चुनाव के बाद कुल 89.13 करोड़ रुपये बचे थे। कांग्रेस ने चुनाव में 35.07 करोड़

रुपये खर्च किए हैं। इस लिहाज से कांग्रेस के चुनाव से पहले 124.2 करोड़ रुपये था, जिसमें से 35.07 करोड़ रुपये खर्च करने का मतलब साफ है कि पार्टी ने अपनी जमापूंजी का 28.23 फीसदी पैसा बिहार चुनाव में खर्च किया।

बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने सबसे ज्यादा 89 विधायक जीतने में सफल रही, जबकि कांग्रेस को महज 6 सीटें मिली हैं। बिहार चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस के द्वारा खर्च किए गए पैसे को विधायकों की संख्या के लिहाज से बीजेपी को एक विधायक 1 करोड़ 64 लाख का पड़ा। वहीं कांग्रेस के सिर्फ 6 विधायक जीते हैं, इसके बाद कांग्रेस को एक विधायक 5 करोड़ 83 लाख का पड़ा।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902